

वाल्मीकि रामायण के राम

सुन्दरु ग्रन्थ



जिज्ञासु - योगिता पंत

अध्ययनकर्ता - अनिल चावला

के मध्य वार्तालाप की शृंखला



वाल्मीकि रामायण के राम

सन्दर्भ ग्रन्थ



जिज्ञासु - योगिता पंत

अध्ययनकर्ता - अनिल चावला

के मध्य वार्तालाप की श्रृंखला

Valmiki Ramayan Ke Ram – Sandarbh Granth

Authors – Yogita Pant and Anil Chawla

Published first in September 2023

Published by Anil Chawla Law Associates LLP (<https://indialegalhelp.com/>)
at <https://samarthbharat.com/>

Copyright – Anil Chawla Law Associates LLP.

Free for non-commercial use. No commercial use permitted.

No copyright claimed on the images used, except on photographs of Yogita Pant and Anil Chawla.

Copyright for all such images belongs to the original owner.

Copyright for photographs of Yogita Pant and Anil Chawla are with the Publisher.



भूमिका

श्रीमद्वाल्मीकीय रामायण विश्व का प्राचीनतम ग्रन्थ है। इसे आदिग्रन्थ कहा गया है। इसमें राम के जीवन का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया है। इसमें राम का चित्रण एक ऐसे मनुष्य के रूप में किया गया है जो संघर्ष करता है, परिश्रम करता है, जीवन के द्वन्द्वों का सामना करता है, अपने सहयोगियों एवं निकटस्थ व्यक्तियों से चर्चा करता है और विद्वतजनों से मार्गदर्शन प्राप्त करता है। वह धर्म एवं आदर्श के पथ से कभी हटते नहीं हैं। उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। उनके जीवन का हर प्रसंग शिक्षाप्रद है, प्रेरणादायक है।

वाल्मीकि रामायण के राम नामक इस श्रृंखला का उद्देश्य दर्शकों को राम के जीवन से परिचित कराना है। राम के जीवन को जान कर, समझ कर और आचरण में उतार कर हम अपने जीवन को सुखद एवं समृद्ध बना सकते हैं।

वाल्मीकि रामायण के राम नामक श्रृंखला जिज्ञासु योगिता पंत और मेरे (अध्ययनकर्ता अनिल चावला के) मध्य वार्तालाप है। यह प्रवचन नहीं है। हिन्दू परम्परा में वार्तालाप, प्रश्नोत्तर का बहुत महत्त्व है। जब कोई प्रश्न करता है तो प्रश्न करने वाले और जिससे प्रश्न पूछा जाए, दोनों के मानस में विचारों का प्रवाह प्रारम्भ हो जाता है। हमारी वार्तालाप की श्रृंखला का उद्देश्य भी दर्शकों एवं श्रोताओं के मस्तिष्क में विचारों की प्रक्रिया को जागृत करना है।

दुःख की बात यह है कि आज राम भारत और अनेक अन्य देशों के जनमानस की भक्ति का केन्द्रबिन्दु तो हैं पर विचारों का नहीं। राम की पूजा करने वालों की संख्या करोड़ों में है, पर राम को पूजने वाले राम को कितना समझते हैं और कितना अपने जीवन में उतारते हैं यह प्रश्न उठाया जा सकता है। आज आवश्यकता राम के पुरुषोत्तम स्वरूप को समझने की है। राम के गुणों, आदर्शों और धर्म के प्रति निष्ठा को यदि हम समझ कर अपने जीवन में अपना सकें तो हमारा जीवन निश्चय ही सफल, सुखद और समृद्ध होगा।

भौतिक सुख सुविधाओं और चकाचौंध के पीछे दौड़ती आज की दुनिया में राम निश्चय ही अत्यंत प्रासंगिक हैं। राम ने हर निर्णय सदा त्रिवर्ग अर्थात् धर्म, अर्थ एवं काम के आधार पर लिया। त्रिवर्ग का सिद्धांत आज के युग में हम सब का भी मार्ग प्रदर्शित कर सकता है। राम के जीवन से हमें अनेक अन्य शिक्षाओं के साथ त्रिवर्ग को समझने और जानने का अवसर भी प्राप्त होता है।

राम की रावण पर विजय में निश्चय ही उनकी वीरता, साहस, लगन, पराक्रम, परिश्रम इत्यादि की बहुत बड़ी भूमिका है। पर राम की विजय की आधारशिला उन ऋषियों ने रखी थी जिन्होंने राम को उच्च क्षमता और गुणवत्ता वाले अस्त्र प्रदान किये थे। ऋषि उस युग में टेक्नोलॉजी विकसित करने का कार्य कर रहे थे।



वाल्मीकि रामायण के राम

वाल्मीकि रामायण में प्रस्तुत राम कथा का एक महत्वपूर्ण पहलू ऋषियों के समाज में योगदान की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करना भी है। जहाँ ब्राह्मणों का कार्य केवल ऋषियों द्वारा विकसित और उपलब्ध कराये ज्ञान को पढ़ना पढ़ाना था, ऋषियों ने हर प्रकार के ज्ञान का विकास किया, समाज को दिशा दी और युद्ध में भी उसे सहायता की जिससे समाज का सर्वांगीण विकास हो।

यहाँ यह समझना आवश्यक है कि ऋषि का अर्थ संत, सन्यासी अथवा साधु नहीं है। सभी ऋषि विवाहित थे और सम्भवतः भगवाधारी भी नहीं थे। आज के युग में जो व्यक्ति किसी भी प्रकार के ज्ञान के विकास, संवर्धन और वितरण में लगे हैं यदि हम उन्हें उसी प्रकार सम्मान, सहायता और समर्थन दें जैसा राम ने ऋषियों और ब्राह्मणों को दिया तो हम निश्चय ही सर्वांगीण विकास और समृद्धि के पथ पर अग्रसर होंगे।

पिछले लगभग एक हज़ार वर्षों से राम को नीचा दिखाने और रावण को महिमामंडित करने का षडयंत्र कतिपय तत्त्वों द्वारा किया जा रहा है। हमारा मानना है कि इसी षडयंत्र के तहत उत्तर काण्ड की रचना की गयी और मूल वाल्मीकि रामायण में भी कुछ स्थानों पर छेड़छाड़ की गयी। अनेक विद्वानों ने इसी प्रकार के विचार व्यक्त किया हैं। हम उत्तर काण्ड और मूल शास्त्र के ऐसे सभी अंशों, जो हमारे मतानुसार बाद में जोड़े गए हैं, को पूरी तरह अस्वीकार करते हैं।

जिन्होंने उत्तर काण्ड की रचना की उन्हीं लोगों ने पिछले लगभग डेढ़ हज़ार वर्षों में अनेक ग्रन्थ रचे और उन्हें सनातन सत्य या हिन्दू धर्म बना कर प्रचारित किया। इन ग्रंथों (पुराणों एवं स्मृतियों) से ही हिन्दू धर्म में जातिवाद, छूआछात, स्त्रियों के प्रति दुर्भावना जैसी अनेक विकृतियाँ आ गयी। यदि आज हिन्दू धर्म को इन सब विकृतियों और बुराइयों से मुक्ति पानी है तो वाल्मीकि रामायण का गहन अध्ययन अत्यावश्यक है।

मैंने वाल्मीकि रामायण को सर्वप्रथम आज से लगभग तेरह वर्ष पूर्व पहली बार पढ़ा था। पढ़ते ही मुझे हिन्दू धर्म के एक नये स्वरूप से परिचय हुआ। मैंने देखा कि राम मनुष्य के रूप में जीवन से जूझते हुए सदा धर्म का पालन करते हैं। आश्चर्य इस बात का था कि राम को अपनी अयोध्या से जनकपुरी और फिर पंचवटी होते हुए लंका तक की यात्रा में कभी कोई मंदिर नहीं मिला। मंदिर और भव्य चैत्यप्रासाद तो लंका में थे। मुझे यह समझ में आया कि चैत्यप्रासाद में ध्यान लगाने वाला या मंदिर में लम्बा अनुष्ठान करने वाला राक्षस भी हो सकता है।

इस प्रकार जिस धर्म को मैंने समझा उसको कुछ लेखों के माध्यम से सार्वजनिक किया। बाद में अंग्रेजी में Fundamentals of Eternal Hinduism नामक पुस्तक लिखी। फिर महसूस किया कि आजकल पढ़ने की परम्परा जैसे लुप्तप्राय सी हो गयी है और अंग्रेजी पढ़ने वाले भी सीमित हैं। इसलिए एक नए माध्यम से प्रयोग करने का विचार आया। वाल्मीकि रामायण को जन जन तक पहुँचाने हेतु नई टेक्नोलॉजी का उपयोग कर यू ट्यूब पर वीडियो का माध्यम उपयुक्त प्रतीत लगा।

प्रारम्भिक तैयारी फरवरी मार्च 2020 में की गयी थी। उसी समय कोविड ने सब कुछ अस्तव्यस्त कर दिया। किसी तरह जुलाई 2020 के प्रारम्भ में पहला प्रकरण प्रकाशित हुआ। धीरे धीरे कर के एक सौ ग्यारह प्रकरण पूरे हो गए। सितम्बर 2023 में श्रृंखला संपन्न हो गयी। इसी दौरान एक मित्र की पुत्री ने हमें इसे पॉडकास्ट पर प्रकाशित करने का सुझाव दिया। सुझाव अच्छा था इसलिए तुरंत मान लिया गया। आज वाल्मीकि रामायण के राम जितना देखा जाता है उससे कहीं अधिक सुना जाता है।



वाल्मीकि रामायण के राम

कई प्रकरण प्रकाशित होने के पश्चात कई बार हमें यह दिक्कत आयी कि कोई प्रश्न या प्रसंग दिमाग में आया तो यह याद नहीं आता था कि उससे सम्बंधित चर्चा हमने किस प्रकरण क्रमांक में की थी। तब पूरी शृंखला का एक सन्दर्भ ग्रन्थ बनाने का विचार आया। आपके हाथ में जो सन्दर्भ ग्रन्थ है, वह उस व्यक्ति के लिए नहीं है जो पूरी शृंखला सिलसिलेवार देख कर या सुनकर आनंद लेना चाहता है। यह उसके लिए है जो किसी एक (या अधिक) प्रश्न या प्रसंग का उत्तर चाहता है या समझना चाहता है। इसमें प्रत्येक प्रकरण में पूछे प्रश्न दिए गए हैं। प्रकरण में जो चर्चा हुई उसका संक्षिप्त विवरण अंग्रेजी में दिया गया है। साथ ही प्रकरण का यू ट्यूब का और पॉडकास्ट का लिंक भी दिया गया है।


प्रत्येक प्रकरण के विवरण के साथ ही मूल ग्रन्थ के अध्यायों की जानकारी दी गयी है। गंभीर विद्यार्थी यू ट्यूब या पॉडकास्ट में सुनने या देखने के बाद यदि सम्बंधित अध्याय मूल ग्रन्थ में पढ़ेंगे तो और अधिक आनन्द आएगा एवं समझ भी बढ़ेगी।

आशा है कि प्रस्तुत सन्दर्भ ग्रन्थ सुधी विद्वतजनों को उपयोगी लगेगा और हमें आप सब का भरपूर आशीर्वाद प्राप्त होगा। समस्त सुधीजनों को विनम्रतापूर्वक समर्पित।

अनिल चावला
गणेश चतुर्थी, भाद्र शुक्ल पक्ष,
19 सितम्बर 2023

कृपया नीचे दिए क्यू आर कोड को किसी भी UPI App से स्कैन कर दान करें और हमें हिन्दू धर्म के विस्तार में मदद करें।



 9406528010@paytm



प्राक्कथन

एक अनुमान के अनुसार विश्व में लगभग सवा सौ करोड़ हिन्दू धर्म को मानने वाले हैं। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि सभी हिन्दुओं और अनेक अन्य धर्मावलम्बियों के लिए भी राम सम्माननीय हैं, श्रद्धा का केंद्र हैं और आराध्य भी हैं। पर दुःखद तथ्य यह है कि राम को जानने और समझने वाले बहुत सीमित हैं। राम के बारे में जितनी तथ्यात्मक जानकारी है उससे कहीं अधिक असत्य जानकारी प्रचलन में है।

पिछले लगभग ढाई वर्षों में जब हम वाल्मीकि रामायण के राम की शूटिंग कर रहे थे, तो जब भी मैं किसी से भी मिलती थी तो चर्चा राम और उनके जीवन पर प्रारम्भ हो ही जाती थी। कई पढ़े लिखे व्यक्तियों ने मुझसे कहा कि जिस व्यक्ति (राम) ने सीता को त्याग दिया उसको आप भगवान कैसे मान सकती हो। मेरे लिए उनको यह समझाना अत्यंत कठिन कार्य है कि बिना किसी दोष के पत्नी को त्यागने का अपराध राम ने नहीं, किसी और ने किया।

स्त्री को अधम मानना, जातिवाद इत्यादि अनेक झूठे आरोपों से जब भी राम की आलोचना होती है तो अधिकतर हिन्दू निरूत्तर हो जाते हैं। वे या तो अन्य धर्मों के पैगंबरों प्रवर्तकों पर प्रत्यारोप लगाने लगते हैं या इसे श्रद्धा का विषय बता कर चर्चा एवं बहस से बचते हैं।

इसे आज के युग की विडंबना ही कहा जा सकता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम में दोष ढूँढना आधुनिकता और बुद्धिजीवी होने का परिचायक बन गया है। राम के समस्त गुण इन आधुनिक विद्वानों के लिए गौण हो गए हैं और उनके दोषों को ढूँढ ढूँढ कर जनता के सम्मुख प्रस्तुत करना ही सर्वोच्च बौद्धिक उपलब्धि माना जाता है।

मैं इस स्थिति को बहुत समय से देख रही थी और समझ नहीं पाती थी। इस सम्बन्ध में मैंने जब अपने मार्गदर्शक एवं गुरु श्री अनिल चावला से बात की, तो उन्होंने स्थिति स्पष्ट करने का समुचित प्रयास किया। उन्होंने मुझे वाल्मीकि रामायण पढ़ने की सलाह दी और रामायण की एक प्रति भी मुझे भेंट की। पर विचारणीय बात यह थी कि ये प्रश्न केवल मेरे व्यक्तिगत नहीं थे, ये तो आज के युग के प्रश्न थे और हैं। राम के मुख पर फेंके जा रहे कीचड़ से संभवतः राम को कोई अंतर नहीं पड़ता होगा। फ़र्क तो हम सब हिन्दुओं, विशेषकर युवा वर्ग, को पड़ रहा है। जब हमारी दृष्टि में राम दोषपूर्ण हो जाते हैं तो हमारे लिए आदर्शों और मूल्यों का संकट आ जाता है। यह सम्भावना अत्यंत बलवती हो जाती है कि हम दिशाहीन होकर भटक जाएँ।

आज हमें भटकाने के लिए विज्ञापनों और उत्पादों की चकाचौंध से रचा गया एक विशाल भ्रमजाल है। इस चमचमाती जादुई मायानगरी में तात्कालिक उत्तेजना और मादकता तो बहुत है पर अंत में कुण्ठा और पीड़ा है। राम के आदर्शों और मूल्यों को जीवन में अपनाकर हम सब प्रकार के भ्रमों तथा उलझनों से बच कर अपने जीवन को सुखी और समृद्ध बना सकते हैं। राम सदा धर्म के मार्ग पर चले। मर्यादाओं, आदर्शों और उच्चतम नैतिक मूल्यों को जीने वाले राम को जान कर, समझ कर और मन में बसा कर हम अपने एवं अपने परिवार, समाज, देश तथा विश्व को सुखी और समृद्ध बना सकते हैं।



वाल्मीकि रामायण के राम

एक ओर तो राम के मंदिरों की भरमार है और राम के प्रति श्रद्धा भी लगातार बढ़ रही है, दूसरी ओर मीडिया में राम पर निरंतर अनर्गल दोषारोपण भी यदा कदा सुनाई देता रहता है। राम पर प्रवचन देने वाले तो बहुत हैं पर राम को ठीक से, तार्किक ढंग से समझाने वाले नगण्य ही प्रतीत होते हैं। इस कमी को दूर करने की दिशा में हमारी श्रृंखला एक छोटा सा प्रयास है। हमने प्रयत्न किया है कि जनसाधारण (और विद्वतजन भी) राम के वास्तविक स्वरूप को समझें और निहित स्वार्थों द्वारा किये जा रहे झूठे प्रचार से बचें भी और उसका प्रतिकार भी कर सकें।


हम आशा करते हैं कि प्रस्तुत सन्दर्भ ग्रन्थ **वाल्मीकि रामायण के राम** श्रृंखला को अंशों में देखने अथवा सुनने के लिए उपयोगी सिद्ध होगा। हमें प्रसन्नता होगी यदि इस सन्दर्भ ग्रन्थ की सहायता से शोधार्थी, विद्यार्थी और अन्य विद्वतजन हमारी श्रृंखला का उपयोग राम कथा को गहराई से समझने के लिए कर पाएँ।

अंत में मेरी सभी पाठकों, श्रोताओं एवं दर्शकों हेतु शुभकामना है कि वे राम को समझें, जानें और मन में बसा कर जीवन को सुखी और समृद्ध बनाएँ।

योगिता पन्त

कृपया नीचे दिए क्यू आर कोड को किसी भी UPI App से स्कैन कर दान करें और हमें हिन्दू धर्म के विस्तार में मदद करें।



 9406528010@paytm



वाल्मीकि रामायण के राम

पूरी श्रृंखला देखने / सुनने हेतु लिंक

देखने हेतु लिंक	
You Tube	https://www.youtube.com/@valmikiramayan
सुनने हेतु लिंक	
Spotify	https://open.spotify.com/show/2mkDPDRnT62zTWBfQsobxN?si=8fa696925b004880 https://open.spotify.com/show/77iwlF32X1ATf6Uw7Trej4?si=db4c18e63b334f8a
Gaana	https://gaana.com/podcast/valmiki-ramayan-ke-ram-season-1
Hubhopper	https://hubhopper.com/podcast/valmiki-ramayan-ke-ram/339465
Google Podcasts	https://www.google.com/podcasts?feed=aHR0cHM6Ly9mZWVkcY5odWJob3BwZXluY29tLzcyZmU4NGVhN2JkNzlmNmIzYTU1MzViYmQ4ODI3ZWU0LnJzcw==
Amazon Music	https://music.amazon.com/podcasts/be7e6f3e-6a8f-4216-8781-ab9aa1834487

वाल्मीकि रामायण के राम उपरोक्त के अतिरिक्त अन्य कई पॉडकास्ट प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है। कृपया अपने पसंद के पॉडकास्ट प्लेटफॉर्म पर Valmiki Ramayan Ke Ram Samarth Bharat सर्च करें।



वाल्मीकि रामायण के राम

प्रकरण सूची

प्रकरण क्रमांक	शीर्षक	वा रा अध्याय क्रमांक
बाल काण्ड		
1	सोलह वर्षीय राम के सम्मुख चुनौती संघर्ष का प्रारम्भ	18-21 एवं अयोध्या काण्ड 45-50
2	राम स्त्री वध को तैयार नहीं, जन कल्याण हेतु ताटका वध	22-26
3	महर्षि आश्रम में सुबाहु का वध, मारीच पर उदारता राम को भारी पड़ी	27-30 एवं अरण्य काण्ड 36-41
4	ऋषि गौतम का पत्नी अहिल्या के प्रति प्रेम	48-49
5	सीता राम विवाह	66-73
6	राम परशुराम युद्ध	74-77
अयोध्या काण्ड		
7	राम के गुण एवं बातचीत की कला	1
8	क्रोध, त्याग, संयम, धर्म, अर्थ एवं काम	1
9	राम में राजा बनने के लिए आवश्यक गुण	1
10	राम के राज्याभिषेक के प्रस्ताव का अनुमोदन	1-2



वाल्मीकि रामायण के राम

प्रकरण क्रमांक	शीर्षक	वा रा अध्याय क्रमांक
11	राज्याभिषेक के पूर्व पिता का राम को उपदेश और कैकेयी मंथरा संवाद	3-8
12	कैकेयी का क्रोध का नाटक और महाराज दशरथ से संवाद	9-14
13	राज्याभिषेक का उत्साह और राम का वनगमन का संकल्प	15-19
14	राम वनगमन के सम्बन्ध में राम कौशल्या संवाद तथा राम को आशीर्वाद	20-22, 24-25
15	लक्ष्मण के रोष को राम ने प्रेम से जीता	23, 31
16	सीता द्वारा राम के साथ वन में जाने के लिए प्रेमपूर्वक आग्रह	26-30
17	सीता राम द्वारा दान महाराज का आदेश तथा सुमंत्र का आक्रोश	31-35
18	राम द्वारा सेना एवं खजाना ठुकराना तथा चीर धारण करना	36-38
19	राम का अयोध्या से प्रस्थान तथा महाराज दशरथ द्वारा कैकेयी का परित्याग	39-42
20	राम के वनगमन के पश्चात शोक तथा महाराज दशरथ को अपनी गंभीर भूल का एहसास	43-44, 58-59
21	महाराज दशरथ को देहांत के पूर्व ऋषि का श्राप याद आया	61-64
22	भरत का अयोध्या पहुँचना और उनका क्रोध एवं शोक	67-74



वाल्मीकि रामायण के राम

प्रकरण क्रमांक	शीर्षक	वा रा अध्याय क्रमांक
23	भरत द्वारा राज्य लेने से इंकार और निकृष्टतम अपराधों का विवरण	75
24	शत्रुघ्न का रोष, भरत द्वारा राज्याभिषेक से इन्कार, वन के लिए प्रस्थान	78-79, 82
25	राम ने निषादराज गुह की मदद से गंगा पार की तथा वन में प्रवेश	45-46, 50-52
26	राम की चित्रकूट यात्रा एवं भरत का गंगा तट पर आगमन	53-57, 83-85
27	भरत पर विश्वसनीयता का संकट	86-97
28	राम द्वारा भरत से कुशलक्षेम पूछना और राजा के चौदह दोष	98-100
29	मंत्रियों की नियुक्ति, भ्रष्टाचार, धन का उपयोग एवं मित्रों के साथ बाँटना	100
30	सेनापति, अधिकारी, सैनिक, शत्रु नीति, दंड नीति एवं कर नीति	100
31	पिता के स्वर्गवास की सूचना प्राप्त कर राम द्वारा जलदान एवं पिण्डदान	101-104
32	भरत द्वारा राम को मनाने का प्रयास और नास्तिक मत	105-109
33	राम भरत वार्तालाप का भावुक अंत और भरत द्वारा चरणपादुका ग्रहण करना	110-112
34	राम का चित्रकूट से प्रस्थान, ऋषि अत्रि एवं अनुसूया से मिलना	113-119



वाल्मीकि रामायण के राम

प्रकरण क्रमांक	शीर्षक	वा रा अध्याय क्रमांक
अरण्य काण्ड		
35	अरण्य काण्ड प्रारम्भ भयंकर वन में प्रवेश और विराध वध	1-5
36	सीता राम संवाद और दस वर्षों तक विभिन्न आश्रमों में राम का निवास	6-13
37	राम, लक्ष्मण एवं सीता का पंचवटी में आगमन और शूर्पणखा का अंगभंग	14-18
38	भीषण युद्ध में रावण के भाईयों खर एवं दूषण का वध	19-30
39	रावण को खर की मृत्यु की सूचना और सीताहरण की योजना	31-35
40	रावण मारीच संवाद और मृत्यु भय से रावण द्वारा मारीच को धमकाना	36-41
41	स्वर्णमृग शिकार और सीता द्वारा लक्ष्मण को राम की सहायता हेतु भेजना	42-45
42	रावण द्वारा सीता का हरण	46-49
43	जटायु द्वारा सीताहरण रोकने का प्रयास	50-54
44	सीता को ना पा कर राम का दुःख और आक्रोश	57-66
45	राम का घायल जटायु से मिलन और राम द्वारा जटायु का अंतिम संस्कार	67-68
46	सीता द्वारा रावण का प्रेम निवेदन ठुकराना और इंद्र द्वारा सीता को खीर देना	55-57



वाल्मीकि रामायण के राम

प्रकरण क्रमांक	शीर्षक	वा रा अध्याय क्रमांक
47	राक्षसी अयोमुखी का अंगभंग एवं विशाल राक्षस कबंध का वध	69-73
48	राम लक्ष्मण का शबरी से मिलन और सप्तसागर तीर्थ में स्नान	74-75
किष्किंधा काण्ड		
49	पम्पा तट पर विरह में राम का विलाप और लक्ष्मण का समझाना	1-2
50	हनुमान का भिक्षु बनकर राम लक्ष्मण के पास पहुँचना और सुग्रीव राम की मित्रता	3-5
51	राम सुग्रीव वार्तालाप में मित्रता एवं जीवन के सिद्धांतों का वर्णन	6-8
52	सुग्रीव और वाली के बीच वैर का कारण	9-10
53	सुग्रीव द्वारा राम की परीक्षा	11-12
54	पत्नी तारा द्वारा वाली को युद्ध से बचने की सलाह	13-16
55	वाली द्वारा राम को फटकारना और राम द्वारा तर्कपूर्ण उत्तर	17-18
56	तारा एवं सुग्रीव का वाली के लिए शोक और प्राण त्यागने की इच्छा	19-25
57	सुग्रीव का मौज मस्ती में डूबना, राम का धैर्य और लक्ष्मण की सलाह	26-29
58	राम की सुग्रीव पर नाराज़गी, लक्ष्मण का कोप	30-36



वाल्मीकि रामायण के राम

प्रकरण क्रमांक	शीर्षक	वा रा अध्याय क्रमांक
59	वानर सेनाएँ एकत्र, सीता की खोज के लिए कार्य विभाजन	37-45
60	सीता की खोज में हनुमान एवं अंगद के दल के सम्मुख कठिनाइयाँ	46-53
61	जटायु के बड़े भाई सम्पाति द्वारा सीता की खोज में मदद	54-63
62	हनुमान जन्म कथा और हनुमान का सागर लांघने के लिए तैयार होना	64-67
सुन्दर काण्ड		
63	वीर हनुमान का समुद्र लाँघ कर लंका में प्रवेश	1-3
64	सीता की खोज करते हुए रावण के शयनकक्ष में हनुमान	4-13
65	अशोक वाटिका में वीर हनुमान द्वारा सीता की खोज	14-22
66	राक्षसियों द्वारा सीता को डराना धमकाना और त्रिजटा का स्वप्न	23-30
67	हनुमान का सीता से मिलना और सीता द्वारा राम का कुशल समाचार पूछना	31-36
68	सीता द्वारा हनुमान के प्रस्ताव को नकारना और राम के लिए एक सन्देश	37-40
69	हनुमान द्वारा रावण की शक्ति का आकलन करने के लिए युद्ध का प्रारम्भ	41-44



वाल्मीकि रामायण के राम

प्रकरण क्रमांक	शीर्षक	वा रा अध्याय क्रमांक
70	हनुमान द्वारा रावण के सेनापतियों एवं पुत्रों से युद्ध और आत्मसमर्पण	45-50
71	वीर हनुमान द्वारा लंका दहन	51-54
72	हनुमान के महत्वाकांक्षी प्रस्ताव का जांबवान द्वारा विरोध	55-60
73	वानर दल द्वारा मधुवन में मौज मस्ती और सुग्रीव द्वारा क्षमा	61-64
युद्ध काण्ड		
74	सीता के बारे में राम को सूचना और सेनासहित राम का युद्ध हेतु प्रस्थान	1-4 एवं सुन्दर काण्ड 64-68
75	विभीषण द्वारा रावण को सीता को लौटाने की सलाह	5-10
76	रावण को मिला सीता का बलात्कार करने का सुझाव	11-13
77	रावण की सभा में विभीषण का अपमान	14-16
78	विभीषण को शरण देने के सम्बन्ध में विचार विमर्श	17-18
79	विभीषण का राज्याभिषेक और रावण के गुप्तचर दूत को अभयदान	19-20
80	राम द्वारा सागर सुखाने का संकल्प और समुद्र पर सेतु का निर्माण	21-22
81	गुप्तचरों और मंत्रियों द्वारा रावण को वानर सेना के बारे में सूचना	23-30



वाल्मीकि रामायण के राम

प्रकरण क्रमांक	शीर्षक	वा रा अध्याय क्रमांक
82	राम का कटा सिर दिखाकर सीता को छलने का प्रयास	31-34
83	नाना द्वारा रावण को समझाना और सेनाओं की तैनाती	35-39
84	सुग्रीव रावण मल्लयुद्ध और राम के दूत बने अंगद	40-41
85	युद्ध प्रारम्भ, राक्षसों का वध, राम लक्ष्मण का नागपाश से बंधना	42-44
86	इन्द्रजित द्वारा राम लक्ष्मण की मृत्यु की घोषणा	45-48
87	राम लक्ष्मण की मृत्यु के द्वार से वापसी	49-50
88	पवनपुत्र हनुमान एवं युवराज अंगद द्वारा तीन प्रमुख राक्षसों का वध	51-56
89	नील द्वारा रावण के प्रधान सेनापति प्रहस्त का वध	57-58
90	रावण के हाथों सुग्रीव हनुमान और वानर वीरों की पराजय	59
91	लक्ष्मण को शक्ति लगी और रावण की राम के हाथों पराजय	59
92	कुम्भकर्ण को जगाना और उसका युद्ध के लिए तैयार होना	60-65
93	राम द्वारा कुम्भकर्ण का वध	65-67
94	रावण के तीन पुत्र और एक सौतेले भाई का वध	68-70
95	ब्रह्मा से वरदान प्राप्त महाबली रावणपुत्र अतिकाय का लक्ष्मण द्वारा वध	70-71



वाल्मीकि रामायण के राम

प्रकरण क्रमांक	शीर्षक	वा रा अध्याय क्रमांक
96	वृद्ध जाम्बवान के मार्गदर्शन से पवनपुत्र ने सबकी प्राण रक्षा की	72-74
97	वानर सेना द्वारा लंका को जलाना और कुम्भकर्ण पुत्र कुम्भ का वध	75-76
98	निकुम्भ मकराक्ष का वध और इन्द्रजित का युद्ध से भागना	77-80
99	रावणपुत्र इन्द्रजित द्वारा मायानिर्मित सीता का वध	81-85
100	विभीषण के मार्गदर्शन में लक्ष्मण द्वारा इन्द्रजित मेघनाद का वध	86-90
101	रावण द्वारा सीता को मारने का निश्चय और राम द्वारा महासंहार	91-94
102	रावण के तीन अंतिम महायोद्धाओं का सुग्रीव एवं अंगद द्वारा वध	95-98
103	शरणागत को बचाने लक्ष्मण ने शक्ति सीने पर झेली	99-101
104	देवताओं ऋषिओं की सहायता से राम द्वारा रावण का वध	102-108
105	विजयादशमी उत्सव रावण का दाह संस्कार और विभीषण का राज्याभिषेक	109-112
106	मृत वानरों रीछों को देख दुःख अवसाद में डूबे राम द्वारा सीता परित्याग	113-116
107	सीता का अग्निप्रवेश वानरों के लिए राम ने देवराज से वर माँगा	116-120



वाल्मीकि रामायण के राम

प्रकरण क्रमांक	शीर्षक	वा रा अध्याय क्रमांक
108	वानर सेना को धन प्रदान राम का अयोध्या के लिए प्रस्थान	121-124
109	भरत की परीक्षा राम की अयोध्या में वापसी और राज्याभिषेक	125-128
110	राम एवं धर्म सम्बन्धी प्रश्नोत्तर	-
111	अर्थ एवं काम सम्बंधित चर्चा तथा श्रृंखला का समापन	-
अनुक्रमणिका - अभी उपलब्ध नहीं है। हम आशा करते हैं कि वर्ष 2024 में हम अनुक्रमणिका सहित इसे पुनः प्रकाशित करेंगे।		
जीवन परिचय - अनिल चावला		
जीवन परिचय - योगिता पन्त		



1. सोलह वर्षीय राम के सम्मुख चुनौती संघर्ष का प्रारम्भ

वाल्मीकीय रामायण के राम

जिज्ञासु - योगिता पंत
अध्ययनकर्ता - अनिल चावला
के मध्य वार्तालाप की श्रृंखला

प्र०१ इस श्रृंखला का नाम वाल्मीकीय रामायण के राम है। क्या वाल्मीकीय रामायण के राम गोस्वामी तुलसीदास के राम से भिन्न हैं?

प्र०२ राम के जीवन में ऐसा कौन सा पहला प्रसंग है जहाँ से राम की चुनौतियों या संघर्षों की शुरुआत हो गयी हो?

Episode 1 begins with the difference between Ram from Valmiki Ramayan and Ram as described in Goswami Tulisdas's Ramcharitmanas. In this context Anil Chawla describes how Ram of Valmiki is more human-like and suffers like any other human being. Ram also goes through dilemmas, conflicts and crisis like any human being does. In this context, Anil Chawla describes the way Ram remained hungry for two days and two nights as soon as he started from Ayodhya on his fourteen years exile in the forest. (Ref. Chapters 45-50 of Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan) In the next question, Yogita asks about the start of struggles in Ram's life. Anil Chawla quotes from Chapters 18-21 of Bal Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan. He describes how Maharshi Vishwamitr asked Maharaj Dashrath for giving him Ram to kill two danavs named Mareech and Subahu. Maharaj Dashrath was hesitant and even afraid of the two terrible danavs who were under Ravan's protection. But, Ram showed no fear or hesitation.



वाल्मीकि रामायण के राम

Youtube - <https://youtu.be/0xe1wu8diR0>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/0AwTfiwnRh7zdJNBUK7x9h?si=3QQUMonZSfC5pjSdByCGYg>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-1-bhumika-gosvami-tulasidasa-krtaramacaritamana-aura-valmiki-ramayana-mem-antara-rama-ke-jivana-mem-sangharsa-1634540528>



2. राम स्त्री वध को तैयार नहीं, जन कल्याण हेतु ताटका वध



- प्र०१ चर्चा की पिछली कड़ी में आपने निषादराज गुह का उल्लेख किया था। जैसा मुझे ज्ञात है निषाद तो एक जनजाति है। फिर एक जनजाति के व्यक्ति की राम जी के साथ दोस्ती कैसे थी?
- प्र०२ पिछली बार आपने बताया था कि राम जी महर्षि विश्वामित्र के साथ मारीच और सुबाहु का वध करने के लिए अयोध्या से निकले थे। फिर उसके बाद क्या हुआ?

Episode 2 of the conversations related to Ram begins with Yogita Pant asking about the friendship between Guh, who apparently belonged to a lower caste, and Ram. Anil Chawla replies that Ram never thought in terms of caste. Ram actually got up from his seat, walked up to receive and welcome Guh. Ram accorded full affection and respect to Guh. The tendency to view people from a caste orientation is recent and is not present at any place in Shreemad Valmikiy Ramayan. Continuing from the previous episode, Anil Chawla describes how Ram and Laxman walked for about 15-20 km with Maharshi



वाल्मीकि रामायण के राम

Vishwamitr. They received special knowledge of Bala and Atibala. Subsequently, Maharshi ordered them to kill Taatka, a woman who was daughter of Suketu and mother of Mareech. Ram hesitates about killing a woman since killing women is strictly forbidden. Maharshi explains that it is the duty of a king to protect his people and if it involves doing something cruel, the king must not hesitate and do his duty. Maharshi also quotes precedents about Indr killing a woman and also about Vishnu killing the wife of Rishi Bhrigu and mother of Shukracharay. Convinced of the morality of killing Taatka, Ram kills her. (Ref. Chapters 22-26 of Baal Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/Mp13RMJMQ7g>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/3FUgJMRjh1yAH82OtUYQKt?si=B3YIQZLpSS-Fmbljed9Qyg>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-2-rama-dvara-tataka-ka-vadha-1634560403>



3. महर्षि आश्रम में सुबाहु का वध, मारीच पर उदारता राम को भारी पड़ी



- प्र०१ पिछली बार आपने बताया कि राम को एक महिला का वध करने में बहुत संकोच हो रहा था क्योंकि किसी भी स्त्री को मारना साधारणतः वर्जित होता है। एक महिला होने के कारण आपकी बात ने मेरे मन में कई विचारों को जन्म दिया। जैसे उस समय युद्ध में महिलाओं की क्या स्थिति होती थी? आजकल तो बमबारी करके महिलाओं को मारा जाता है और जीतने वाली सेना खूब बलात्कार एवं कत्लेआम करती है। हिन्दू धर्म के अनुसार उस युग में कैसा व्यवहार होता था?
- प्र०२ पिछली बार जहाँ आपने चर्चा समाप्त की थी वहीं चलते हैं। ताटका के वध के पश्चात क्या हुआ?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०३ आपका कहना है कि राम जी ने गलती की। इस गलती का उन्हें क्या परिणाम भुगतना पड़ा?

Episode 3 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla begins with a question about status of women at time of war. In modern wars, millions of women are killed or raped either during the war or after the war. During the war, both sides bomb civilian populations on the other side killing women and children. After the war, the victor army routinely kills and rapes women on the defeated side. Hinduism strictly prohibits killing of women. Past one thousand years have seen more women killed and raped than the previous two or three thousand years. Weakening of Hinduism has led to substantial deterioration of position of women across the world. Second part of the conversation relates to the war with Mareech and Subahu who used to disturb the activities at the ashram of Maharshi Vishwamitr. Ram, initially, thinks of only scaring away the gang led by Mareech. Ram was not inclined to kill anyone. He used a soft weapon on Mareech and threw him away into the ocean. Contrary to Ram's calculations, rest of the gang did not run away. This infuriated Ram who used strong weapons and killed them all. The demons had been defeated and Maharshi was extremely happy. (Ref. Chapters 27-30, Baal Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan). Despite the success, Ram had made a mistake. He had spared the life of Mareech. Years later, Ram had to pay a price for the mistake. Mareech agreed to help Raavan in kidnapping of Sita by posing as a golden deer. (Ref. Chapters 36-41, Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/flbmpH0jLDg>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/20BD9SfyvLaRRxBUXA3Cnu?si=F574lq aqRZewQ5dCaSFoXg>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-3-maharsi-asrama-mem-subahu-ka-vadha-marica-para-udarata-rama-ko-bhari-pari-1634629019>



4. ऋषि गौतम का पत्नी अहिल्या के प्रति प्रेम



प्र०१ मैंने अहिल्या उद्धार के बारे में कई बार सुना है। आज मैं उस प्रसंग को आपसे सुनना चाहती हूँ।

Episode 4 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the story of Rishi Gautam and his wife, Ahilya. King of devtas, Indr, approached Ahilya and expresses his intention to make love to her. Indr is dressed as a muni. But that does not fool Ahilya. She recognises Indr. She is flattered by Indr's interest in her. She consents to make love to Indr. The two indulge in sexual intercourse. After the act is over, both are pleased. Ahilya now tells Indr to go away quickly and save her from the anger of her husband. Indr tries to make a quick escape. But Rishi Gautam arrives and sees Indr. He understands what has transpired. He curses Indr of losing a body part. Rishi faces a dilemma as regards his wife whom he loves. The punishment that Rishi Gautam decides for Ahilya actually benefits her. She achieves the status of Rishi herself. Ram and Laxman recognise her new status and touch her feet. This is a story of deep love where one of the partners makes a mistake. The other partner gets to know of the mistake but the relationship withstands the incident and love grows stronger. The story has a happy ending. Rishi Gautam and Rishi Ahilya got together and lived happily ever after. (Ref. Chapters 48-49, Baal Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)



वाल्मीकि रामायण के राम

Youtube - <https://youtu.be/V5I0PJxsTdE>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/3U6BJ25DyFkJ4TPxeABYt?si=090ffc3b883e47a7>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-4-rsi-gautama-ka-patni-ahilya-ke-prati-prema-1634710924>



5. सीता राम विवाह



- प्र०१ पिछली बार हमने सुना कि एक गलती करने के बावजूद ऋषिपत्नी अहिल्या अपनी लगन एवं परिश्रम तथा अपने पति के प्रेम के कारण ऋषि पद पाने में सफल रही। राम और लक्ष्मण ने अहिल्या के चरण स्पर्श किये। राम जी अब मिथिला पहुँच चुके जहाँ सीता रहती थी। आज सीता के बारे में कुछ बताएँ।
- प्र०२ क्या सीता और राम का प्रेम विवाह हुआ था?
- प्र०३ क्या सीता के विवाह के लिए स्वयंवर का आयोजन किया गया था?
- प्र०४ यदि स्वयंवर का आयोजन नहीं किया गया था तो राम वहाँ मिथिला में क्यों पहुंचे थे?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०५ जब राम ने शिव जी का धनुष उठा लिया और वह धनुष टूट गया, उसके पश्चात क्या हुआ?

प्र०६ क्या राम के साथ साथ उनके भाईयों का भी विवाह तय हुआ था?

Episode 5 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla narrates the story of the marriage of Ram and Sita. It also discusses the concepts of swayamvar (girl selects her bridegroom from the assembled boys) and viryashulka (boy has to demonstrate capabilities to get the girl's hand in marriage) (Ref. Chapters 66-73, Baal Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan).

Youtube - <https://youtu.be/n2ZzxqCqYXU>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/5LjsdvFyqHXAzVuVF7vXQh?si=451dbb1e3abb4fa0>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-5-sita-rama-vivaha-1634799679>



6. राम परशुराम युद्ध



प्र०१ पिछली बार हमने राम सीता विवाह के बारे में चर्चा की थी। आपने बताया कि कैसे महर्षि विश्वामित्र राम को मिथिला लाये और फिर शिव का धनुष दिखाया। विवाह के पश्चात महर्षि विश्वामित्र ने क्या किया?

प्र०२ आपने अभी महर्षि परशुराम का उल्लेख किया। मैं उनसे सम्बंधित प्रसंग को विस्तार में सुनना चाहती हूँ।

Episode 6 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla narrates the story of how Rishi Parshuram came and challenged Ram to a war. Ram faced Parshuram with poise and confidence. Parshuram challenged Ram to take the bow of Vishnu. Ram took the bow from the hands of Parshuram. Ram harmed Parshuram but spared Parshuram's life. At the end, Ram worshipped Parshuram and Parshuram worshipped Ram. The episode highlights the balance in relationship between the intellectual class and the ruling class. (Ref. Chapters 74-77, Baal Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)



वाल्मीकि रामायण के राम

Youtube - <https://youtu.be/f8dTyxyOSzo>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4XzplAGNUmFLyxPHbi2EP7?si=2051c7d2d666460d>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-6-rama-parasurama-yuddha-1634900997>



7. राम के गुण एवं बातचीत की कला



- प्र०१ पिछली बार आपने ऋषि एवं राजा के संबंधों के बारे में बताया कि दोनों एक दूसरे का सम्मान करते थे। आज के समय में इसकी क्या प्रासंगिकता है?
- प्र०२ परशुराम प्रसंग के पश्चात महाराज दशरथ पूरी बारात के साथ अयोध्या पहुँच गए होंगे। उसके बाद फिर क्या हुआ?
- प्र०३ राम जी के गुणों की आपने चर्चा की। उनके गुणों में ऐसे कौन से गुण हैं जो आपको सदा याद आते हैं, जिनको आप अपनाने का प्रयास करते हैं?
- प्र०४ मैंने सुना है कि राम जी बातचीत में बहुत निपुण थे। इस विषय में कुछ बताइये।

Episode 7 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla is the start of Ayodhya Kand. Ram and Sita reached Ayodhya. Everyone in Ayodhya was all praise for Ram. This episode first describes



वाल्मीकि रामायण के राम

three qualities of Ram that all of us can emulate. Ram was known to win hearts with his art of conversations. Key qualities that made Ram so good as a conversationalist are described. (Ref. Chapter 1, Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/GJqrFnTjr6o>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/10OFP8FKexmYbS2FNKJI1?si=880b94327c8d42f0>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-7-rama-ke-guna-evam-batacita-ki-kala-1634968647>



8. क्रोध, त्याग, संयम, धर्म, अर्थ एवं काम



- प्र०१ पिछले प्रकरण में आपने बताया कि यदि कोई कठोर अपमानजनक शब्द भी राम जी से कह देता था तो वे प्रत्युत्तर नहीं देते थे। क्या राम जी को कभी क्रोध नहीं आता था?
- प्र०२ आपने अभी राम जी द्वारा क्रोध पर नियंत्रण करने की, संयम रखने की बात बताई। त्याग एवं संयम के बारे में राम जी की क्या सोच थी, क्या रवैया था?
- प्र०३ कभी त्याग, कभी संग्रह। कुल मिला कर जैसा मैं समझ पाई हूँ धन, हाथी घोड़े, हीरे जवाहरात, वाहन इत्यादि भौतिक वस्तुओं से कोई परहेज़ नहीं है पर उनसे बंधना भी नहीं है। ऐसे में निर्णय करने के लिए राम जी किस सूत्र या सिद्धांत का उपयोग करते थे?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०४ त्रिवर्ग अर्थात धर्म, अर्थ काम का जो सूत्र आपने समझाया है, वह बहुत सरल होते हुए भी अत्यंत गूढ़ है। आशा करती हूँ कि जैसे जैसे हमारी चर्चा आगे बढ़ेगी इस सूत्र को हम और अधिक स्पष्टता से समझ पाएँगे।

Episode 8 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with discussing anger. Ram was said to have conquered anger. Ram's anger was always purposeful and fruitful. Ram exercised restraint when needed. There were times when he renounced and there were times when he collected. Ram understood the central element of dharm, arth and kaam. Anil Chawla explains the trivarg of dharm, arth and kaam with reference to various aspects of life including food, furniture, clothes etc. (Ref. Chapter 1, Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/dmo7VXVcxiE>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2ufL254c8vqSbQ9fbV66RW?si=492c14d02d5f40d5>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-8-krodha-tyaga-sanyama-dharma-artha-evam-kama-1635059365>



9. राम में राजा बनने के लिए आवश्यक गुण



- प्र०१ पिछले प्रकरण में आपने धर्म, अर्थ और काम के बारे में बताया था। पर आपने मोक्ष के बारे में कुछ नहीं कहा था। इसका क्या कारण है?
- प्र०२ पिछले दो प्रकरणों में आपने राम जी के अनेक गुणों का वर्णन किया। आज मैं आपसे जानना चाहती हूँ कि उनमें ऐसे कौन से गुण थे जिनके कारण उन्हें राजा बनने के योग्य माना जाए?

Episode 9 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with discussing moksh. Valmiki Ramayan as well as Rig Veda are silent about moksh. Yogita asks about the qualities of Ram which made him well-qualified for becoming a king. Ram was never lazy. He was never intoxicated. He was never boastful, never jealous. He understood the circumstances of time and local country. He was an expert at planning and leading army manoeuvres. He always respected and learnt from the wise and the learned. He never spoke bad words or lies. He had a team of good deputies. He knew how to hide secrets and also hide his emotions. He was firm in his beliefs. (Ref. Chapter 1, Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)



वाल्मीकि रामायण के राम

Youtube - <https://youtu.be/zrerXUCiqwE>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1B86E7QgIMfZCHrSVj94MM?si=879afc250c22403a>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-9-rama-mem-raja-banane-ke-lie-avasyaka-guna-1635061512>



10. राम के राज्याभिषेक के प्रस्ताव का अनुमोदन



- प्र०१ पिछले तीन प्रकरणों से आप राम के विभिन्न गुणों का वर्णन कर रहे हैं। आपने यह भी बताया कि राम जी में राजा बनने के समस्त गुण थे। इस सम्बन्ध में उनके पिता, महाराज दशरथ के क्या विचार थे?
- प्र०२ विद्वतजनों एवं राजाओं की इस राजसभा को सम्बोधित करते हुए महाराज दशरथ ने क्या कहा?
- प्र०३ विचार विमर्श के पश्चात विद्वतजनों एवं राजाओं ने महाराज दशरथ को क्या उत्तर दिया?



वाल्मीकि रामायण के राम

Episode 10 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla deals with the process which was adopted to approve the proposal for appointing Ram as the Crown Prince. Maharaj Dashrath thinks of the qualities of Ram and how Ram is more popular and is also better than him in all aspects. Maharaj Dashrath first consults his own cabinet of ministers and after getting their approval calls for a meeting of all the learned men and the kings. In the grand meeting, Maharaj puts up his proposal of appointing Ram as the Crown Prince. The meeting conveys its approval by a voice vote. Maharaj is not satisfied. He asks them to deliberate at length and get back with detailed reasons. They think it over and come back with a long description of various qualities of Ram as their reason for approving the proposal. (Ref. Chapter 1 & 2, Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/wXdUdeeyz4E>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/0FbULJXSPwQ0cdqFNEgQU2?si=10587e16076d4b2e>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-10-rama-ke-raiyabhiseka-ke-prastava-ka-anumodana-1635076064>



11. राज्याभिषेक के पूर्व पिता का राम को उपदेश और कैकेयी मंथरा संवाद



- प्र०१ पिछले प्रकरण में आपने बताया कि राम का राज्याभिषेक करने के प्रस्ताव को राजसभा से समर्थन प्राप्त हुआ था। उसके पश्चात क्या हुआ?
- प्र०२ राम जी को राज सभा में बुलाने के पश्चात महाराज दशरथ ने उनसे क्या कहा?
- प्र०३ पिता से मिलने के बाद राम अपनी माता कौशल्या के पास गए होंगे?
- प्र०४ माता कौशल्या की प्रसन्नता तो स्वाभाविक थी। माता कैकेयी की राम के राज्याभिषेक के सम्बन्ध में क्या प्रतिक्रिया थी?



वाल्मीकि रामायण के राम

Episode 11 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla deals with the developments after it is decided that Ram should be appointed as the Crown Prince. Maharaj Dashrath gives instructions for the preparations so that the ceremony can take place the next day morning. Ram is called to the gathering of learned men and kings. Maharaj Dashrath preaches to Ram about four points that he should always be careful about. The four points are – (1) Never fall prey to the bad habits associated with kaam and anger (2) Always do justice (3) Keep the army officers, soldiers, state officers and common people happy (4) Collect wealth so that stores as well as armament depots are always full. Simultaneously, Manthra, a maid who was very close to the Queen Kaikeyee, told her about the planned coronation of Ram. She scolded Kaikeyee for lazing away while wealth was slipping away from her hands. Initially, Kaikeyee was exuberant about Ram's coronation. But persistent strong words from Manthra convinced the Queen that she must act to stop the ceremony. (Ref. Chapter 3-8, Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/OvI8JSfU1_w

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/7efevcRrmUDSrD6GkhoNnx?si=95206178fd1e4fc8>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-11-rajyabhiseka-ke-purva-pita-ka-rama-ko-upadesa-aura-kaikeyi-manthara-sanvada-1635163871>



12. कैकेयी का क्रोध का नाटक और महाराज दशरथ से संवाद



- प्र०१ पिछले प्रकरण में आपने कैकेयी और मंथरा के वार्तालाप के सम्बन्ध में कहा था कि कैकेयी ने गलती कर दी थी। मुझे यह समझ नहीं आ रहा कि महारानी कैकेयी ने क्या गलती की? वे तो अपने पुत्र के हित के बारे में सोच रही थी और उस हेतु उन्होंने यथासंभव प्रयास भी किया। एक माँ का धर्म होता है कि वह अपने पुत्र की प्रगति और उन्नति के लिए प्रयास करे। मंथरा भी अपनी मालकिन के हितों की चिंता कर रही थी। वह सेविका के रूप में अपने धर्म का पालन कर रही थी। दोनों अपने अपने धर्म का पालन कर रही थी। फिर भी उन दोनों को गलत क्यों कहा जाता है?
- प्र०२ मंथरा ने कैकेयी को क्या योजना समझायी, दूसरे शब्दों में कहें तो क्या पट्टी पढ़ाई?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०३ मंथरा की योजना सुनने के पश्चात कैकेयी ने मंथरा को क्या कहा और उन्होंने क्या किया?

प्र०४ इस नाटक की महाराज दशरथ को सूचना कैसे मिली और उनकी क्या प्रतिक्रिया थी?

Episode 12 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with a moral question about how actions should be judged. Manthra and Kaikeyee, both, thought that they were doing their dharm as employee and mother. However, in reality both of them were acting against dharm. Manthra tutors the Queen about strategy to demand coronation of Bharat. Kaikeyee follows the strategy, throws up a big tantrum to get Maharaj to accept her demands. Maharaj Dashrath sees her on the floor in a dishevelled state, addresses her most lovingly and promises to do all that she wants. She puts forth her demands of coronation for her son Bharat and sending Ram to forest for fourteen years. Maharaj is shattered and broken completely. He tries to reason with her, but fails. (Ref. Chapter 9-14, Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/3thJ0MHad9U>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2NUm7pRSasaAjikMFjfr4G?si=a751ef32a8de49af>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-12-kaikeyi-ka-krodha-ka-nataka-aura-maharaja-dasaratha-se-sanvada-1635227480>



13. राज्याभिषेक का उत्साह और राम का वनगमन का संकल्प



- प्र०१ पिछले प्रकरण में आपने बताया था कि माता कैकेयी और महाराज दशरथ ने राम जी को बुला लाने के लिए सारथी सुमंत्र को आदेश दिया था। क्या राम जी को बुलाने के लिए सुमंत्र तुरंत चले गए?
- प्र०२ जब सुमंत्र राम जी को बुलाने के लिए निकले तो उस समय अयोध्या में कैसा वातावरण था? राम जी ने बुलावे को किस प्रकार लिया?
- प्र०३ जब राम जी महाराज दशरथ एवं माता कैकेयी के पास पहुँचे तो महाराज ने उन्हें क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०४ महाराज कुछ कहने की स्थिति में नहीं थे। ऐसे में माता कैकेयी ने राम जी से क्या कहा?
- प्र०५ माता कैकेयी ने राम जी से इतनी कठोर बातें कहीं तो राम ने क्या जवाब दिया? और महाराज की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०६ महाराज कुछ नहीं बोले, केवल रोते रहे? और राम जी भी दुःखी हो गए होंगे? वहां लक्ष्मण भी थे उनकी क्या प्रतिक्रिया थी?

Episode 13 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with describing the enthusiasm in Ayodhya regarding coronation of Ram. The city was crowded with large number of kings and visitors who had come to attend the coronation ceremony. Ram receives the message from Maharaj Dashrath and Kaikeyee calling him. He is surprised, but goes anyway. As he moves out of his palace to go to Maharaj's palace, Laxman accompanies him. A large crowd including various horses, elephants and chariots starts moving with the royal chariot celebrating the occasion. At Maharaj's palace, Ram meets Maharaj and Queen Kaikeyee. Maharaj is a broken man. He is unable to speak. He only utters Ram's name and keeps crying. Kaikeyee informs Ram about the promise made to him in the past by Maharaj. Kaikeyee informs Ram about her two demands – coronation of Bharat and Ram to live in forest for fourteen years. Ram tells her that he is prepared to go to forest and live there for fourteen years. Ram is neither disturbed nor sad at the sudden development. He moves out of the room promising to depart the same day. Laxman is extremely angry but keeps silent even though his eyes are full of tears. (Ref. Chapter 15-19, Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/cz3-E9BSWI4>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4YmEodQ3Sh1zTJdx2IRY7P?si=6c6b04437cf8467e>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-13-rajyabhiseka-ka-utsaha-aura-rama-ka-vanagamana-ka-sankalpa-1635228643>



14. राम वनगमन के सम्बन्ध में राम कौशल्या संवाद तथा राम को आशीर्वाद



- प्र०१ माता कौशल्या के जीवन और व्यक्तित्व?
- प्र०२ माता कौशल्या के पास पहुँच कर?
- प्र०३ सुनने के बाद माता कौशल्या की प्रतिक्रिया?
- प्र०४ माता के विलाप पर लक्ष्मण की प्रतिक्रिया?
- प्र०५ लक्ष्मण की बात पर माता ने क्या कहा?
- प्र०६ माता की बात सुन राम ने क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ राम की बात सुन क्या माता मान गयी?

प्र०८ इतनी अच्छी बात सुन कर क्या माता मान गयी

प्र०९ माता ने क्या आशीर्वाद दिया?

Episode 14 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with describing Queen Kaushalya's personality and psychology. Ram comes to Kaushalya and informs about his decision of going to forest. Kaushalya is shocked. She begins with strong expression of sorrow and recounts how she has been unfortunate all along. Ram tries to solace her. She orders Ram to not go to forest. She tells Ram to stay with her and serve her pleading that serving mother is also dharm. There are long arguments between the mother and the son. At the end, the mother allows Ram to go to forest and blesses him. The blessings are long and detailed. (Ref. Chapter 20, 21, 22, 24, and 25 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/3a3ZsXT4IRg>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/5SAELLI6HEwjhvUCtzplcX?si=c5f9e8ca322f45a2>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-14-rama-vanagamana-ke-sambandha-mem-rama-kausalya-sanvada-tatha-rama-ko-asirvada-1635229610>



15. लक्ष्मण के रोष को राम ने प्रेम से जीता



- प्र०१ लक्ष्मण का मूड हाव भाव?
- प्र०२ लक्ष्मण ने क्या कहा?
- प्र०३ राम की प्रतिक्रिया?
- प्र०४ उसके बाद लक्ष्मण ने क्या किया?
- प्र०५ राम ने लक्ष्मण को साथ ना ले जाने का क्या कारण बताया?
- प्र०६ राम के कारण का लक्ष्मण ने क्या जवाब दिया?
- प्र०७ लक्ष्मण के तर्क को क्या राम ने स्वीकार कर लिया?



वाल्मीकि रामायण के राम

Episode 15 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the sensitive manner in which Ram handled Laxman's anger about Ram's decision to go to forest. Laxman was furious and extremely sad at the same time. He felt that Maharaj Dashrath and Kaikeyee had played dirty on Ram. Laxman felt that they had cooked up a story to only deprive Ram of his rightful due. Laxman wanted to take to arms and ensure coronation of Ram. He was shocked that Ram had fallen into the trap laid by Kaikeyee and was showing great enthusiasm for departing for fourteen years of exile. He was crying while he expressed his anger because he did not want to speak against his beloved brother. Ram handled Laxman's outburst with enormous tact and love. Ram avoided any arguments even though he remained firm in his resolve. In the end, Laxman cools down and pleads with Ram to take him along. After a brief argument, Ram agrees to take Laxman along. (Ref. Chapter 23 and 31 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/vW7DNWM2oO4>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/7C9726hfVmJHaVd3FIDWh9?si=b31eef912d4445e9>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-15-laksmna-ke-rosa-ko-rama-ne-prema-se-jita-1635237246>



16. सीता द्वारा राम के साथ वन में जाने के लिए प्रेमपूर्वक आग्रह



- प्र०१ राम के मनोभाव?
- प्र०२ राम ने सूचना कैसे दी?
- प्र०३ सीता की प्रतिक्रिया?
- प्र०४ राम ने क्या उन्हें साथ चलने से रोकने का प्रयास किया?
- प्र०५ क्या सीता वन के कष्टों से डर गयी?
- प्र०६ सीता के तर्कों से क्या राम माने?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ सीता के आंसुओं से तो राम मान गए होंगे?

प्र०८ वन जाने के लिए क्या तैयारी

Episode 16 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla relates to a dialogue between a loving husband and wife. When Ram informed Sita about his decision to go to forest, he also advised Sita to remain in Ayodhya and do her duties to her father-in-law and her mothers-in-law. Sita strongly objected to Ram's advice to her to remain in Ayodhya while he went to the forest. She insisted on going with Ram giving various arguments. Ram did not want to take Sita along due to the difficult life in the forest. Sita assured Ram about her being prepared to face all hardships. After much arguments followed by tears, Ram agreed to take Sita along with him to the forest. (Ref. Chapters 26-30 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/8IbApr-Vbbo>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4VqvSWCNlhPIMJznBuOLuS?si=1caca2aba5cf405c>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-16-sita-dvara-rama-ke-satha-vana-mem-jane-ke-lie-premapurvaka-agraha-1635238169>



17. सीता राम द्वारा दान महाराज का आदेश तथा सुमंत्र का आक्रोश



- प्र०१ लक्ष्मण के लौटने पर राम ने क्या कहा?
- प्र०२ दान करने के पश्चात राम के क्या मनोभाव?
- प्र०३ अभी राम ने पिता से विदाई हेतु अनुमति नहीं ली थी। क्या राम दशरथ से मिलने गए?
- प्र०४ क्या पिता के आदेश का राम ने पालन किया?
- प्र०५ राम द्वारा आदेश मानने से इंकार करने पर महाराज दशरथ की प्रतिक्रिया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०६ क्या राम एक रात के लिए रुक गए थे?

प्र०७ आम व्यक्तियों या प्रजा जनों की क्या प्रतिक्रिया थी?

Episode 17 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with describing the way Ram and Sita distributed their complete wealth and belongings including furniture, ornaments, clothing and household goods to learned men and the assistants / servants who had been serving Ram. Sita, Ram and Lakshman went to meet Maharaj Dashrath and take his final order and blessings for going to forest. Dashrath ordered Ram to arrest him as well as Kaikeyee and to take the throne. Ram refused to obey his father's order and declared his keen commitment and interest in going to the forest. Maharaj Dashrath pleaded with Ram to delay his departure by a day. But Ram refused even that and insisted on going the same day as promised to Kaikeyee. Everyone present was angry at Kaikeyee. Sumantr, Maharaj Dashrath's saarthee (driver), spoke for the people of Ayodhya and spoke real harsh words to Kaikeyee. But Kaikeyee was not moved. (Ref. Chapters 31-35 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/Xb5ScsR6xLY>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4VqvSWCNlhPIMJznBuOLuS?si=b6df2c7759f54bfb>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-17-sita-rama-dvara-dana-maharaja-ka-adesa-tatha-sumantra-ka-akrosa-1635238844>



18. राम द्वारा सेना एवं खजाना ठुकराना तथा चीर धारण करना



- प्र०१ सुमंत ने कैकेयी को भरी सभा में पूरे राज परिवार के सामने कठोर वचन कहे थे और वे बहुत क्रोधित हो गए थे कैकेयी से। वहाँ महाराज दशरथ भी मौजूद थे। उनकी क्या प्रतिक्रिया थी, वो नाराज हो गए थे या वो सुमंत से क्रोधित हो गए थे, क्या हुआ?
- प्र०२ यह सब सुनने के बाद जो कैकेयी थी, उनका क्या कहना था?
- प्र०३ फिर महाराज दशरथ ने क्या कहा उनसे?
- प्र०४ ये सब सुनने के बाद तो कैकेयी का क्रोध और भी बढ़ गया होगा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०५ तो जब कैकेयी ने सगर का उदाहरण दिया तो उस समय तो वहाँ पर बहुत सारे लोग उपस्थित थे, उनमें से किसी ने कुछ कहा?
- प्र०६ मंत्री सिद्धार्थ ने समझाइश दी कैकेयी को तो उसके बाद राजा दशरथ का क्या कहना था?
- प्र०७ जब यह घटनाक्रम चल रहा था राम जी का क्या कहना था? एक के बाद एक क्रोधित होते जा रहे थे। पहले सुमंत्र फिर दशरथ जी भी क्रोधित थे फिर मंत्री सिद्धार्थ, अब राम जी क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०८ ये सब देखते हुए सीता जी भी वहाँ मौजूद थी उनकी क्या प्रतिक्रिया थी? उनके लिए तो यह एक दुखद पल रहा होगा?
- प्र०९ राम जी ने सीता जी को चीर वस्त्र पहनाए। वहाँ बहुत सारे लोग उपस्थित थे, उनमें से किसी ने कुछ कहा कि इनको क्यों पहना रहें हैं?
- प्र०१० गुरु वशिष्ठ का जो सम्बोधन था, उसके बाद फिर क्या हुआ?
- प्र०११ फिर महाराज दशरथ ने क्या कहा?
- प्र०१२ फिर जाते-जाते राम जी ने क्या कहा?

Episode 18 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla continues with the meeting where Maharaj Dashrath publicly meets Ram, Laxman and Sita. After the harsh words of Sumantr, Maharaj instructs Sumantr to order the army to move with Ram. He also orders for all women who earn livelihood by dancing and pleasing others to move. Further, he orders all traders, prominent men and women as well as sportspersons and many others to accompany the army. Royal treasury and wealth are also instructed to move. This infuriates Kaikeyee. She protests, but her protests are turned down. She quotes the example of an ancestor who had expelled his son. Siddharth, the minister, replies with clear facts about the circumstances that forced the ancestor to expel his son. Kaikeyee's persistence with her protests infuriates Maharaj Dashrath who now declares his intention to move to the forest along



वाल्मीकि रामायण के राम

with Ram. Ram now puts his foot down and refuses to take anyone along. He asks mother Kaikeyee to instruct her servants to bring old clothes that they could wear on the way to forest. Kaikeyee is excited and herself brings some used torn clothes. Ram and Laxman wear the clothes. Sita hesitates. Ram helps her wear the rags. Seeing Sita in shabby torn clothes infuriates everyone present. Everyone is in tears. Maharaj Dashrath is also extremely angry and sad at the same time. Ram retains his calm. As Ram bids farewell, he requests his father to take care of his mother Kaushalya while he is away. (Ref. Chapters 36-38 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/7kEzwFbCnbq>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/7CZhe4q7EErN1fzWrFjeOC?si=dec0b7fa134046d3>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-18-rama-dvara-sena-evam-khajana-thukarana-tatha-cira-dharana-karana-1635494348>



19. राम का अयोध्या से प्रस्थान तथा महाराज दशरथ द्वारा कैकेयी का परित्याग



- प्र०१ आपने पिछली बार बताया था कि राम ने वनवास जाने से पहले महाराज दशरथ से कहा कि वे उनकी माता कौशल्या का ध्यान रखें, इसके बाद महाराज की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०२ अब जब सीता जी के पास आभूषण आ गए थे, तो क्या उन्होंने वे आभूषण स्वीकार कर लिए थे?
- प्र०३ माता कौशल्या ने जो उपदेश / सीख दी, तो सीता की क्या प्रतिक्रिया थी?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०४ जब सास-बहु का संवाद चल रहा था, रामजी भी मौजूद थे वहाँ पर, उन्होंने इस बारे में कुछ कहा?
- प्र०५ राम जी के चरित्र की दो बातें उभर कर आती हैं - पहली विनम्रता और दूसरी सकारात्मक सोच।
- प्र०६ यहाँ लक्ष्मण भी मौजूद थे, वे भी अपनी माँ सुमित्रा से मिले होंगे?
- प्र०७ राम, लक्ष्मण, सीता ने वन में जाने के लिए प्रस्थान किया होगा। वहाँ माहौल कैसा था? माहौल शोकपूर्ण तो था पर और लोगों की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०८ महाराज बहुत शोक में दुबे हुए थे, उनको सँभालने के लिए कोई आया? अब तो राम जा चुके थे।

Episode 19 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the departure of Ram from Ayodhya. Maharaj Dashrath is extremely disturbed that his daughter-in-law is standing like a poor beggar woman. He orders for good clothes and ornaments to be brought for Sita. Though the ornaments that are brought are not the types that Sita would have liked, she puts them on. Kausalya loves it and embraces Sita. Kausalya preaches to Sita about duties of a wife. Sita says that she is well aware of her duties. Maharaj orders his chariot driver to take Ram, Lakshman and Sita to the border of the state and drop them to the point from where they can walk. As Ram departs in the chariot, Maharaj tries to follow him on foot and falls down. Kaikeyee comes forward to support him. At this point, Maharaj orders Kaikeyee to not touch him and declares that henceforth there will be no relations between them. (Ref. Chapters 39-42 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/GQTLcPBxgS8>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2FWJlyD2OyGb9IHRkfm6La?si=b702d14025b04e52>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-19-rama-ka-ayodhya-se-prasthanata-tatha-maharaja-dasaratha-dvara-kaikeyi-ka-parityaga-1636547043>



20. राम के वनगमन के पश्चात शोक तथा महाराज दशरथ को अपनी गंभीर भूल का एहसास



- प्र०१ आपने पिछली बार बताया कि महाराज दशरथ ने कैकेयी का परित्याग कर दिया था और उन्होंने माता कौसल्या के साथ जाने की अपनी इच्छा व्यक्त की। उसके बाद क्या हुआ?
- प्र०२ जब माता कौसल्या विलाप कर रही थी तो उन्हें वहाँ पर किसी ने समझाइश दी? किसी ने कुछ कहा? सांत्वना दी?
- प्र०३ राम, लक्ष्मण, सीता तो लेकर सुमंत वन को चले गए थे, वहाँ पर क्या हुआ?
- प्र०४ सुमंत्र जब अयोध्या लौट आए तीनों - राम, लक्ष्मण, सीता को वन में छोड़कर तो उन्होंने वहाँ क्या देखा?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०५ जब सुमंत्र वन से लौट रहे थे तो रामजी ने उन्हें कोई संदेश दिया?

प्र०६ लक्ष्मण भी वन में गए थे, उन्होंने भी कुछ कहा सुमंत्र से कहने के लिए?

प्र०७ सीता जी भी वन में थी, उन्होंने किसी के लिए कुछ कहा?

प्र०८ राम - लक्ष्मण - सीता के बारे में जब महाराज दशरथ ने सुना तो उनकी क्या प्रतिक्रिया थी?

Episode 20 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla begins at the point when Ram had left for the forest. Maharaj Dashrath returns to the palace, but not of Kaikeyee, of Kausalya. The trauma of the past twenty four hours has made him lose his eyesight. He is in extreme sorrow. Kausalya is also extremely sad. Sumitra, Laxman's mother, consoles Kausalya. Sumantra, the charioteer of Maharaj Dashrath, who had gone to drop Ram, Laxman and Sita, returns. He conveys the parting messages of Ram and Laxman. Sumantra's return (without Ram, Sita and Laxman) convinces finally and firmly Maharaj Dashrath and everyone else in Ayodhya that Ram has actually departed for a fourteen-year exile. Maharaj Dashrath now realises the big mistake that he had made when faced with demands of Kaikeyee. Alas, it is too late now! (Ref. Chapters 43, 44, 58, 59 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

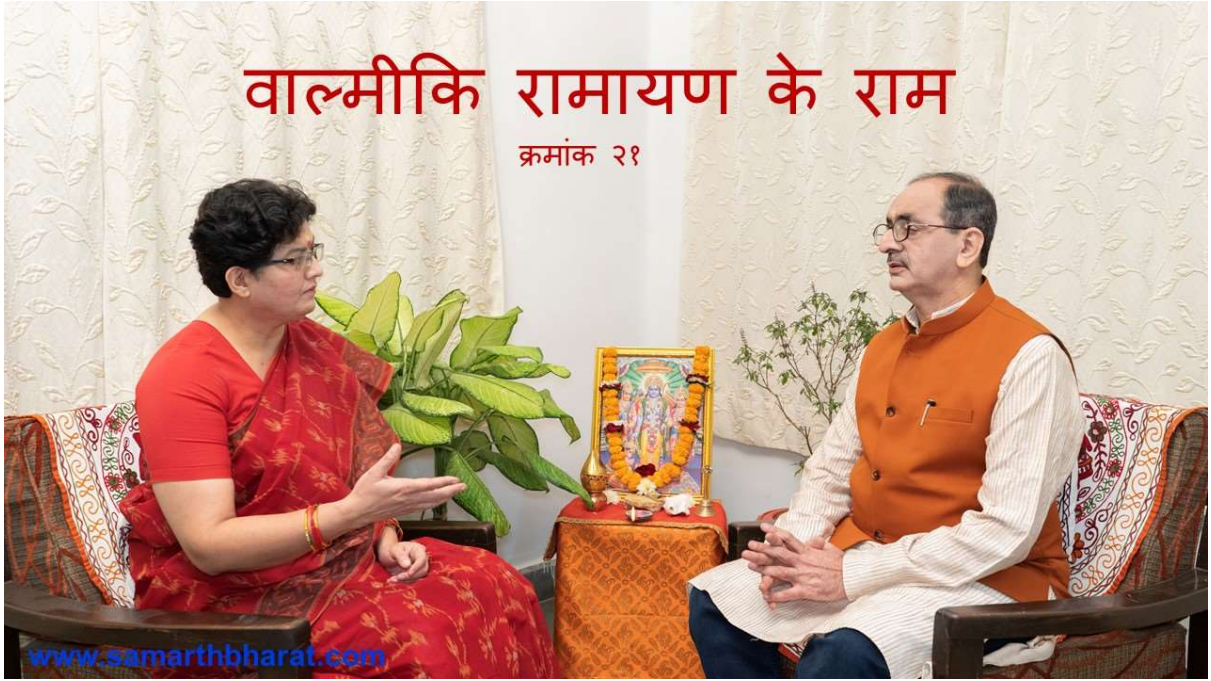
Youtube - <https://youtu.be/LtjnFr37Hjg>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/6ND83ZuMfojeWdnDRfRxs?si=b0f85de04e824531>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-20-rama-ke-vanagamana-ke-pascata-soka-tatha-maharaja-dasaratha-ko-apani-gambhira-bhula-ka-ehasasa-1636794049>



21. महाराज दशरथ को देहांत के पूर्व ऋषि का श्राप याद आया



- प्र०१ आपने पिछली बार बताया था कि महाराज दशरथ शोक में डूबे हुए थे, उन्हें आत्म ग्लानि हो रही थी और पुरानी बातें याद आ रही थी। जब महाराज दशरथ का यह हाल था तो माता कौसल्या की क्या स्थिति थी?
- प्र०२ माता कौसल्या के कठोर वचन सुनकर महाराज दशरथ का शोक और भी बढ़ गया होगा?
- प्र०३ जब महाराज दशरथ ने हाथ जोड़कर क्षमा याचना की, उनको मनाने की कोशिश करी तो माता कौसल्या का हृदय कुछ परिवर्तित हुआ होगा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०४ माता कौसल्या की याचना के बाद मशराज दशरथ का शोक कुछ कम हुआ होगा?
- प्र०५ महाराज दशरथ ने विद्वत्तापूर्ण बातें बताईं, तो शब्द भेदी बाण वाली क्या कथा सुनाई उन्होंने माता कौसल्या को?
- प्र०६ यहाँ एक महत्वपूर्ण बात सामने आई है - उन्होंने (ऋषि) बताया कि उनके पिता वैश्य और माता शूद्र हैं। वाल्मीकि रामायण में अभी तक देखने को मिलता है कि जातिवाद का कोई स्थान नहीं है। हमें जातिवाद में विश्वास नहीं करना चाहिए।
- प्र०७ यह कथा महाराज दशरथ माता कौसल्या को बता रहे थे, कथा सुनाने के बाद महाराज दशरथ ने क्या किया?

Episode 21 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events of the night when Maharaj Dashrath breathed his last. Kausalya is immersed in sorrow and is very harsh on him, blaming him for the departure of Ram, Laxman and Sita. Maharaj Dashrath begs her with folded hands to not hurt him anymore. Kausalya accepts her mistake and begs pardon. Maharaj is pleased and goes to sleep. He gets up in the middle of the night remembering his past mistake of killing a rishi who had come to the river to take water for his old parents. He also remembers the curse that had been cast upon him by the rishi's old parents – of dying in pain suffering from separation of beloved son. The pain is unbearable for Maharaj. He moves to the next world crying out for Ram. (Ref. Chapters 61, 62, 63, 64 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/B8vRWU_y-4Q

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/5lxzhMNBaa9Nnm0Xyz6rCc?si=ecff7456c4e84b9a>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-21-maharaja-dasaratha-ko-dehanta-ke-purva-rsi-ka-srapa-yada-aya-1637309805>



22. भरत का अयोध्या पहुँचना और उनका क्रोध एवं शोक



- प्र०१ आप हमेशा राम कहकर सम्बोधित करते हैं। ना भगवान राम, ना श्री राम, ना प्रभु राम, ऐसा क्यों?
- प्र०२ पिछली बार आपने बताया था कि महाराज दशरथ की मृत्यु हो गयी थी, उसके पश्चात् क्या हुआ?
- प्र०३ जब दूत कैकेयी राज्य पहुँच गए तो उन्होंने वहाँ क्या कहा? किनसे मिले वो?
- प्र०४ जब भरत अयोध्या पहुँच गए तो उन्होंने वहाँ क्या देखा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०५ जब वो (भरत) वहाँ महल में पहुँचे तो माता कैकेयी ने भरत से क्या कहा? वो दुखी थी या खुश थी?
- प्र०६ माता कैकेयी ने अयोध्या के बारे में कुछ नहीं बताया भरत को?
- प्र०७ भरत ने पूछा होगा - कैसे मृत्यु हुई उनकी, कब मरे?
- प्र०८ राम जी वन में गए। भरत ने उनके बारे में भी पूछा होगा? क्यों गए वन में?
- प्र०९ भरत की क्या प्रतिक्रिया थी यह सब जानने के बाद?

Episode 22 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with a discussion about how Ram should be addressed – whether as Ram or Shri Ram. Getting back to the developments at Ayodhya, after the death of Maharaj Dashrath, Guru Vasishth orders fastpaced horsemen to go to Bharat who at his maternal grandfather's place. Bharat comes back to Ayodhya and is shocked by all that has happened. He is very sad and is also extremely angry at his mother, Kaikeyee. He says some very harsh words to his mother. (Ref. Chapters 67-74 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/6N6DtwXh8tY>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/3zhl4zKny22b7KXFwExPeG?si=127ae5a7b2134c1e>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-22-bharata-ka-ayodhya-pahumcana-aura-unaka-krodha-evam-soka-1637905905>



23. भरत द्वारा राज्य लेने से इंकार और निकृष्टतम अपराधों का विवरण



- प्र०१ आपने पिछली बार बताया था कि भरत बहुत आक्रोशित हो गए थे। उन्होंने माता कैकेयी को बहुत कठोर वचन कहे थे। उसके पश्चात् क्या हुआ?
- प्र०२ मंत्रियों से मिलने के बाद भरत क्या माता कौसल्या से मिलने गए?
- प्र०३ यह सब सुनने के बाद भरत ने क्या कहा माता कौसल्या से?
- प्र०४ भरत ने गुरु के प्रति अपराध के बारे में बताये।
- प्र०५ भरत ने राजा के सम्बन्ध में अपराध के बारे में बताए।



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ भरत ने नौकरी और कर्मचारी के सम्बन्ध में अपराध के बारे क्या कहा?
- प्र०७ भरत ने कर्त्तव्य के प्रति अपराध के बारे में क्या कहा?
- प्र०८ भरत ने मित्रों के प्रति अपराध के बारे में क्या कहा?
- प्र०९ भरत ने सम्पत्ति से जुड़े अपराध के बारे में क्या कहा?
- प्र० १० भरत की यह सब बातें सुनने के बाद माता कौसल्या की क्या प्रतिक्रिया थी?

Episode 23 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla begins with Bharat declaring his innocence. He states in clear terms that he has no intentions to take the kingdom of Ayodhya. He declares that his mother has acted on her own and he does not wish to benefit from her wrongdoing. He curses everyone with whose efforts and desire Ram has gone to forest. The curses are a long list of the worst crimes that a person can commit. It educates us about what a person must not do. (Ref. Chapter 75 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/mMys2T-ei8o>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4TyvDnIQ6bXp3hCjCzNaGY?si=ea5899444b4d4305>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-23-bharata-dvara-rajya-lene-se-inkara-aura-nikrstatama-aparadhom-ka-vivarana-1638448292>



24. शत्रुघ्न का रोष भरत द्वारा राज्याभिषेक से इन्कार वन के लिए प्रस्थान



- प्र०१ पिछली बार हमने देखा कि भरत बहुत आक्रोशित हो गए थे। उनको बहुत क्रोध आ गया था और बहुत शोकाकुल भी थे। उसके बाद क्या हुआ?
- प्र०२ अंतिम संस्कार के बाद अस्थि संचय भी किया होगा?
- प्र०३ अंतिम संस्कार से जुड़े सभी कर्म पूरे होने के बाद चौदहवे दिन क्या हुआ?
- प्र०४ राजभवन में गुरु वशिष्ठ थे, उन्होंने क्या कहा?

Episode 24 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla begins with an incident involving Manthra, the maid-servant who had advised Kaikeyee. Shatrughan wishes to punish her but Bharat stops him saying that women cannot be killed. Guru Vasishth calls for all prominent persons to meet at the royal hall. Bharat is invited to the meeting and is ordered by Guru to get himself coronation. Bharat



वाल्मीकि रामायण के राम

refuses to accept coronation and instead orders for moving to the forest. He declares that all of them will go the forest, crown Ram in the forest and bring him back as king of Ayodhya. He orders for all arrangements to be made and then leads the procession to the forest. (Ref. Chapter 78, 79 and 82 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/jO9Rlm7cig4>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1TjbYkfMRUfwczhrIVl6yT?si=be9b5ba1af464fe3>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-24-satrugna-ka-rosa-bharata-dvara-rajyabhiseka-se-inkara-vana-ke-lie-prasthana-1639240795>



25. राम ने निषादराज गुह की मदद से गंगा पार की तथा वन में प्रवेश



- प्र०१ इंसान का सही धर्म क्या है?
- प्र०२ जब राम अयोध्या से निकले तो क्या हुआ?
- प्र०३ रात्रि में सभी तमसा नदी के किनारे रुके, उस रात क्या हुआ?
- प्र०४ अगली सुबह यात्रा प्रारंभ की होगी?
- प्र०५ प्रातः होने पर जब प्रजाजन ने देखा कि राम, लक्ष्मण, सीता वहाँ नहीं हैं, तो वे बहुत दुखी हुए होंगे?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०६ अगली सुबह राम जी कहाँ पहुँचे?

प्र०७ राजा गुह भी वापस चले गए होंगे?

प्र०८ अगली प्रातः काल में ये (राम, लक्ष्मण, सीता) लोग कहाँ गए?

प्र०९ गंगातट पहुँचने के पश्चात् क्या हुआ?

Episode 25 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla begins with a discussion about how to determine one's dharm in any particular situation. When moving out from Ayodhya, Ram is followed by large number of citizens. Ram tries to convince them to return. But they refuse to go back and are determined to accompany Ram into the forest. Ram, Sita and Laxman spend the night along with all those accompanying them on the bank of river Tamsa. Next day they leave early morning when all those who had followed them were asleep. They reach the banks of Ganga where they meet Guh who was the king of Nishad community. Guh helps them the next morning to cross the river. After crossing Ganga, they are now in the forest. Ram and Laxman now get ready for the life in forest. However, first they must arrange for food and eat since they had not eaten for two nights and two days. (Ref. Chapter 45, 46, 50, 51 and 52 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/751rm-xoy38>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1wPygkvJm3bMAP7IJ2CiKP?si=cd663a0955e24f34>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-25-rama-ne-nisadaraja-guha-ki-madada-se-ganga-para-ki-tatha-vana-mem-pravesa-1639639277>



26. राम की चित्रकूट यात्रा एवं भरत का गंगा तट पर आगमन



- प्र०१ पिछले प्रकरण में हमने देखा कि गुह और सुमंत्र ने राम, लक्ष्मण और सीता को नाव से गंगा पार करने के लिए भेज दिया। उसके बाद क्या हुआ?
- प्र०२ भारत और राजा गुह के बीच क्या वार्तालाप हुई?
- प्र०३ गुह और समन्त बुद्धिमान हैं, महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी। उनकी चर्चा कहीं नहीं होती है?

Episode 26 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla begins with describing the precautionary steps taken by Sumantr and Guh. Ram had begun his new life in the forest with brother and wife. During their first night in the forest, Ram became emotional remembering Ayodhya and all that had happened. Ram advised Laxman to go back to Ayodhya and take care of their mothers.



वाल्मीकि रामायण के राम

Laxman, however, refused. The next day, they started travelling and by the evening reached the ashram of Rishi Bhardwaj. Rishi invited them to stay at his ashram. Ram refused the invitation and sought guidance from the Rishi about a good place in the forest where they could live for the next few years. Rishi advised them to go to Chitrakoot. Next day, they started their journey again and reached Chitrakoot after spending one night in the forest. In the meantime, Bharat along with the army and all key people of Ayodhya was on the way to meet Ram. Bharat reached the banks of river Ganga. Nishadraj Guh, friend of Ram, suspected that Bharat is on the way to kill Ram. Guh ordered his army on full alert and went to meet Bharat to investigate Bharat's motive. After meeting Bharat, Guh is convinced that Bharat has no ill intentions. (Ref. Chapter 53, 54, 55, 56, 57, 83, 84 and 85 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/UpUzFT3k7qI>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/5srhDpJWNhYGsj4BozIGq5?si=fcbdf069f4684d78>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-26-rama-ki-citrakuta-yatra-evam-bharata-ka-ganga-tata-para-agamana-1640357478>



27. भरत पर विश्वसनीयता का संकट



- प्र०१ पिछली बार आपने बताया था कि भरत गुह से मिले थे और गुह के मन में कुछ शंकाएँ थीं भरत को लेकर। पर बातचीत के दौरान वो शंकाएँ समाप्त हो गयीं। उसके बाद उन्होंने और भी वार्तालाप करी होगी वहाँ पर?
- प्र०२ अगले दिन भरत गंगा पार करके राम जी से मिलने निकले होंगे? मार्ग में राम जी को जैसे ऋषि भारद्वाज का आश्रम मिला था, वे उनसे मिलने गए थे। ऐसे भरत को भी ऋषि भारद्वाज का आश्रम मिला होगा? क्या भरत भी उनसे मिलने गए?
- प्र०३ ऋषि भारद्वाज जब संतुष्ट हुए भरत की बातों से तो उन्होंने क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०४ जब भरत राम से मिलने चले थे तो उनकी माताएँ भी उनके साथ थीं। उन्होंने अपनी माताओं का परिचय ऋषि भारद्वाज से किस प्रकार कराया?
- प्र०५ ऋषि भारद्वाज से विदा लेने के बाद भरत चित्रकूट पहुँचे होंगे? भरत ने वहाँ क्या किया?
- प्र०६ जब भरत चित्रकूट पहुँच गए तो उस समय राम क्या कर रहे थे?
- प्र०७ भरत के चित्रकूट पहुँचने की सूचना राम को कैसे मिली?
- प्र०८ भरत को माँ की गलती के कारण बार-बार सिद्ध करना पड़ रहा था कि वे गलत नहीं हैं। पहले राजा गुह के समक्ष, फिर ऋषि भारद्वाज के सम्मुख, उसके बाद राम-लक्ष्मण के सामने। इसके बारे में आपका क्या कहना है?

Episode 27 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla relates to the journey of Bharat to Chitrakoot. On the way Bharat meets Rishi Bhardwaj who welcomes him with caution and expresses doubts about Bharat's journey. Bharat is heartbroken by the doubts. Bharat assures the Rishi that he is only going to Ram to get Ram crowned as the king of Ayodhya. Rishi is pleased. Rishi extends hospitality to the army and others accompanying Bharat. Next day, Bharat continues his journey. When Bharat's caravan approaches Chitrakoot, the commotion unsettles the wildlife and birds of Chitrakoot. Ram notices it and asks Laxman to climb up a tree to find out the reason for the disturbance. Laxman sees from the top of a tree that the army of Ayodhya has surrounded Chitrakoot. Laxman thinks that Bharat is invading them. Laxman is furious. Ram calms him down. Ram tells Laxman that Bharat may be coming to see them out of love and not with any ulterior motives. (Ref. Chapters 86-97 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/gJD7XkgFPwA>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/7m6i3iwNZHz3bdxiMWIbkH?si=82859801bf214998>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-27-bharata-para-visvasaniyata-ka-sankata-1640852147>



28. राम द्वारा भरत से कुशलक्षेम पूछना और राजा के चौदह दोष



- प्र०१ पिछली बार आपने बताया कि भरत चित्रकूट पर्वत के समीप पहुँच गए। उन्होंने सेना को चित्रकूट पर्वत के समीप रुकने के लिए कहा था और वे राम जी को ढूँढ़ने के लिए पर्वत पर निकल गए। उसके बाद क्या हुआ?
- प्र०२ राम जी भरत से मिले तो उन्होंने अयोध्या, वहाँ के लोगों, पिताजी और माताओं के बारे में पूछा होगा?
- प्र०३ राम जी ने भरत को चौदह दोष जो राजा में नहीं होने चाहिए के बारे में बताया होगा?
- प्र०४ धर्म एवं काम के बारे में विस्तृत रूप से बताइए।



वाल्मीकि रामायण के राम

Episode 28 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the meeting of Ram with Bharat. The meeting was indeed very emotional. Ram begins by asking Bharat about everyone at Ayodhya including father Maharaj Dashrath, Guru Vasishth, mothers, learned men etc. Ram is curious to know how Ayodhya is being governed. So, he asks a series of questions. In the questions, Ram asks Bharat whether he keeps away from fourteen faults of kings. The fourteen faults relate to various aspects of governance and a king's behaviour. Ram also asks Bharat whether Bharat follows dharm, arth and kaam without either one harming the other. (Ref. Chapters 98, 99 and 100 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/xbf4tbnGC-8>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1cNcNAyJBRqc1IiYXke2T5?si=410a5bb4ab564ba6>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-28-rama-dvara-bharata-se-kusalaksema-puchana-aura-raja-ke-caudaha-dosa-1641449527>



29. मंत्रियों की नियुक्ति, भ्रष्टाचार, धन उपयोग एवं मित्रों के साथ बाँटना



- प्र०१ पिछली बार आपने बताया कि जब भरत राम से मिले थे तो राम अयोध्या के बारे में बहुत चिंतित थे। वहाँ की सुरक्षा को लेकर उन्होंने कई प्रश्न किए और सबके बारे में जानकारी ली। राज्य चलाने के लिए मंत्रियों, अधिकारियों की जरूरत होती है। राम ने उनके बारे में भी कुछ कहा?
- प्र०२ आपने अभी मंत्रियों, अधिकारियों की नियुक्ति, भ्रष्टाचार और न्याय व्यवस्था के बारे में बताया। धन-संपत्ति के बारे में राम जी ने क्या बताया?
- प्र०३ राम ने मित्रों (से व्यवहार) के बारे में भी भरत से कुछ पूछा?



वाल्मीकि रामायण के राम

Episode 29 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla continues with the questions asked by Ram to Bharat. Ram asks Bharat about how he appoints officials and ministers. Ram asks Bharat whether he has ensured that judges deliver justice without greed of bribes. Ram asks whether Bharat continues to be focused on gathering resources and assets. Ram is also curious to know about the way Bharat spends his money. Ram further asks Bharat whether he shares his food with his friends. (Ref. Chapter 100 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/2Bmx_O2srFo

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4Mchlr6RRh6ngZoBPb12Zz?si=b0b65c6727974999>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-29-mantriyom-ki-niyukti-bhrastacara-dhana-ka-upayoga-evam-mitrom-ke-satha-bamtana-1642321109>



30. सेनापति, अधिकारी, सैनिक, शत्रु नीति, दंड नीति एवं कर नीति



- प्र०१ आपने पिछली बार बताया था कि जब भरत राम से मिले थे तो राम के मन में बहुत शंकाएँ थी। वो बहुत चिंतित थे अयोध्या को लेकर के और कई तरह के प्रश्न किए भरत से - अधिकारियों की नियुक्ति को लेकर के और भी कई सारे प्रश्न किए। सेना के बारे में राम ने क्या बताया?
- प्र०२ सेना का मुख्य अधिकारी सेनापति होता है। उसकी नियुक्ति के बारे में पूछा राम ने भरत से?
- प्र०३ राम ने क्या सेना के अधिकारियों की नियुक्ति के बारे में बताया? उनमें किस तरह के गुण होने चाहिए?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०४ राम जी ने सैनिकों के बारे में क्या बताया?

प्र०५ जब सेना लड़ाई के लिए जाती है तो रणनीति बनाती है। राम जी ने शत्रु से लड़ाई की नीति के बारे में भरत से प्रश्न किए?

प्र०६ प्रजा सुरक्षा की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण अंग है। राम जी का इस बारे में क्या कहना था?

Episode 30 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla continues with the questions asked by Ram to Bharat. Ram asks Bharat about how chief of army has been appointed. Ram describes the qualities that are essential for someone leading the army. Further Ram describes the qualities of mid-level army officers. Ram also speaks about the need to pay soldiers on time. Ram goes on to narrate the policies that should be pursued in dealing with enemies. Security of a nation also depends on the continuing loyalty of citizens. Ram advises against harsh punishments which can make people hate the ruler. Ram cautions against excessive taxation. Ram also advises Bharat that agriculture, business and industry are the backbone of any society. Ram asks whether Bharat takes care of these key sectors of economy. (Ref. Chapter 100 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/3zqW352WJW8>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/674R64U1UIGQbOHfd9bmx?si=31624a6be143471d>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-30-senapati-adhikari-sainika-satru-niti-danda-niti-evam-kara-niti-1642667014>



31. पिता के स्वर्गवास की सूचना प्राप्त कर राम द्वारा जलदान एवं पिण्डदान



- प्र०१ पिछले तीन बार से हम देख रहे हैं कि राम जी अयोध्या को लेकर भरत से एक के बाद एक प्रश्न करते जा रहे हैं। वे बहुत विस्तार से अयोध्या के बारे में जानकारी चाह रहे थे। क्या भरत ने भी उनको उतने ही विस्तारपूर्वक उनको उत्तर दिया?
- प्र०२ राम ने क्या कहा
- प्र०३ भरत ने क्या कहा
- प्र०४ पिता के मृत्यु का समाचार सुनकर राम की क्या प्रतिक्रिया थी?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०५ राम जी और लक्ष्मण ने जलांजलि दी होगी, पिंडदान किया होगा?

प्र०६ जंगल में राम ने पिंडदान कैसे किया?

प्र०७ गुरु वशिष्ठ, माताएँ भी राम से मिलने आए होंगे?

Episode 31 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with Bharat answering Ram's long series of questions. Bharat pleads with Ram to accept coronation and return to Ayodhya as king. Ram refuses with convincing arguments. Bharat takes a different approach and requests Ram to return in the interest of the family and Ayodhya since their father is dead. The news of father's death hits Ram very hard. He starts crying. Ram regains his composure and carries out the essential rituals of offering water and food to his departed father. Ram's mothers, Guru Vasishth and others from Ayodhya also come to the hut where Ram, Sita and Laxman were staying. All of them spend the night mourning for the departed soul of Maharaj Dashrath. (Ref. Chapters 101, 102, 103 and 104 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/tjb_pZs0OpE

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/0Gst52d1EIHGiSWIqCZILJ?si=43801612475c4a50>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-31-pita-ke-svargavasa-ki-sucana-prapta-kara-rama-dvara-jaladana-evam-pindadana-1643365206>



32. भरत द्वारा राम को मनाने का प्रयास और नास्तिक मत



- प्र०१ प्रातः क्या हुआ?
- प्र०२ क्या राम ने भेंट स्वीकारी?
- प्र०३ भरत ने क्या कहा?
- प्र०४ अन्य लोगों ने क्या कहा?
- प्र०५ नास्तिक मत क्या है?
- प्र०६ जाबालि ने क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ राम की प्रतिक्रिया

प्र०८ जाबालि का उत्तर

Episode 32 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with Bharat offering the kingdom of Ayodhya to Ram as a gift. Ram refuses to accept the gift. Bharat now pleads that the mistake of parents ought to be corrected by the son. Bharat argues that his mother Kaikeyee and their father Maharaj Dashrath had made a mistake which resulted in the present situation and it is the duty of Ram to correct the mistake now. Ram is not convinced. At this point the chief Brahmin of Ayodhya, Jabali tries to use arguments based on naastik (non-Hindu) thought to convince Ram to accept the coronation. Ram is furious with the naastik thought. Jabali withdraws saying that he is not a naastik but was trying the approach as a last resort to try to convince Ram. (Ref. Chapters 105, 106, 107, 108 and 109 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/d0lf9Wfxwfs>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/0JBQTDsCiOdgYxW22dR4m?si=702ced5514344e17>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-32-bharata-dvara-rama-ko-manane-ka-prayasa-aura-nastika-mata-1644577276>



33. राम भरत वार्तालाप का भावुक अंत और भरत द्वारा चरणपादुका ग्रहण करना



- प्र०१ आस्तिक मत?
- प्र०२ आस्तिक ही हिन्दू या नास्तिक भी?
- प्र०३ गुरु वसिष्ठ ने क्या कहा?
- प्र०४ राम ने क्या कहा?
- प्र०५ भरत की प्रतिक्रिया?
- प्र०६ राम ने क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ भरत ने क्या कहा?

प्र०८ उपस्थित लोगों ने क्या कहा?

प्र०९ भरत की प्रतिक्रिया

प्र०१० क्या राम ने यह स्वीकारा?

प्र०११ इस वार्तालाप का समापन कैसे हुआ?

प्र०१२ राम के समझाने से क्या भरत मान गए?

Episode 33 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with a discussion about key defining features of aastik thought. Anil Chawla also explains the meanings of the words Hindu and Bharat. The conversation continues with discussing the attempt of Bharat to convince Ram to return to Ayodhya. Bharat has tried all the arguments that he could think of. As a last resort, he even threatens to sit on a dharna or sit-in-protest before the small hut where Ram was staying. Ram convinces him that such sit-in-protests are not appropriate for him. Exasperated, Bharat asks the people present to help him convince Ram. But the people see merit in Ram's arguments and tell Bharat that they are unable to help him. At this point, the Rishis intervene. They tell Bharat to let Ram follow the path that he has chosen. Bharat is still not ready to give up. Ram uses the power of affection and love to get Bharat to agree. Bharat gets a pair of gold-studded footwear and asks Ram to wear it for a moment and return the pair to him. Bharat says that this pair of footwear will be put on the throne of Ayodhya and will be the king of Ayodhya. Bharat says that he will live in a nearby forest like a forest-dweller and oversee the kingdom but not as a king. Bharat seeks Ram's permission for this arrangement. Ram has no option but to accept Bharat's request. (Ref. Chapters 110, 111 and 112 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/udfCjeHGrPs>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/5ss6JnJ6iant99wDu2TYbi?si=ccee740da0fc4b88>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-33-rama-bharata-vartalapa-ka-bhavuka-anta-aura-bharata-dvara-caranapaduka-grahana-karana-1645097321>



34. राम का चित्रकूट से प्रस्थान, ऋषि अत्रि एवं अनुसूया से मिलना



- प्र०१ मूर्ति पूजा
- प्र०२ भरत राम से विदा लेकर चले तो?
- प्र०३ भरत के जाने का बाद सुख से रहे होंगे?
- प्र०४ खर के आतंक का राम ने सामना नहीं?
- प्र०५ ऋषिओं के प्रस्थान के पश्चात राम ने क्या किया?
- प्र०६ चित्रकूट से कहाँ पहुंचे?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ अनुसूया सीता वार्तालाप?

प्र०८ ऋषि अत्रि के आश्रम में कितना समय रहे?

प्र०९ अयोध्या काण्ड के २८ प्रकरणों से तुमने क्या सीखा?

Episode 34 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with a discussion about idol worship in Hindu religion. The conversation moves on with the return of Bharat to Ayodhya where he bids farewell to his mothers and moves to Nandigram where he is to stay for the next fourteen years as a forest-dweller. On the other hand, situation changes for Ram at Chitrakoot. The rishis at Chitrakoot decide to move out of Chitrakoot due to harassment from Khar, the younger brother of Raavan. Ram tries to stop the rishis, but fails to convince them. Ram decides to move out of Chitrakoot since the place now reminded him of meeting his brothers, mothers and other family members. Ram, Laxman and Sita go to the ashram of Rishi Atri where Rishi welcomed them with open arms. Rishi introduced his wife, Anusooya to them. Anusooya had a long talk with Sita, blessed her and gave to Sita clothes, ornaments etc. The next morning Ram, Sita and Laxman started their journey from the rishi's ashram to the deep and dangerous forest. (Ref. Chapters 113-119 Ayodhya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/IDog8bPBJtg>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2jN5LwraHan80a9Lo721oR?si=458051d68c6d4b58>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-34-rama-ka-citrakuta-se-prasthan-rsi-atr-ivam-anusuya-se-milana-1645618446>



35. अरण्य काण्ड प्रारम्भ भयंकर वन में प्रवेश और विराध वध



- प्र०१ भयंकर वन में प्रवेश के पश्चात पहले क्या?
- प्र०२ आश्रम से निकलने के बाद?
- प्र०३ सीता को दबोच लेने के पश्चात राम लक्ष्मण की प्रतिक्रिया?
- प्र०४ राम ने विराध से कुछ कहा, बातचीत?
- प्र०५ उसके बाद राम ने क्या किया?
- प्र०६ विराध जब राम लक्ष्मण को उठा ले चला तो उन्होंने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ जब राम विराध को दबा कर खड़े थे तो विराध ने क्या किया?

(कुबेर की सेवा / शरभंग ऋषि)

प्र०८ फिर क्या राम लक्ष्मण ने विराध वध किया?

प्र०९ विराध वध के बाद क्या राम शरभंग ऋषि के आश्रम गए?

Episode 35 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla marks the beginning of Aranya Kand where Ram, Laxman and Sita live in a horrible forest full of cannibals and blood-thirsty wild animals. At the outset, munis and rishis welcome Ram and explain to him that he is their king even while he is living in the forest and he must act to protect them. As they move forward, they encounter the giant demon named Viradh who is immensely big and carries a huge spear with more than ten animal heads on it. Viradh is blessed by Brahma that he cannot be killed by any weapon. Viradh takes a liking to Sita. Viradh lifts up Sita and tells Ram and Laxman to run away. Viradh announces his intention to marry Sita. Ram is disturbed and sad but soon regains his composure. The two brothers fight Viradh and bury him alive since he cannot be killed by any weapon. Before death Viradh remembers his past life and even guides Ram to the way to the ashram of Rishi Sharbhang. Ram visits Rishi Sharbhang who is waiting to depart from this world. Rishi Sharbhang guides Ram and blesses him before entering fire and embracing death. (Ref. Chapters 1-5 Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/hzTYEKWG4AQ>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4gt5puH5fKN62kxSxIOLr3?si=aa5dc53d17e5410f>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-35-aranya-kanda-prarambha-bhayankara-vana-mem-pravesa-aura-viradha-vadha-1646302339>



36. सीता राम संवाद और दस वर्षों तक विभिन्न आश्रमों में राम का निवास



- प्र०१ ऋषि शरभंग के अग्नि प्रवेश के बाद क्या हुआ?
- प्र०२ उसके बाद राम ऋषि सुतीष्ण से मिलने गये?
- प्र०३ अगले दिन वे ऋषि सुतीष्ण के आश्रम से निकले, सीता ने बहुत कुछ सहा था। उन्होंने कुछ कहा?
- प्र०४ राम ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०५ दण्डकारण्य के आश्रमों में राम कितने समय तक रहे?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०६ उसके बाद राम ऋषि सुतीष्ण के पास पहुँचे होंगे?

प्र०७ उसके पश्चात जब राम ऋषि अगस्त्य के आश्रम में पहुँचे तो क्या हुआ?

प्र०८ दिव्य अस्त्र प्राप्त कर राम ने ऋषि अगस्त्य से निवास स्थान के बारे में भी पूछा होगा?

Episode 36 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes in brief the journey of Ram, Sita and Lakshman through various ashrams in dense horrible forest. A conversation between Sita and Ram is the highlight of this episode. Sita is concerned about Ram's safety. She tries to convince Ram to live a peaceful life and not take up fights while they are moving in the forests. Ram appreciates Sita's concerns arising out of her love for him. However, Ram mentions about his duty to protect the munis and rishis. Ram also reiterates his promise to the men of learning about saving them from the danavs. Ram says that he can give up his life and even his wife and his dear brother, but cannot think of forgetting his promise or doing dereliction of duty. Ram, Sita and Lakshman spend ten years moving through different ashrams of rishis and munis in the dense forest. They reach the ashram of Rishi Agastya who is known for his killing of some of the most horrible danavs. Ram is contemplating spending rest of his period of forest stay in the ashram of Rishi Agastya but Rishi Agastya has other thoughts. Rishi blesses Ram and gives him some of the most powerful divine weapons. Rishi then advises Ram to move to Panchvati, near river Godavari, and live there. (Ref. Chapters 6-13 Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/2TR9F2BZWNU>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1a1Tt9C4vpfq79GFejL0Fj?si=e9bca1c7eac347e5>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-36-sita-rama-sanvada-aura-dasa-varsom-taka-vibhinna-asramom-mem-rama-ka-nivasa-1646900177>



37. राम, लक्ष्मण एवं सीता का पंचवटी में आगमन और शूर्पणखा का अंगभंग



- प्र०१ पंचवटी के मार्ग में कोई मिला?
- प्र०२ कुटिया बनाई? सुख से रहते थे?
- प्र०३ कोई घटना?
- प्र०४ शूर्पणखा दिखने में कैसी, राम की तुलना में?
- प्र०५ वार्तालाप क्या हुआ?
- प्र०६ शूर्पणखा ने अपना परिचय कैसे?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ परिचय के बाद शूर्पणखा ने क्या कहा?

प्र०८ राम की प्रतिक्रिया?

प्र०९ सुझाव पर शूर्पणखा ने क्या किया?

प्र०१० लक्ष्मण ने क्या कहा?

प्र०११ परिहास पर शूर्पणखा ने क्या कहा?

प्र०१२ सीता पर आक्रमण का भाइयों ने क्या उत्तर दिया?

Episode 37 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla marks the start of a new life in Panchvati, near river Godavari, by Ram, Lakshman and Sita. On the way to Panchvati they meet Jatayu who introduces himself as Maharaj Dashrath's friend. Jatayu promises to keep guard and take care of Sita as and when the two brothers have to step out. Ram and Lakshman build a cottage at Panchvati and start living there peacefully. One day Shoorpnkha, Ravan's sister, comes there. She falls instantly in love with Ram and proposes to him. Ram does not want to insult a woman and replies with humour. The light conversation takes a gory turn when Shoorpnkha attacks Sita with the intention of killing her and eating her up. Ram rises to save Sita. The murderous attack on Sita must be punished. Shoorpnkha cannot be killed due to her being a woman. Ram orders Lakshman to cut off some body parts of Shoorpnkha to punish her. Lakshman immediately obeys the order and cuts off her nose and ears. (Ref. Chapters 14-18 Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/000dlxrlroM>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1w4C5wx7E4vAF8PIIVnUDu?si=7461d1effa5b42da>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-37-rama-laksmana-evam-sita-ka-pancavati-mem-agamana-aura-surpanakha-ka-angabhanga-1647501827>



38. भीषण युद्ध में रावण के भाईयों खर एवं दूषण का वध



- प्र०१ नाक कान काटने के बाद शूर्पणखा ने क्या किया?
- प्र०२ शूर्पणखा और 14 राक्षस पहुंचे तो क्या?
- प्र०३ राक्षसों के मारे जाने पर शूर्पणखा ने क्या किया?
- प्र०४ बड़ी सेना को देख राम ने क्या किया?
- प्र०५ युद्ध में राम ने सर्वप्रथम किसे मारा?
- प्र०६ सैनिकों के मारे जाने के बाद किससे युद्ध हुआ?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ दूषण वध के पश्चात किससे युद्ध हुआ?
- प्र०८ इन सब के मारे जाने पर खर को बहुत क्रोध हुआ होगा?
- प्र०९ त्रिशिरा के मारे जाने के बाद तो खर से युद्ध हुआ होगा?
- प्र०१० खर वध के पश्चात ऋषि मुनि अत्यंत प्रसन्न हो गए होंगे?

Episode 38 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with Shoorpnkha going to her brother Khar and complaining about Ram and Lakshman cutting off her nose and ears. She wants revenge and wishes to drink fresh foaming blood of Ram, Sita and Lakshman. Khar is furious that someone dared to do inflict injuries on his sister. He dispatches fourteen ferocious rakshas along with Shoorpnkha. The fourteen deadly demons are ordered to kill Ram, Sita and Lakshman so that Shoorpnkha can drink their fresh blood. They reach the cottage of Ram. In a very brief battle, Ram kills all the fourteen demons. Shoorpnkha is shocked. She rushes back to Khar and informs him about the surprising turn of events. She cajoles Khar to fight Ram and Lakshman. Khar treats it as a matter of prestige for the Rakshas clan. He orders his brother and the chief of army, Dooshan, to get the army marching with a single objective of killing Ram, his brother and his wife. Fourteen thousand soldiers march ahead along with horses, chariots and elephants. Ram sends Lakshman along with Sita to a nearby cave and fights the entire army all alone. In a fierce battle that lasts less than a day, Ram kills the entire army along with the chiefs Khar and Dooshan. Death of Khar and Dooshan, Ravan's brothers, pleases all the munis and rishis who come there to bless Ram. (Ref. Chapters 19-30 Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/YFKwsIV4kZo>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1h0Jw4VUfqgcsrvJi7zI8V?si=38048c6c710f4603>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-38-bhisana-yuddha-mem-ravana-ke-bhaiyom-khara-evam-dusana-ka-vadha-1648193094>



39. रावण को खर की मृत्यु की सूचना और सीताहरण की योजना



- प्र०१ खर भूषण वध के पश्चात क्या हुआ?
- प्र०२ रावण को खर वध की सूचना कैसे?
- प्र०३ तो क्या रावण राम लक्ष्मण हत्या के लिए गया?
- प्र०४ क्या रावण ने सुझाव मान लिया? और यदि मान लिया तो फिर क्या किया
- प्र०५ मारीच और रावण की क्या बातचीत?
- प्र०६ शूर्पणखा ने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ रावण का संक्षिप्त परिचय

प्र०८ शूर्पणखा ने रावण से क्या कहा?

प्र०९ तिरस्कार के बाद रावण ने क्या कहा?

प्र०१० शूर्पणखा ने क्या उत्तर दिया?

प्र०११ रावण ने सीताहरण निर्णय लिया?

Episode 39 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the developments on Ravan's side after Khar is defeated and killed by Ram. Akampan, a rakshas from Khar's army escapes from the war and rushes to Ravan. Akampan informs Ravan of the death of Khar and Dooshan at the hands of Ram in a war where Ram faced an army of 14,000 ferocious soldiers. Ravan is furious. He wants to immediately proceed to the place where Ram and Lakshman are staying to kill them. Akampan advises him against it. Akampan tells Ravan about Sita, Ram's wife. Akampan tells Ravan that Ram is deeply in love with Sita. Akampan suggests that Ravan kidnap Sita. Akampan feels that Ram will be half-dead after losing Sita and then Ravan will find it easy to kill Ram. Ravan likes the suggestion. Next morning, Ravan goes all alone to the region where Ram is living. Ravan meets Maareech and requests him for help with kidnapping of Sita. Maareech advises Ravan strongly against kidnapping Sita. Ravan is convinced and returns to Lanka. Shoorpnakha, Ravan's sister, had seen the Ram-Khar war and had seen her two brothers killed in the war. Shoorpnakha also reaches Lanka and meets Ravan when he is sitting with his ministers. She first insults Ravan for incompetence and then informs Ravan about the death of Khar and Dooshan. Ravan is furious. Shoorpnakha now tells him about the divine beauty of Sita. She describes Sita as the world's most beautiful woman and tells Ravan to kidnap Sita and make her his wife. Women are Ravan's weakness. Hearing the description of Sita's beauty, Ravan decides once again to kidnap her. He goes once again to Maareech seeking help for his wicked plan. (Ref. Chapters 31-35 Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/uo8AK0lwdJY>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4XJTbZEo5MZfh46ScsD8Ld?si=91795d9d754c448e>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-39-ravana-ko-khara-ki-mrtyu-ki-sucana-aura-sitaharana-ki-yojana-1648713779>



40. रावण मारीच संवाद और मृत्यु भय से रावण द्वारा मारीच को धमकाना



- प्र०१ रावण मारीच के पास तो क्या हुआ?
- प्र०२ मारीच का उत्तर?
- प्र०३ समझदारी की बात, महर्षि विश्वामित्र के आश्रम की घटना याद थी?
- प्र०४ महर्षि आश्रम में घटना के अतिरिक्त भी मारीच का राम से सामना हुआ?
- प्र०५ मारीच की सुन रावण ने क्या कहा?
- प्र०६ क्या रावण की बात सुन मारीच मान गया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ क्या रावण को अब मारीच की बात समझ में आयी?

प्र०८ तो फिर मारीच ने क्या किया?

Episode 40 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the discussions that took place between Raavan and Maareech when Raavan went to Maareech seeking help in kidnapping Sita. Maareech tries his best to convince Raavan to not do the foolhardy kidnapping. Maareech describes his own past experiences with Ram. Maareech tells Raavan in clear unambiguous word that Raavan is bringing great harm to his own life, his family's life as well as to his kingdom by taking up the misadventure. Instead of listening to the good advice from Maareech, Raavan becomes abusive and tells Maareech that the advice was unsolicited and not needed. Raavan tells Maareech that he has no option but to help Raavan in the kidnapping. Raavan threatens to kill Maareech instantly if Maareech chose to disobey him. Faced with certain death whether he says yes or no, Maareech decides that it is better to get killed by the enemy than to get killed by one's own king as a punishment. Knowing fully well that he will be dead by agreeing to help Raavan, Maareech agrees to take on the garb of a golden deer and lure Sita. (Ref. Chapters 36-41 Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/8deFHK72uIQ>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/6DsEzb1hyENL3V45QrIKyH?si=3c63b683ed8644f2>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-40-ravana-marica-sanvada-aura-mrtyu-bhaya-se-ravana-dvara-marica-ko-dhamakana-1649325363>



41. स्वर्णमृग शिकार और सीता द्वारा लक्ष्मण को राम की सहायता हेतु भेजना



- प्र०१ मारीच मान गया फिर क्या?
- प्र०२ मारीच मृग के रूप में कैसा दिखता था?
- प्र०३ क्या सीता ने मृग देखा?
- प्र०४ सीता के बुलावे पर दोनों भाई आए होंगे, उनकी क्या प्रतिक्रिया?
- प्र०५ लक्ष्मण की बात सुन सीता क्या कहा?
- प्र०६ इस पर राम ने क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ राम स्वर्णमृग के पीछे गये क्या हुआ?
- प्र०८ मारीच द्वारा कहे हा सीते हा लक्ष्मण पर सीता ने क्या किया?
- प्र०९ सीता अनुरोध सुन लक्ष्मण क्या गये?
- प्र०१० फिर सीता ने क्या कहा?
- प्र०११ कठोर बात का लक्ष्मण ने क्या उत्तर?
- प्र०१२ लक्ष्मण की समझदारी भरी बात को सुन सीता ने क्या कहा?
- प्र०१३ सीता के इन कठोर शब्दों के पश्चात् लक्ष्मण ने क्या कहा?

Episode 41 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with Mareech becoming a beautiful golden deer and moving around the dwelling place of Ram, Sita and Lakshman. As soon as Sita sees the golden deer, Sita falls for the beautiful animal. She wants the deer, live or dead. Sita calls Ram and Lakshman to see the deer. Lakshman immediately recognizes the deer as Maareech. Lakshman says that there is no golden deer and this is an illusion. Sita ignores Lakshman and continues to pester Ram to get the golden deer. Ram examines the issue from the perspective of dharm, arth and kaam. Ram does not negate Lakshman. Ram says that if it is Maareech, it is Ram's dharm to go and kill Maareech since the raakshas had killed many munis and rishis as well as kings in the past. Ram takes his bow and arrows and goes in pursuit of the golden deer. As Ram's arrow hits Maareech (golden deer), Maareech shouts out in Ram's voice – O Seete! O Lakshman! Lakshman knows that this is not the voice of Ram. But Sita thinks that Ram is in danger. She tells Lakshman to go and help Ram. Lakshman refuses initially, but unwillingly goes when Sita abuses and blames him in the most horrible manner. (Ref. Chapters 42-45 Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/mymE6hAPrT4>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/66NtaZ9qm2IjKaDAXT0yz?si=4ee280fbdcae4842>



वाल्मीकि रामायण के राम

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-41-svarnamrga-sikara-aura-sita-dvara-laksmna-ko-rama-ki-sahayata-hetu-bhejana-1650092176>



42. रावण द्वारा सीता का हरण



- प्र०१ सीता अकेली, रावण ने क्या किया?
- प्र०२ प्रशंसा कैसे की?
- प्र०३ रावण बातें सुन सीता ने क्या किया?
- प्र०४ रावण ने अपना परिचय कैसे दिया?
- प्र०५ रावण के इस प्रकार प्रस्ताव पर सीता की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०६ सीता के इस प्रकार कहने पर रावण भी क्रोधित हो गया होगा?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ रावण की बातों पर सीता ने क्या किया?

प्र०८ सीता की बात पर रावण ने क्या किया?

प्र०९ जब रावण ने सीता को उठा लिया तो सीता ने मदद के लिए पुकारा होगा?

Episode 42 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the kidnapping of Sita by Raavan. Initially, Raavan tries to seduce Sita by putting on the appearance of a learned Brahmin and praising the beauty of Sita. That does not work. As a matter of duty to a guest, Sita welcomes Raavan disguised as a Brahmin offering him a mat for sitting, water for washing up and some food. Raavan realizes that his attempt at seduction has failed. He introduces himself and proposes to Sita asking her to dump Ram and marry him. Sita is furious and tells Raavan that he is nothing compared to her husband, Ram. Heated exchange of words follows. At the end of it, Raavan lifts up Sita and puts her in his chariot. Sita is helpless and starts shouting for help. (Ref. Chapters 46-49 Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

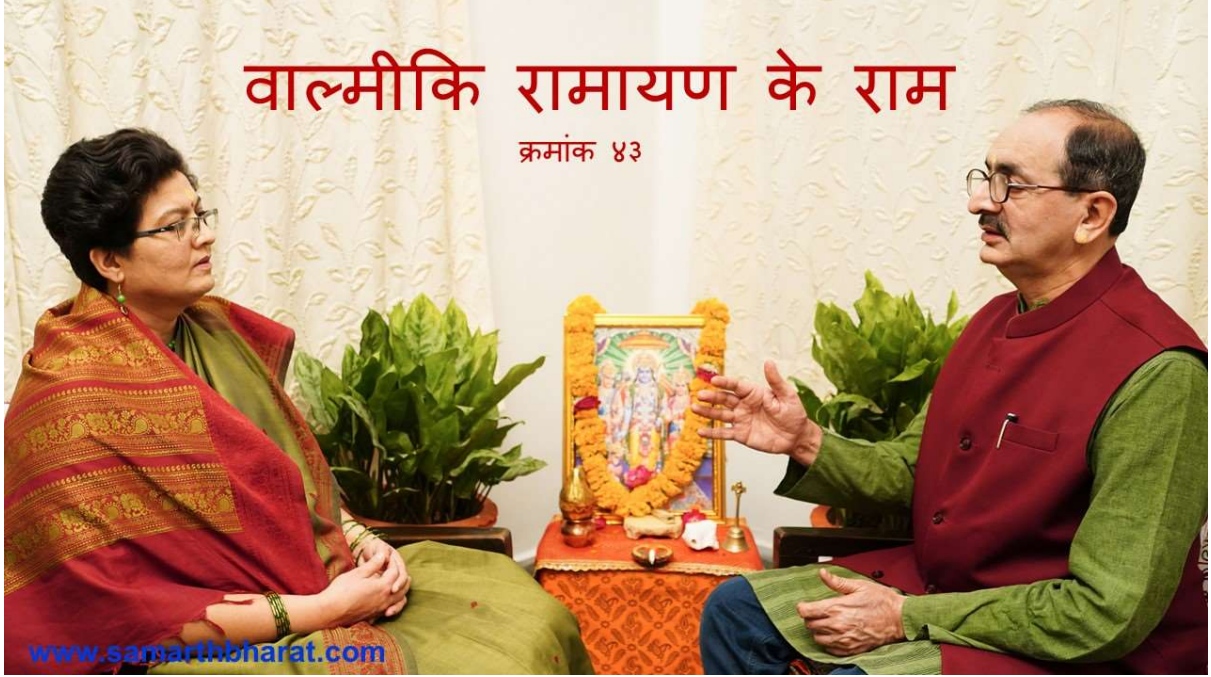
Youtube - <https://youtu.be/bCaFBw6MHX0>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/0osPY3ZWXIHHvhQIOwMyyJ?si=d8663cba1c7a4936>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-42-ravana-dvara-sita-ka-harana-1650522430>



43. जटायु द्वारा सीताहरण रोकने का प्रयास



- प्र०१ जटायु ने क्या किया?
- प्र०२ जटायु रावण युद्ध?
- प्र०३ रथ टूटने के बाद रावण क्या किया?
- प्र०४ इस पर पक्षीराज जटायु ने क्या किया?
- प्र०५ क्या रावण रुका और फिर जटायु ने क्या किया?
- प्र०६ जटायु के घायल होकर गिरने पर रावण ने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ आकाश मार्ग जाते हुए कोई घटना?

प्र०८ लंका पहुँच रावण ने क्या किया?

Episode 43 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the valiant efforts made by Jataayu, king of birds to stop Raavan from kidnapping Sita. Initially, Jataayu tried to reason with Raavan explaining to him that he was committing a foolish act which will not bring him any fame but will destroy his family and kingdom. Sensing that Raavan is in no mood to listen, Jataayu challenges Raavan to a fight knowing very well that the battle will be an unequal one given Jataayu's advanced age. Raavan starts by shooting large number of arrows on the king of birds. Jataayu has only his claws and beak against the sophisticated weapons of Raavan. Nevertheless, Jataayu fights bravely killing the donkeys drawing Raavan's chariot. Jataayu also kills his saarathi (chariot driver) as well his assistants and destroys his chariot. Finding himself under pressure, Raavan decides to make an escape taking along with him kidnapped Sita. Jataayu once again stops him and challenges him to fight like a warrior and not run away like a coward. Jataayu gets on Raavan's back pulling out his hair and flesh. Raavan keeps Sita aside and continues the fight. Now, Raavan pulls out his sword and cuts off Jataayu's wings and feet. Jataayu falls to the ground. (Ref. Chapters 50-54 Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/ytGnecU9t7w>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/25YsiDyKsZuHcgVQwv3xf?si=200a4281939c4131>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-43-jatayu-dvara-sitaharana-rokane-ka-prayasa-1651134902>



44. सीता को ना पा कर राम का दुःख और आक्रोश



- प्र०१ सीता हरण के बाद राम लौटते हुए लक्ष्मण से मिले?
- प्र०२ आश्रम में उन्हें सीता नहीं मिली होगी, तो राम की प्रतिक्रिया?
- प्र०३ इस अत्यंत दुख में राम को लक्ष्मण द्वारा सीता को छोड़ने की बात याद आई क्या?
- प्र०४ इस चर्चा के पश्चात क्या दोनों भाई सीता को ढूँढने निकले?
- प्र०५ सीता को ना पाकर राम काफी परेशान हो गये होंगे?
- प्र०६ इस प्रकार के विलाप के बाद लक्ष्मण ने उन्हें संभाला?
- प्र०७ फिर से ढूँढने का प्रयास असफल होने पर राम की मनः स्थिति क्या थी?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०८ जब राम दुःखी हो रहे थे तो लक्ष्मण ने समझाने का प्रयास किया?

प्र०९ लक्ष्मण के समझने पर क्या उन्होंने फिर अपनी खोज जारी रखी? वे किस दिशा में गये?

प्र०१० सीता के आभूषण, रक्त निशान मिलने के बाद राम ने क्या किया?

प्र०११ जब राम इस प्रकार क्रोधित हो गये तो लक्ष्मण ने क्या किया?

Episode 44 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the sorrow that Ram experiences on not finding Sita. After killing Maareech, Ram realized that some conspiracy has been played out on him. He turned back to walk quickly to the ashram. On the way, Ram met Lakshman. Ram was not happy with seeing Lakshman. Ram told Lakshman that his moving away from Sita was wrong. The brothers reached the ashram and discovered that Sita was missing. They started searching for Sita. Ram was heartbroken and at times sunk into sorrow and at other time flew into a rage wanting to destroy the whole world. Lakshman counselled Ram and pulled him out of the depths of despair and despondency as well as stopped him from doing any wrong actions out of anger. (Ref. Chapters 57-66 Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/eaUh7Mlx8bl>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2LSzDhmGulQzadeuskG6WR?si=48ea01bb8f3649e3>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-44-sita-ko-na-pa-kara-rama-ka-duhkha-aura-akrosa-1651831992>



45. राम का घायल जटायु से मिलन और राम द्वारा जटायु का अंतिम संस्कार



- प्र०१ लक्ष्मण की सारगर्भित बातें सुनने के पश्चात् राम का क्रोध कुछ शांत हुआ?
- प्र०२ उसके बाद क्या उन्होंने (राम ने) सीता को ढूँढना फिर प्रारंभ किया?
- प्र०३ अरे, राम पक्षीराज जटायु को मारने के लिए बढ़े, फिर क्या हुआ?
- प्र०४ जटायु के इस प्रकार बोलने पर राम की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०५ राम के इस प्रकार पूछने पर जटायु कुछ बोल पाये?
- प्र०६ जटायु के प्राण त्यागने पर राम ने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ जटायु का दाह संस्कार करने के बाद राम - लक्ष्मण ने क्या किया?

Episode 45 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the meeting of Ram with wounded Jataayu. As Ram and Lakshman continue their search for Sita they see a huge bird lying on the ground. Ram thinks that the bird was a rakshas who had killed Sita. Ram moves to kill the huge bird. Jataayu speaks and identifies himself. Jataayu also tells the brothers about kidnapping of Sita by Raavan and his war with Raavan. Jaatayu is close to death and is breathing his last. Yet, Jataayu tells Ram about the direction in which Raavan had taken Sita. Jaatayu also tries to give hope to Ram by saying that Raavan has embraced his death by kidnapping Sita and that Ram will soon kill Raavan. Ram wants to hear more from Jataayu but the king of birds meets his end under the loving eyes of Ram. Death of Jataayu saddens Ram greatly. Ram completes all the last rites for Jataayu the same way as a son does for his father. (Ref. Chapters 67 and 68, Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/-98mrYnpJig>

Spotify - https://open.spotify.com/episode/2onXV1o6B3wnfdxz7HNNmP?si=EKsvLdMrRgC7o8UrmbIL_A

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-45-rama-ka-ghayala-jatayu-se-milana-aura-rama-dvara-jatayu-ka-antima-sanskara-1652354668>



46. सीता द्वारा रावण का प्रेम ठुकराना और इंद्र द्वारा सीता को खीर देना



- प्र०१ लंका पहुँचने पर सीता की स्थिति?
- प्र०२ रावण निवेदन से सीता प्रभावित हुई?
- प्र०३ कठोर वचनों पर रावण की प्रतिक्रिया?
- प्र०४ अशोक वाटिका में सीता की स्थिति?
- प्र०५ इस पीड़ा की स्थिति में उन्हें कोई मदद मिली?
- प्र०६ तो फिर क्या इंद्र सीता के पास गए?



वाल्मीकि रामायण के राम

Episode 46 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the situation of Sita in Lanka. Raavan tries to impress Sita by showing off his grand palace and his riches. He tells Sita about his power, his huge army and about his invincibility. He tells Sita to forget about Ram and accept him as his new husband. He tells Sita about his large number of wives all of whom will now be under her. Sita is not impressed. She refuses his proposal in no uncertain terms. She tells him that he is no comparison to Ram. She tells Raavan that Ram and Laxman will come soon to liberate her and they will kill him. Raavan is furious. He gives Sita time of twelve months. If Sita does not accept his proposal during this time his cooks will cut her up and serve her meat for breakfast. Raavan orders Sita to be taken to Ashok Vaatika. At Ashok Vaatika Indr, king of devatas, visits Sita. Indr gives Sita a special porridge which will keep her healthy for years without experiencing hunger or thirst. (Ref. Chapters 55, 56 and 57, Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/jVmToBMBwNU>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/5yENiU4woFAKaantq2qJ3Z?si=64492126b5ed4e04>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-46-sita-dvara-ravana-ka-prema-nivedana-thukarana-aura-indra-dvara-sita-ko-khira-dena-1653388837>



47. राक्षसी अयोमुखी का अंगभंग एवं विशाल राक्षस कबंध का वध



- प्र०१ वन में क्या अनुभव?
- प्र०२ अरे, तो फिर लक्ष्मण ने क्या किया?
- प्र०३ अयोमुखी के बाद दोनों भाइयों को कोई और राक्षस मिला?
- प्र०४ जब कबंध ने राम लक्ष्मण को पकड़ लिया तो दोनों भाइयों ने क्या किया?
- प्र०५ भुजाएँ कटने पर कबंध ने क्या किया?
- प्र०६ जब लक्ष्मण ने कबंध से परिचय पूछा तो उसने क्या बताया?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ राक्षस रूप से बिगड़ कर वह कबंध कैसे बन गया था?
- प्र०८ कबंध द्वारा बौद्धिक सहायता की बात पर राम की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०९ राम के अनुरोध पर कबंध ने क्या कहा?
- प्र०१० तो फिर क्या राम लक्ष्मण ने कबंध का अंतिम संस्कार किया?
- प्र०११ शरीर के जल जाने पर कबंध ने राम को क्या बताया?
- प्र०१२ कबंध ने और कुछ भी बताया?

Episode 47 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the journey of Ram and Lakshman as they move after performing last rites of Jataayu. A big raakshasee name Ayomukhee sees Lakshman and decides to make him her husband. She gets hold of him and informs Lakshman of her decision. Lakshman does not like it and gets free of Ayomukhee by using his sword to cut off her ears, nose and breasts. As they move forward, they meet a huge raakshas or demon, named Kabandh, who does not have any head or legs. Kabandh has huge arms which he uses to grab Ram and Lakshman. Kabandh wants to eat up the two brothers. Initially, Lakshman is perplexed and sees the situation as without any hope. But Ram counsels him and Lakshman regains his confidence. The two cut off Kabandh's arms. With the arms cut, Kabandh explains his background and his story. Kabandh requests Ram and Lakshman to burn his body so that he can gain his earlier divine form. After his body is cremated, Kabandh acquires the lost divine form and guides Ram about the way to get back Sita. Kabandh advises Ram to go and meet Sugreev. Kabandh also advises Ram to make friends with Sugreev. (Ref. Chapters 69, 70, 71, 72 and 73, Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/c2bTOilUHCE>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1A8ND5DtugX7TN5O5k20Ks?si=dfabc042d5c6433e>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-47-raksasi-ayomukhi-ka-angabhanga-evam-visala-raksasa-kabandha-ka-vadha-1654255927>



48. राम लक्ष्मण का शबरी से मिलन और सप्तसागर तीर्थ में स्नान



- प्र०१ शबरी कौन थी?
- प्र०२ मैंने सुना कि वह नीची जाति और मूढ़ बुद्धि थी, क्या यह सच है?
- प्र०३ जब राम और शबरी मिले तो राम ने क्या कहा?
- प्र०४ राम के प्रश्नों का शबरी ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०५ क्या खाने की सामग्री में बेर भी थे जिन्हें झूठा कर के शबरी ने राम को खिलाया?
- प्र०६ खाने के बाद राम ने शबरी से कुछ कहा या माँगा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ पम्पा सरोवर के निकट जो वन था उसे दिखाने के बाद शबरी ने क्या कहा?
- प्र०८ शबरी के अनुरोध पर राम ने क्या कहा?
- प्र०९ शबरी के दिव्यलोक में जाने के पश्चात् राम के मन में क्या भाव थे?
- प्र०१० शबरी के बारे में आज तक जो सुना है आपने उसके ठीक विपरीत बताया। शबरी का ऐसा निम्नस्तरीय चित्रण क्यों?
- प्र०११ अरण्य काण्ड टिप्पणी।

Episode 48 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with an introduction of Shabree who is often portrayed as a stupid devotee of Ram who fed him wild half-eaten fruits. According to Valmikiy Ramayan, Shabree was a learned women sage who was waiting for Ram and Lakshman on the orders of her gurus. Shabree waited for about thirteen years. Shabree's commitment to the path of dharm is indeed a glorious example of a women's righteousness. On the request of Ram, Shabree showed the brothers Matang Van, the forest where Shabree's ashram was located. Shabree also showed them Sapt Sagar Teerth where water from seven oceans had come. Ram and Laxman took bath in Sapt Sagar Teerth. Shabree stepped into fire after meeting Ram and Lakshamn and moved to the other world shedding her physical body. Ram and Lakshamn moved to the other side of Pampa Sarovar to meet Sugreev. This episode marks the end of Aranya Kand, the most terrible period of Ram's life. (Ref. Chapters 74 and 75, Aranya Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/xuX7xBIA7rE>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2IK7XEpxmi1q4DtU8B1Alp?si=399e10e0d17b461e>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-48-rama-laksmna-ka-sabari-se-milana-aura-saptasagara-tirtha-mem-snana-1654840551>



49. पम्पा तट पर विरह में राम का विलाप और लक्ष्मण का समझाना



- प्र०१ पम्पा सरोवर की ओर चले थे। वहां क्या?
- प्र०२ विरह वेदना काम का ताप - इस विषय पर छोटे भाई से बात । कुछ अजीब लगता है।
- प्र०३ सीता के विरह में राम जी को जो वेदना हो रही थी राम जी किस सीमा तक प्रभावित थे उससे?
- प्र०४ इस स्थिति में क्या राम को लक्ष्मण ने संभाला?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०५ जब राम लक्ष्मण पम्पा सर पार कर ऋष्यमूक पर्वत पहुंचे तो सुग्रीव एवं अन्य वानरों की क्या प्रतिक्रिया थी?

प्र०६ घबराहट और चिंता के प्रभाव में सुग्रीव ने क्या किया?

प्र०७ इस सभा में महाबली हनुमान भी रहे होंगे। उन्होंने क्या कहा?

प्र०८ हनुमान की बात सुनकर सुग्रीव ने क्या कहा?

Episode 49 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla marks the start of Kishkindha Kand of Valmiki Ramayan. Brothers, Ram and Lakshman, reach the lovely and beautiful banks of lake Pampa. Beauty of the lake is mesmerizing. In the magical environment of the forest and the lake, Ram is reminded of Sita. He is stuck with grief and tells his brother Lakshman of his mental state. Ram seems to have lost his will to move any further immersed in the sorrow. Lakshman uses some strong words and pulls Ram out of negativity and depression. Lakshman pushes Ram to maintain his level of enthusiasm. Lakshman calls enthusiasm as the greatest force that can win over all hurdles. As they move close to Rishymook mountain on the other side of Lake Pampa, the brothers are noticed by Sugreev and his ministers. Sugreev is scared. Sugreev thinks that the brothers have been sent there by his brother Vaalee to kill him. To discuss the situation, Sugreev calls for a meeting of his ministers and associates. In the meeting, Hanuman pleads for a rational and reasoned examination of the situation without jumping to conclusions about the two brothers. Sugreev orders Hanuman to go and meet the two brothers to find out the reality about the two brothers. (Ref. Chapters 1 and 2, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/xMQ8tWAltM>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1u8wPaAMRDPkJ0HmDpinzf?si=abaeea6fb5c04625>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-49-pampa-tata-para-viraha-mem-rama-ka-vilapa-aura-laksmna-ka-samajhana-1655973570>



50. हनुमान का भिक्षु बनकर राम के पास पहुँचना और सुग्रीव राम की मित्रता



- प्र०१ सुग्रीव के आदेश पर महाबली हनुमान राम लक्ष्मण से मिलने कैसे गए और मिलकर उन्होंने क्या कहा?
- प्र०२ हनुमान की बातें सुनकर राम कुछ बोले?
- प्र०३ राम की बात पर लक्ष्मण ने हनुमान से क्या कहा?
- प्र०४ लक्ष्मण की मित्रता की इच्छा जानकार हनुमान की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०५ अब लक्ष्मण ने राम का परिचय दिया होगा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ भावुक लक्ष्मण द्वारा कही बातों का हनुमान ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०७ हनुमान का सुग्रीव से मिलने चलने के निमंत्रण पर लक्ष्मण ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०८ सुग्रीव के पास पहुँच कर हनुमान ने राम लक्ष्मण का किस प्रकार परिचय दिया?
- प्र०९ सुग्रीव ने राम का किस प्रकार स्वागत किया?
- प्र०१० अग्नि को साक्षी मानकर मित्र बनने के बाद उनके बीच कोई बातचीत हुई?

Episode 50 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with Hanuman visiting Ram and Lakshman in the guise of a beggar with the intention of understanding who they are and what their intentions are in visiting the deep forest. Hanuman gets introduced to both of them and also introduces Sugreev. Hanuman describes the sad situation of Sugreev. Ram talks of their intentions to make friends with Sugreev. Hanuman is pleased with this. Hanuman carries Ram and Lakshman to Sugreev. Ram and Sugreev become friends and cement their relationship by lighting a fire and taking vows around the fire. (Ref. Chapters 3, 4 and 5, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/U_pr0-f-554

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/0MycqEXRxCo0uzl8CeiUbA?si=9f7f818d559e461b>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-50-hanumana-ka-bhiksu-banakara-rama-laksamana-ke-pasa-pahumcana-aura-sugriva-rama-ki-mitrata-1656485127>



51. राम सुग्रीव वार्तालाप में मित्रता एवं जीवन के सिद्धांतों का वर्णन



- प्र०१ पिछले प्रकरण में राम ने सुग्रीव को आश्वासन दिया था। उसके बाद?
- प्र०२ सीता जी ने आभूषण गिराये थे, जो वानरों को मिले थे?
- प्र०३ आभूषणों की बात सुन राम की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०४ आभूषणों पर लक्ष्मण की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०५ राम लक्ष्मण के भावुक वचन सुन सुग्रीव ने क्या कहा?
- प्र०६ सुग्रीव के समझाने पर क्या राम समझ गये?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ राम की प्रतिज्ञा सुनकर सुग्रीव तो अत्यंत प्रसन्न हो गये होंगे?

प्र०८ सुग्रीव के एक बार पुनः अनुरोध करने पर राम ने क्या पुनः आश्वासन दिया?

प्र०९ पुनः आश्वासन पाकर सुग्रीव ने क्या कहा?

Episode 51 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes first part of the conversation between Ram and Sugreev after they became friends. Sugreev shows the clothes and ornaments of Sita to Ram. Both brothers, Ram and Lakshman are moved to sorrow and anger after seeing the clothes and ornaments that were thrown by Sita when Raavan was kidnapping her. Sugreev consoles Ram and tells him that the basic principle of facing sorrow and crisis is to not let it overpower one. Sugreev also promises to help Ram bring back Sita. The conversation is full of pronunciation of some key principles that govern friendship. (Ref. Chapters 6, 7 and 8, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/CsKGituCjjg>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2WH4aToNZqEGAisv4BACVn?si=96d63f67acef430a>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-51-rama-sugriva-vartalapa-mem-mitrata-evam-jivana-ke-siddhantom-ka-varnana-1656585932>



52. सुग्रीव और वाली के बीच वैर का कारण



- प्र०१ पिछले प्रकरण में आपने बताया कि राम सुग्रीव और वाली को समझने का प्रयास कर रहे थे। इन दोनों भाइयों में वैर कैसे उत्पन्न हुआ था?
- प्र०२ दोनों भाइयों के एक साथ बाहर निकल आने पर मायावी ने क्या किया?
- प्र०३ एक वर्ष का समय तो बहुत लंबा होता है। फिर क्या हुआ?
- प्र०४ फिर क्या वाली वापिस आया?
- प्र०५ सुग्रीव के ऐसा कहने पर वाली ने क्या कहा?
- प्र०६ यह सब कहने के पश्चात वाली ने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ सुग्रीव से वाली से हुए वैर के बारे में पूरी बात सुनकर राम ने क्या कहा?

प्र०८ राम के वचन सुनकर सुग्रीव की क्या प्रतिक्रिया थी?

Episode 52 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the reason for animosity between Sugreev and Vaalee. Sugreev narrates to Ram the incident that made the brothers enemies. Vaalee was the elder of the two. After the death of their father, Vaalee was crowned as the king and Sugreev took to serving the king with devotion. One night, Mayavee, a demon came to Kishkindha and challenged Vaalee for a fight. Both, Vaalee and Sugreev, came out to fight the demon. Seeing the two brothers standing in unity, the demon got scared and ran for his life. Vaalee decided to chase him and kill him. In the forest, the demon entered a big cave. Vaalee instructed Sugreev to wait at the entrance to the cave while he went in. Sugreev dutifully waited for over an year. One day, Sugreev saw a huge stream of blood come out from the cave with big noise of fighting inside the cave. Sugreev thought that his elder brother had been killed. He returned to the capital where he was crowned as the king. In fact, instead of Vaalee being killed, Vaalee had killed the demon and also killed all his family members. Vaalee returned to find his brother Sugreev sitting on the throne. Vaalee was furious. He insulted Sugreev, threw him out of the kingdom and even took over his wife. (Ref. Chapters 9 and 10, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/OaZj5rnE47c>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/3yTFqNdkYNIb02KJMisKnz?si=IRjSFrNGT0emus72I9eQsA>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-52-sugriva-aura-vali-ke-bica-vaira-ka-karana-1657800251>



53. सुग्रीव द्वारा राम की परीक्षा



- प्र०१ राम के बल को लेकर शंखा?
- प्र०२ वाली के पराक्रम की कोई घटना?
- प्र०३ दुदुम्भि के मरने के पश्चात् क्या हुआ?
- प्र०४ क्या ऋषि मतंग ने वाली की प्रार्थना स्वीकार की?
- प्र०५ सुग्रीव के ऐसा कहने पर राम या लक्ष्मण ने क्या कहा?
- प्र०६ लक्ष्मण की बात का सुग्रीव ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०७ सुग्रीव की परीक्षा का क्या राम ने सामना किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०८ जब राम ने यह अनोखा कार्य कर के अपनी क्षमता सिद्ध कर दी तो सुग्रीव ने क्या कहा?
- प्र०९ सुग्रीव की बात सुन राम ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०१० फिर क्या सुग्रीव और वाली का युद्ध हुआ?
- प्र०११ इस प्रकार पिटकर, मार खा कर लौटने के बाद सुग्रीव ने राम से क्या कहा?
- प्र०१२ इस पर राम ने क्या उत्तर दिया?

Episode 53 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with Sugreev having concerns about Ram's capabilities to kill Vaalee. Sugreev tells Ram about Vaalee's strengths and capabilities. Sugreev also narrates an incidence that highlights Vaalee's high level of strengths. The incidence involves Vaalee killing Dudumbhi, a demon who used to have the form of a giant he-buffalo. Vaalee had defeated Dudumbhi in an open fight with his bare hands. After killing the demon, Vaalee had thrown the dead body miles away with his hands. Splash of blood from the dead body had infuriated Rishi Matang who cursed Vaalee and stopped him from entering the region around Rishi's ashram. Sugreev gives two tests to Ram to ensure that Ram is indeed capable of killing Vaalee. Ram clears both tests with flying colours. Convinced of Ram's strength and capability, Sugreev agrees to go and challenge Vaalee for a fight. (Ref. Chapters 11 and 12, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/NZ04GYs7JMo>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/3KMqCSVZBWBqxnDpyYQv7Z?si=ad712a2edfe844a1>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-53-sugriva-dvara-rama-ki-pariksa-1658478189>



54. पत्नी तारा द्वारा वाली को युद्ध से बचने की सलाह



- प्र०१ गले में फूल वाली माला डालने के पश्चात सुग्रीव एक बार पुनः वाली से युद्ध करने के लिए चले थे। किष्किंधा पहुँच कर क्या हुआ?
- प्र०२ सुग्रीव की सिंहनाद सुनकर वाली की और उसके परिवार के सदस्यों की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०३ तारा वाली को क्यों रोक रही थी?
- प्र०४ तारा क्या चाहती थी कि वाली क्या करें?
- प्र०५ तारा ने तो समझदारी की बात कही थी। उस पर वाली की क्या प्रतिक्रिया थी?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०६ फिर वाली सुग्रीव में युद्ध हुआ?

प्र०७ इस भयंकर युद्ध में राम ने कब भाग लिया?

Episode 54 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with Sugreev moving to Kishkindha to once again challenge Vaalee. Sugreev is accompanied by Ram, Laxman and his associate Veer Hanuman, Nal, Neel and Officer Tar. All of them hide behind a bunch of trees. Sugreev loudly challenges Vaalee for a fight. Vaalee gets furious and is ready for fight again. Vaalee's wife Tara makes an attempt to stop Vaalee from accepting Sugreev's challenge. She is apprehensive and suspects that Sugreev has some trick up his sleeve. She feels that Sugreev coming back to challenge once again so quickly after being beaten is not normal. She tells Vaalee that through prince Angad she had come to know that Sugreev has made friendship with Ram and Lakshman who are extremely brave and capable. Vaalee does not pay heed to his wife Tara's advice. He goes for the fight. A fierce fight takes place between Sugreev and Vaalee. At the point when Sugreev seems to be getting tired, Ram shoots an arrow that pierces Vaalee's chest making him fall to the ground. (Ref. Chapters 13, 14, 15 and 16, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/78ryPQapXuc>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/3kEsib3Q9JlZrSRQSTwoDp?si=0be64669ffc848a9>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-54-patni-tara-dvara-vali-ko-yuddha-se-bacane-ki-salaha-1659000634>



55. वाली द्वारा राम को फटकारना और राम द्वारा तर्कपूर्ण उत्तर



- प्र०१ पिछले प्रकरण में वाली को राम का मारक बाण लगा था। मृत्यु के निकट जाते हुए वाली ने राम से कुछ कहा?
- प्र०२ वाली की ऐसी तीखी और लम्बी फटकार का राम ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०३ राम की तर्कपूर्ण बात से क्या वाली संतुष्ट हो गया?
- प्र०४ क्या वाली ने राम से कुछ माँगा?
- प्र०५ वाली के अनुरोध का राम ने क्या उत्तर दिया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०६ राम द्वारा अनुरोध स्वीकार करने पर वाली ने क्या कहा?

Episode 55 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the dialogue between Ram and Vaalee. After falling down on the ground, hit by Ram's arrow, Vaalee confronts Ram, abuses him and scolds him for committing an act against dharm. Vaalee is respectful towards Ram but is extremely harsh in his criticism of Ram who listens patiently. When his turn comes, Ram answers Vaalee in an extremely logical and systematic manner. Ram first questions Vaalee's competence to raise issues of dharm. Ram then explains his own competence and jurisdiction for punishing wrongdoers. Ram explains the crime that Vaalee had committed – having sexual relations with younger brother's wife even when the brother is alive. Ram also explains that the crime is unpardonable and must be punished with death. A person who commits this crime is like an animal and must be killed like an animal is hunted down. There can be no notice of war to a hunted animal. When hunting the means and technique used to kill is immaterial. Hence, Ram killed Vaalee without any notice, while hiding behind a tree. Vaalee is convinced of his own crime and seeks apologies from Ram for his harsh words expressed earlier. Vaalee also seeks Ram's blessings for his wife Tara, their son Angad and his younger brother Sugreev. Ram assures Vaalee of taking care of Tara, Angad and Sugreev. (Ref. Chapters 17 and 18, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/TxWo1qgwvNg>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1aCxgCKXmhEY4tbRbYVr3A?si=78433efbafb24c1d>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-55-vali-dvara-rama-ko-phatakarana-aura-rama-dvara-tarkapurna-uttara-1659605567>



56. तारा एवं सुग्रीव का वाली के लिए शोक और प्राण त्यागने की इच्छा



- प्र०१ वाली मृत्यु की ओर जा रहा था, वहाँ क्या उसकी पत्नी तारा भी आई थी?
- प्र०२ तारा द्वारा प्राण त्यागने के निर्णय के बाद किसी ने उन्हें समझाया?
- प्र०३ इस बातचीत के दौरान वाली जिन्दा था। उसने कुछ कहा?
- प्र०४ वाली ने अपने पुत्र अंगद को भी कुछ उपदेश दिया?
- प्र०५ वाली के प्राण त्यागने के पश्चात तो सब और अधिक दुःखी हो गये होंगे। सुग्रीव की क्या प्रतिक्रिया थी?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०६ तारा ने भी रामजी से कुछ कहा?

प्र०७ तारा, सुग्रीव और अंगद से राम ने क्या कहा?

प्र०८ राम के समझाने पर क्या सुग्रीव और तारा समझ गये?

Episode 56 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the emotions of Tara, Vaalee's wife when she comes to know of her husband being hit by Ram's arrow. Tara sees her life without Vaalee as meaningless and wants to do a fast unto death. Other wives of Vaalee and Prince Angad, son of Vaalee and Tara are also crying as Vaalee breathes his last. Seeing the tears all around, Sugreev is shaken. Sugreev's happiness of victory disappears and instead deep sadness overcomes him. Vaalee calls Sugreev and expresses remorse for the fact that animosity had developed between them. Vaalee hands over to Sugreev the kingdom of Kishkindha, all his wealth and fame. Vaalee even hands over to Sugreev the divine necklace made of gold that he had received from Indr. All this makes Sugreev even more remorseful and guilty. Sugreev goes to Ram and expresses his pain. Sugreev is unable to live with the fact that he got his own brother killed. Sugreev prays to Ram to kill him. Ram handles the difficult situation very well convincing Tara as well as Sugreev to stop crying and carry out the last rites of Vaalee. (Ref. Chapters 19-25, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/jwOV5rba-c0>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1IWD7kQWS3VZZCr61ZFYs?si=a3a13c64203848e1>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-56-tara-evam-sugriva-ka-vali-ke-lie-soka-aura-prana-tyagane-ki-iccha-1660289173>



57. सुग्रीव का मौज मस्ती में डूबना, राम का धैर्य और लक्ष्मण की सलाह



- प्र०१ वाली के अंतिम संस्कार के पश्चात क्या हुआ?
- प्र०२ सुग्रीव को राज्य प्राप्त हुआ, साथ में पत्नी रूमा भी मिल गयी होगी?
- प्र०३ वर्षा ऋतु में राम - लक्ष्मण ने कहाँ रहने का निर्णय किया?
- प्र०४ वर्षा ऋतु में वन की सुंदरता में राम को फिर से सीता की याद आई होगी?
- प्र०५ जब वर्षा रुक गयी तो क्या सुग्रीव सीता की खोज में लग गये?
- प्र०६ सुग्रीव के इस प्रकार के व्यवहार के बारे में उनके किसी मंत्री ने उन्हें समझाया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ वीर हनुमान के समझाने पर सुग्रीव ने क्या किया?

Episode 57 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the situation in Kishkindha after Vaalee's cremation. Sugreev is crowned as the king. He gets back his wife, Ruma and also gets to marry Tara as well as other widows of Vaalee. Ram decides to spend four months of rainy season in a nearby cave deferring the search for Sita to post-rains. Earlier Sugreev was forced to live a life of celibacy and now he had many wives. Sugreev immersed himself in fun and frolic with his many wives and forgot all his responsibilities, duties and commitments. Rains ended but Sugreev did nothing in connection with the promised search of Sita. Hanuman tried to advise Sugreev to take up his commitment to Ram seriously. Sugreev agreed with Hanuman's advice and issued orders for the army to gather together. Having issued the order, Sugreev went back to his wives and continued enjoying life. (Ref. Chapters 26, 27, 28 and 29, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/xk3xclQeR8M>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1uD0jlrVqukOFVxklwHZRy?si=873e0b1beaf546bd>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/episode-57valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-57-sugriva-ka-mauja-masti-mem-dubana-rama-ka-dhairya-aura-laksmna-ki-salaha-1660820372>



58. राम की सुग्रीव पर नाराज़गी, लक्ष्मण का कोप



- प्र०१ पिछली बार सुग्रीव भोग-विलास में डूब गया था, इस पर राम की क्या प्रतिक्रिया?
- प्र०२ राम के ऐसा कहने पर लक्ष्मण ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०३ लक्ष्मण के सुग्रीव का वध करने के निर्णय पर राम ने कुछ कहा?
- प्र०४ जब लक्ष्मण किष्किंधा पहुँचे तो क्या हुआ?
- प्र०५ सुग्रीव सो रहे थे तो मंत्रियों एवं युवराज अंगद ने कुछ किया?
- प्र०६ जागने पर और मंत्रियों द्वारा समझाने पर सुग्रीव ने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ ऐसा लगता है कि सुग्रीव अभी भी गंभीर नहीं हुए थे। ऐसे में किसी मंत्री ने उन्हें समझाया?
- प्र०८ जब यह सब वार्ता चल रही थी तो लक्ष्मण क्या द्वार पर ही खड़े थे?
- प्र०९ धनुष की टंकार सुन सुग्रीव ने क्या किया?
- प्र०१० तारा ने लक्ष्मण को क्या कहा?
- प्र०११ लक्ष्मण ने तारा को क्या उत्तर दिया?
- प्र०१२ तारा ने लक्ष्मण को क्या प्रत्युत्तर दिया?
- प्र०१३ सुग्रीव के सम्मुख पहुँच कर लक्ष्मण ने क्या कहा?
- प्र०१४ लक्ष्मण के क्रोधपूर्ण वचनों का सुग्रीव ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०१५ क्या सुग्रीव की बात से लक्ष्मण संतुष्ट हो गये?

Episode 58 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with Ram expressing his anger to Lakshman about Sugreev not doing anything for searching Sita. Ram knows that Sugreev is busy having fun with his wives and has forgotten about the promise to search for Sita. Ram sends Lakshman to Sugreev to convince Sugreev to fulfil his promise. Ram also tells Lakshman to convey to Sugreev that the path on which Vaalee has gone is not closed and if Sugreev does not act on his promise, Ram will not hesitate to send Sugreev on the same path. Lakshman goes to Kishkindha to meet Sugreev. When Lakshman reaches there, Sugreev is asleep in a state of intoxication with his wife Tara and also other wives. Yuvraj Angad and ministers wake up Sugreev and brief him about the angry Lakshman on the door. Sugreev is afraid of facing anger of Lakshman. He asks his wife Tara to talk to Lakshman and cool the tempers. Tara does a fabulous job. Sugreev also apologises to Lakshman for his lapse. (Ref. Chapters 30-36, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/Bmy31qdTo6E>



वाल्मीकि रामायण के राम

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4wkwZF3SY9LI2qr77XDKhr?si=8055fd46c249444f>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-58-rama-ki-sugriva-para-narazagi-lakshmana-ka-kopa-1661426687>



59. वानर सेनाएँ एकत्र, सीता की खोज के लिए कार्य विभाजन



- प्र०१ पिछली बार सुग्रीव ने लक्ष्मण को आश्वासन दिया, उसके पश्चात् क्या किया?
- प्र०२ सुग्रीव का आदेश पाकर क्या समस्त वानर किष्किन्धा में एकत्र हो गये?
- प्र०३ जब सेनाएँ एकत्र हो गयीं तो सुग्रीव राम से मिलने गये होंगे? सुग्रीव और राम में क्या वार्तालाप हुआ?
- प्र०४ वानरों की जो सेनाएँ एकत्र हुई थी, वो किस प्रकार की थी, उनके यूथपति या सेनापति कौन थे?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०५ इन वानर सेनाओं का परिचय राम को देने के बाद सुग्रीव ने राम से कुछ निर्देश माँगे होंगे?
- प्र०६ फिर सुग्रीव ने सीता की खोज के लिए कैसी योजना बनाई और क्या निर्देश दिये?
- प्र०७ आपने पूर्व, पश्चिम एवं उत्तर दिशा के बारे में बताया। दक्षिण दिशा में किन्हें भेजा गया था?
- प्र०८ जब यह दल प्रस्थान कर रहा था तो सुग्रीव और राम ने इसे कुछ विशेष निर्देश दिये?

Episode 59 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with Sugreev getting serious about helping Ram find Seeta. Sugreev orders Hanuman to send representatives to various regions with orders to all armies to gather in Kishkindha without any delay. Soon, armies of vaanars start gathering from all over. Sugreev goes to meet Ram with the armies. Sugreev places the armies at the disposal of Ram. However, Ram tells Sugreev that at the moment the work is of searching for Seeta which has to be done entirely by Sugreev and his teams. After Seeta is located, further actions will be planned jointly. Sugreev deutes teams to different directions for searching Seeta. However, the most elite team is sent to the south under the leadership of Prince Angad. The team sent to south also had Hanuman, Neel and Jambwan. Sugreev especially conveyed to Hanuman that he was relying on Hanuman to be able to accomplish the mission. Ram also felt that Hanuman will be the one to find Seeta and hence gave his ring to Hanuman to give to Seeta as and when Seeta is located. (Ref. Chapters 37-45, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/pX69ZV4C_LM

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2EHEC4Warvj8XK3rakG6zK?si=288f42d86f2a43f6>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-59-vanara-senaem-ekatra-sita-ki-khoja-ke-lie-karya-vibhajana-1662024405>



60. सीता की खोज में हनुमान एवं अंगद के दल के सम्मुख कठिनाइयाँ



- प्र०१ वानर विभिन्न दिशाओं में। क्या वे लौट आए?
- प्र०२ दक्षिण दिशा वाला दल नहीं लौटा?
- प्र०३ जब ये सब निराश खिन्नचित्त होकर बैठ गये थे उनके नेता अंगद ने कुछ कहा?
- प्र०४ क्या युवराज अंगद के समझाने पर वे सब फिर से सीता की खोज में जुट गये?
- प्र०५ भूख-प्यास से परेशान इस दल को पानी और भोजन का कोई स्रोत मिला?
- प्र०६ गुफा के अंदर प्रवेश करने पर वानरों को क्या मिला?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ वह स्त्री कौन थी?
- प्र०८ वीर हनुमान के ऐसा पूछने पर उस तपस्विनी ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०९ भोजन और जल ग्रहण करने के पश्चात फिर वीर हनुमान ने उस तपस्विनी से क्या कहा?
- प्र०१० तपस्विनी स्वयंप्रभा ने हनुमान के प्रश्न का क्या उत्तर दिया?
- प्र०११ ये दल उस गुफा से बाहर कैसे निकला?
- प्र०१२ बाहर निकलने के पश्चात् क्या यह दल पुनः सीता की खोज में जुट गया?

Episode 60 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes some of the difficulties faced by the team led by Prince Angad. The three teams that had gone to north, east and west had returned as per the targeted time of one month without finding Seeta. The team that went to south faced a number of problems. They encountered thick forests, caves and even a daanav. They came across a dead forest where there were no birds or animals since the forest had nothing to eat and no water to drink. The team continued their search even though they were extremely hungry and thirsty. During their search they came across a cave which was hidden and seemed very dark. They decided to enter the dark cave in the hope of finding food and water. After walking through total darkness for miles, they came across beautiful divine scenery with golden trees, clear water and lots of gold and precious stones. A woman named Swayamprabha was guarding the place. She offered food and water to the team of Vanars. Later she helped them get out of the cave. After coming out, Angad realized that the specified time period of one month was already over. Angad decided to end his life by fasting to death. However, Taar convinced Angad that instead of embracing death they should go back inside the cave and spend rest of their lives in the cave. (Ref. Chapters 46-53, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/-KhXviDBurg>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2ds0SfF3n1qsXOfiPCWrh4?si=58fbaadbda4f46b7>



वाल्मीकि रामायण के राम

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-60-sita-ki-khoja-mem-hanumana-evam-angada-ke-dala-ke-sammukha-kathinaiyam-1662805553>



61. जटायु के बड़े भाई सम्पाति द्वारा सीता की खोज में मदद



- प्र०१ अंगद एवं वानरों द्वारा गुफा में रहने का निर्णय लेने के पश्चात् क्या हुआ?
- प्र०२ वीर हनुमान ने जब अंगद को इस प्रकार समझाया तो अंगद ने क्या कहा?
- प्र०३ अंगद के इस निर्णय पर बाकी वानरों की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०४ जब वे वानर आमरण अनशन करने लगे तो क्या हुआ?
- प्र०५ तो क्या वानरों ने गिद्ध सम्पति को नीचे उतरा?
- प्र०६ अंगद की बात सुनने के बाद सम्पति ने क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ सम्पाति ने बहुत उपयोगी जानकारी दी। इसके अतिरिक्त उन्होंने कुछ अपने बारे में बताया?

प्र०८ यह ऋषि निशाकर की कथा बड़ी रोचक है। क्या सम्पाति के पंख फिर आए?

Episode 61 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with Hanuman getting concerned about Angad's decision to settle in Swayamprabha's cave and not return to Kishkindha. Hanuman first convinces other members of the team to not go with Angad. Hanuman then speaks to Angad trying to tell him about the dangers of his scheme. Angad is not convinced with Hanuman's arguments. Angad directs all team members to return while he fasts to death. All team members decide to join Angad in the fast to death. Gidhraaj Sampati, elder brother of Jataayu sees the fasting team and is looking forward to get food as the team members die with hunger. But, Sampati overhears the team members talk about Jataayu. Sampati begs the team of vaanars to tell him about his younger brother. Sampati hears about Ram and Lakshman as well as about the kidnapping of Seeta. Sampati tells his own story and guides the team about Seeta being in the palace of Raavan in Lanka located at one hundred yojan across the sea. (Ref. Chapters 54-63, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/8yvJq3u-jvM>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/379bZv99se5Z2Jqi9swnvZ?si=d7ccdd5c24e94bca>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-61-jatayu-ke-bare-bhai-sampati-dvara-sita-ki-khoja-mem-madada-1663236849>



62. हनुमान जन्म कथा और हनुमान का सागर लांघने के लिए तैयार होना



- प्र०१ सम्पाति द्वारा सीता का पता बता देने के पश्चात् अंगद के नेतृत्व वाले दल ने क्या किया?
- प्र०२ सागर की विशालता को देख निराश हो रहे वानरों को अंगद ने क्या कहा?
- प्र०३ अंगद के इस प्रकार पूछने पर वानरवीरों ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०४ इस प्रकार सब वानरों द्वारा अपनी क्षमता का वर्णन के पश्चात् युवराज अंगद ने भी अपनी क्षमता बताई होगी?
- प्र०५ अंगद की क्षमता पर किसी वीर ने कोई प्रतिक्रिया दी?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ जांबवान की बात पर अंगद ने क्या कहा?
- प्र०७ फिर जांबवान ने वीर हनुमान से क्या कहा?
- प्र०८ हनुमान ने जन्म की कथा सुनाने के बाद जांबवान ने हनुमान के बचपन से जुड़ी और कोई कथा सुनाई?
- प्र०९ जांबवान की बातें सुनकर वीर हनुमान ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०१० हनुमान के इस प्रकार उद्घोषणा करने से सब वानर प्रसन्न हो गए होंगे?

Episode 62 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with the team of vaanars led by Angad feeling happy after Sampati tells them about location of Sita in Lanka across the ocean. As they look at the ocean, the problem of crossing the ocean seems unsurmountable. The team is depressed. Angad tries to get the enthusiasm back. Angad asks each team member to say his capacity in terms of jumping across large distance. It is clear that the distance of one hundred yojan is too much for them. Jambwaan, the senior-most member of the team decides to motivate Hanuman. Jambwaan tells Hanuman the story of Hanuman's birth and also the story of how as a child Hanuman had tried to catch the sun. Jambwaan also tells Hanuman of the various boons that Hanuman is blessed with. On hearing Jambwaan, Hanuman is filled with enthusiasm and starts preparing to cross the ocean. This marks the end of Kishkindha Kand. (Ref. Chapters 64-67, Kishkindha Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/1tuhX7_qliM

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1TlwDq6Y6MITli9nIGEX1j?si=c0bb5237c0374fac>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-62-hanumana-janma-katha-aura-hanumana-ka-sagara-langhane-ke-lie-taiyara-hona-1663746479>



63. वीर हनुमान का समुद्र लाँघ कर लंका में प्रवेश



- प्र०१ जांबवान ने हनुमान को प्रेरित किया फिर क्या हुआ?
- प्र०२ वीर हनुमान के महान कार्य का सभी अभिनन्दन कर रहे थे, तो क्या समुद्र देव ने भी उनकी सहायता की?
- प्र०३ मैनाक पर्वत ने शिखर पर क्या हनुमान ने विश्राम किया?
- प्र०४ मैंने सुना है कि सुरसा नामक राक्षसी ने उनका मार्ग रोकने का प्रयास किया। यह क्या कथा है?
- प्र०५ नागमाता सुरसा का आशीर्वाद प्राप्त जब हनुमान आगे बढ़े तो कोई और राक्षसी मिली?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०६ लंका पहुँचने के बाद हनुमान ने क्या किया?

प्र०७ जब वे लघु रूप धारण कर के लंका नगरी में प्रवेश कर रहे थे तो उन्हें किसी ने देखा?

Episode 63 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the journey of Veer Hanuman to Lanka. As Hanuman begins his jump across the ocean, devtas, rishis and such other divine persons praise his big effort. The sea also sees the grand effort being made by Hanuman and wishes to help him by offering a place to rest and relax. The sea orders mountain Mainak to rise up and provide a resting place to Hanuman. Mainak rises up but Hanuman sees the mountain as an obstacle and breaks its peak. Mainak gets into human form and prays to Hanuman to be a guest and take a break. Hanuman thanks Mainak for the hospitality but refuses to stop. As Hanuman proceeds further, devatas wish to test Hanuman. The devatas convince Naagmata Sursa to stand in the way of Hanuman. Sursa takes the form of a raakshsee and tries to stop Hanuman. But Hanuman is too smart for her. She blesses Hanuman. As Hanuman moves further, he meets a raakshsee named Sinhika who grabs Hanuman's shadow and tries to kill him. Hanuman kills her and moves ahead. After reaching Lanka, Hanuman reduces his size to avoid getting noticed. But, the devi who guards Lanka sees him and tries to stop him unsuccessfully. Eventually, she permits him to enter Lanka. (Ref. Chapters 1-3, Sundar Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/ggdvKT8jd-Q>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2T55Jsv7AOI7Y29m3SyxBT?si=4c961bedd5494aac>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-63-vira-hanumana-ka-samudra-lamgha-kara-lanka-mem-pravesa-1664520052>



64. सीता की खोज करते हुए रावण के शयनकक्ष में हनुमान



- प्र०१ वीर हनुमान ने लंका पुरी में प्रवेश के बाद क्या देखा?
- प्र०२ वीर हनुमान ने फिर राजमहल में प्रवेश किया होगा? वहाँ उन्होंने क्या देखा?
- प्र०३ राजमहल में घूमते हुए वे राजपरिवारों के घरों में भी गये होंगे?
- प्र०४ सब ओर से निराश होकर वीर हनुमान ने रावण के व्यक्तिगत महल में प्रवेश किया होगा? वहाँ क्या देखा?
- प्र०५ घूमते-घूमते जब वीर हनुमान रावण के अंतःपुर में पहुँचे तो वहाँ उन्होंने क्या देखा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ रावण को इतनी बड़ी संख्या में पत्नियाँ कैसे प्राप्त हुई थी?
- प्र०७ रावण के अंतःपुर में वीर हनुमान ने क्या रावण को भी देखा?
- प्र०८ रावण के अंतःपुर में वीर हनुमान ने रावण की महारानी मन्दोदरी को भी देखा होगा?
- प्र०९ अंतःपुर से निकल वीर हनुमान कहाँ गये?
- प्र०१० वीर हनुमान ने हजारों स्त्रियाँ देखीं। स्त्रियों को देखने के पश्चात उनके मन में क्या विचार आ रहा था?
- प्र०११ रावण के महल में सीता को न पाकर वीर हनुमान ने क्या किया?
- प्र०१२ इन सब स्थानों पर भी सीता को न पाकर तो वीर हनुमान निराश हो गये होंगे?

Episode 64 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the difficult situation faced by Hanuman while searching for Seeta in the city of Lanka. Notably, Hanuman had no clue about the exact location of Seeta. Moreover, he had only seen Seeta once earlier and that too from a distance when Raavan was kidnapping Seeta. Lanka was a huge city with population exceeding a few lakhs with thousands of houses. Hanuman was on a secret mission. So, he could not talk to anyone and inquire about Seeta. Hanuman managed to secretly enter the cantonment area and reach the palace complex. He visited every house and looked at the private areas in his search for Seeta. Hanuman also visited the personal palace of Raavan. Hanuman saw thousands of wives of Raavan sleeping in a huge hall with Raavan at the centre. Despite all his massive efforts, Hanuman could not locate Seeta and was getting frustrated and dejected. After having searched through every nook and corner of Lanka, Hanuman reached Ashok Vatika. (Ref. Chapters 4-13, Sundar Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/UnKzUrwoqCY>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4ne7xasNUJUv0Go9Rq43dm?si=250650d24e0842df>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-64-sita-ki-khoja-karate-hue-ravana-ke-sayanakaksa-mem-hanumana-1665135308>



65. अशोक वाटिका में वीर हनुमान द्वारा सीता की खोज



- प्र०१ अशोक वाटिका में वीर हनुमान ने क्या देखा?
- प्र०२ प्राकृतिक सुंदरता के अतिरिक्त वहाँ कोई भवन इत्यादि भी थे?
- प्र०३ यह स्त्री दिखने में कैसी? क्या यह सीता थी?
- प्र०४ सीता जी पर पहरा देने वाली राक्षसियाँ दिखने में कैसी थीं?
- प्र०५ वीर हनुमान कब तक छुप कर सीता और राक्षसियों को देखते रहे?
- प्र०६ रावण को आता देख कर वीर हनुमान ने क्या किया और सीता ने क्या किया?
- प्र०७ रावण ने सीता से क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०८ रावण के निवेदन पर सीता ने क्या कहा?

प्र०९ सीता के कठोर वचनों पर रावण ने क्या उत्तर दिया?

प्र०१० रावण की बात पर सीता ने कुछ कहा?

प्र०११ सीता की निडरता और निर्भीकता से रावण आग बबूला हो गया होगा?

Episode 65 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events after Hanuman enters Ashok Vaatika, which was a huge place with large number of trees. The vaatika had a mountain, a river, many ponds and even some palaces. The vaatika had a huge meditation hall with a thousand pillars. Hanuman discovered a young woman near the meditation hall. The woman was being guarded by a number of ferocious women warriors and was clearly very sad. She seemed to be weeping. She was wearing a yellow saree which had apparently not been washed for months. Hanuman thought that this beautiful woman must be Seeta. But Hanuman wanted to be sure before proceeding further. So, he sat on a tree and waited for over twenty-four hours patiently. At the end of Hanuman's second night in Lanka, he saw Raavan come to the sad woman. Raavan addressed the woman as Seeta and pleaded with her to accept him as her husband. A long conversation took place between Raavan and Seeta which ended with Raavan telling Seeta that she had two months to decide. Raavan told Seeta that at the end of two months either she would become his wife or his cooks would cut her into pieces and cook the meat. (Ref. Chapters 14-22, Sundar Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/77Ns7IHuQUY>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4givU0TeQCv4qJTbcmT8Ds?si=d7cd9a820d344df3>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-65-asoka-vatika-mem-vira-hanumana-dvara-sita-ki-khoja-1665656616>



66. राक्षसियों द्वारा सीता को डराना धमकाना और त्रिजटा का स्वप्न



- प्र०१ रावण के जाने के पश्चात् राक्षसियों ने क्या किया?
- प्र०२ राक्षसियों की बातें सुनकर सीता ने क्या कहा?
- प्र०३ सीता का उत्तर सुनकर तो राक्षसियाँ क्रोधित हो गई होंगी? उन्होंने फिर क्या किया?
- प्र०४ राक्षसियों द्वारा इस प्रकार सीता को धमकाने डराने से सीता बहुत डर गयी होंगी?
- प्र०५ सीता के इस आँसू भरे विलाप से क्या राक्षसियाँ पसीज गयी?
- प्र०६ त्रिजटा का स्वप्न क्या था? उसमें राम-लक्ष्मण-सीता के बारे में क्या था?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ स्वप्न में रावण और उसके भाइयों के बारे में त्रिजटा ने क्या देखा?
- प्र०८ क्या स्वप्न में त्रिजटा ने हनुमान के बारे में भी कुछ देखा?
- प्र०९ स्वप्न का वर्णन करने के बाद त्रिजटा ने राक्षसियों को क्या सलाह दी?
- प्र०१० तो क्या राक्षसियों ने सीता से क्षमा याचना की?
- प्र०११ राक्षसियों के चले जाने के बाद क्या सीता शांत हो गयी?
- प्र०१२ इस सब के बीच वीर हनुमान क्या कर रहे थे?

Episode 66 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the torturous situation faced by Seeta after she refused Raavan's proposal of marriage. The raakshsis guarding Seeta were each more ferocious and scarier than the other. They started shouting at Seeta trying to get her to accept Raavan's proposal. They threatened to kill her and cook her meat. They started preparing for a party with Seeta's meat, even going to the extent of ordering liquor to go with the meat. Seeta refused to be bowed down and was prepared to sacrifice her life, but was not prepared to abandon Ram and become Raavan's wife. An old raakshsi, named Trijataa, who was sleeping got up and came there. Trijataa told them about a dream she had which showed victory of Ram and horrible defeat of Raavan. Trijataa advised the raakshsis to seek apology from Seeta for their bad behaviour. (Ref. Chapters 23-30, Sundar Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/WpbEbTS-2dE>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/6VJl6jyOm3GfERPE0sA9G?si=734a31dda66e489b>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-66-raksasiyom-dvara-sita-ko-darana-dhamakana-aura-trijata-ka-svapna-1666334348>



67. हनुमान का सीता से मिलना और सीता द्वारा राम का कुशल समाचार पूछना



- प्र०१ हनुमान ने सीता के सम्मुख जाने का क्या तरीका सोचा?
- प्र०२ हनुमान के इस प्रकार गाते हुए राम कथा सुनाने पर सीता की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०३ सीता के सम्मुख जा कर हनुमान ने कुछ कहा?
- प्र०४ वीर हनुमान के प्रश्न का सीता ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०५ सीता द्वारा अपना विस्तृत परिचय देने के बाद हनुमान ने भी अपना परिचय दिया होगा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ हनुमान द्वारा परिचय देने के पश्चात सीता ने क्या कहा?
- प्र०७ सीता द्वारा इस प्रकार शंका व्यक्त करने पर वीर हनुमान ने क्या कहा?
- प्र०८ वीर हनुमान द्वारा आश्चस्त करने पर क्या सीता संतुष्ट हो गयी?
- प्र०९ सीता के इस प्रश्न का वीर हनुमान ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०१० वीर हनुमान द्वारा इतने विस्तार से वर्णन करने पर तो सीता को विश्वास हो गया होगा? वैसे वीर हनुमान राम की मुद्रिका भी तो ले कर गये थे?
- प्र०११ इसके पश्चात् सीता ने राम के कुशलक्षेम के बारे में कुछ प्रश्न पूछे?
- प्र०१२ इन प्रश्नों का वीर हनुमान ने क्या उत्तर दिया?

Episode 67 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the meeting of Hanuman with Seeta. Hanuman is aware that Seeta may get scared of him. So, Hanuman begins with singing the story of Ram. Seeta is pleased to hear about Ram but is scared on seeing Hanuman. Nevertheless, Hanuman goes in front of her and after paying due respect asks her introduction. Seeta introduces herself. She starts getting doubts that this vaanar may well be Raavan trying to fool her once again. She tells Hanuman about her doubts and asks him to describe Ram. Hanuman tells Seeta in detail about Ram and tries to convince her that he is indeed the representative sent by Ram to inquire about her. Seeta is still not fully convinced. She asks him to tell her in detail about the personality as well as physical features of Ram. Hanuman describes in great detail various qualities of Ram and also describes various parts of Ram's body. Now Seeta is convinced. Hanuman now hands over the ring that Ram had given for Seeta. This leaves no doubts in Seeta's mind. Now she enquires about Ram's well-being. Hanuman answers her and tells her how Ram is missing her and is always sad. (Ref. Chapters 31-36, Sundar Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/-N509U0I4qY>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4UiiGkMlwEbPMcCF7NIY3W?si=7445922eb1754a6a>



वाल्मीकि रामायण के राम

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-67-hanumana-ka-sita-se-milana-aura-sita-dvara-rama-ka-kusala-samacara-puchana-1666937115>



68. सीता द्वारा हनुमान के प्रस्ताव को नकारना और राम के लिए एक सन्देश



- प्र०१ हनुमान से राम की स्थिति सुनकर सीता की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०२ सीता जब रोने लगी तो वीर हनुमान ने क्या कहा?
- प्र०३ हनुमान के इस प्रस्ताव पर सीता ने क्या कहा?
- प्र०४ सीता की इस बात का वीर हनुमान ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०५ वीर हनुमान के विशाल स्वरूप को देख सीता ने क्या कहा?
- प्र०६ सीता की तर्कपूर्ण और बुद्धिमत्तापूर्ण बात पर वीर हनुमान ने क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ इसके बाद सीता ने राम के लिया वीर हनुमान को कोई संदेश दिया?

प्र०८ इस प्रसंग को सुनाने के बाद सीता ने राम के लिए कुछ निशान या वस्तु दी?

प्र०९ प्रस्थान करने के पूर्व वीर हनुमान ने सीता को क्या कहा?

Episode 68 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla continues with the conversation between Seeta and Hanuman. Seeta is sad on learning that Ram is so sad and is missing her. Hanuman offers to carry Seeta on his back across the ocean. Hanuman assures her that she would see Ram by the end of the day. Seeta takes it as a joke. But Hanuman assures her that he is serious and he has the capacity to carry the whole of Lanka on his back. Seeta appreciates the offer but refuses the offer giving detailed reasons. Hanuman agrees with her. Hanuman now requests Seeta for some message for Ram. Seeta tells Hanuman an incident that had happened when Ram and Seeta were in Chitrakoot. The incident was known only to Ram and Seeta. Seeta tells Hanuman to narrate the incident to Ram to assure Ram that Hanuman had indeed met Seeta. She also hands over to Hanuman for giving to Ram a piece of jewellery which was part of family jewels. Hanuman bids farewell to Seeta assuring her that Ram and Laxman will come soon to liberate her. (Ref. Chapters 37-40, Sundar Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/ullewqcBWwY>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/5kyY6t0mZ1SI56weGFw6Ow?si=8aa0851022744787>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-68-sita-dvara-hanumana-ke-prastava-ko-nakarana-aura-rama-ke-lie-eka-sandesa-1667462986>



69. हनुमान द्वारा रावण की शक्ति का आकलन करने के लिए युद्ध का प्रारम्भ



- प्र०१ सीता जी से विदा लेकर वीर हनुमान ने क्या किया, क्या सोचा?
- प्र०२ युद्ध का विचार करने के पश्चात वीर हनुमान ने क्या किया?
- प्र०३ अशोक वाटिका में तो सीता जी भी बैठी थीं। इस विध्वंस का उन पर क्या प्रभाव पड़ा?
- प्र०४ इस विध्वंस की सूचना रावण तक पहुँची होगी। रावण ने क्या किया?
- प्र०५ 80,000 किंकर राक्षसों की विशाल सेना ने जब वीर हनुमान पर आक्रमण किया तो क्या हुआ?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०६ विशाल सेना के मारे जाने पर रावण ने क्या किया?

प्र०७ प्रहस्त के पुत्र के आने के पूर्व वीर हनुमान ने कुछ और पराक्रम भी किया?

प्र०८ प्रहस्त पुत्र जम्बुमाली के साथ वीर हनुमान के युद्ध में क्या हुआ?

Episode 69 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the actions of Hanuman after bidding farewell to Seeta. Hanuman thought of what else he could do to serve his employer better. He thought that in due course it will be necessary to fight a war with Raavan and his army. So, it would be good if he could assess the strengths of Raavan and his key officers. With this thought in mind, Hanuman decided to do some nuisance that would lead to war with Raavan. Hanuman destroyed a large portion of the garden where Seeta was put up. News of the destruction reached Raavan. Immediately, Raavan ordered an army of eighty thousand soldiers to attack Hanuman and capture him. Hanuman singlehandedly defeated the army and massacred most of them. Infuriated Raavan now ordered Jambumaalee, son of Prahast, to fight Hanuman. In the battle between Hanuman and Jambumaalee, Hanuman defeated Jambumaalee, killed him and most of the soldiers who had accompanied him. (Ref. Chapters 41-44, Sundar Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/KzSrGHfYP-A>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2yNY4TpPfl5VFPB3nFUJi2?si=84432fdb80bd4c29>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-69-hanumana-dvara-ravana-ki-sakti-ka-akalana-karane-ke-lie-yuddha-ka-prarambha-1668076646>



70. हनुमान द्वारा रावण के सेनापतियों एवं पुत्रों से युद्ध और आत्मसमर्पण



- प्र०१ किंकर राक्षसों की सेना और जम्बुमाली के मारे जाने पर रावण ने किसको भेजा?
- प्र०२ सात मंत्री पुत्रों के मारे जाने पर रावण बहुत क्रोधित हो गया होगा? फिर उसने किसे युद्ध के लिए भेजा?
- प्र०३ सेनापतियों के मारे जाने पर रावण ने क्या?
- प्र०४ पुत्र अक्ष कुमार के मारे जाने पर तो रावण डर गया होगा? फिर उसने क्या किया?
- प्र०५ रावण पुत्र मेघनाद हनुमान से युद्ध करने किस प्रकार गया? वीर हनुमान से मेघनाद का युद्ध कैसे हुआ?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०६ मेघनाद ने जब ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया तो वीर हनुमान पर उसका क्या प्रभाव पड़ा?

प्र०७ जब वीर हनुमान रावण के सम्मुख प्रस्तुत हुए तो क्या हुआ?

प्र०८ अमात्य प्रहस्त द्वारा परिचय पूछे जाने पर वीर हनुमान ने क्या उत्तर दिया?

Episode 70 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the ongoing war between Hanuman and Raavan's warriors. A large army had already been killed by Hanuman. Jambumaalee had also been killed. Now, Raavan decided to send seven sons of his ministers. It took no time for Hanuman to kill all the seven minister-sons. This disturbed and infuriated Raavan now decided to send five of his army chiefs – Virupaaksh, Yupaaksh, Durdhar, Praghas and Bhaaskarn. The five surrounded Hanuman and started attacking him. Hanuman countered them and killed them all. Raavan sent his son Aksh to face Hanuman. The battle with Aksh was fierce but ended with Hanuman killing Aksh. With his own son killed, Raavan did not want to take any chances. He explained the seriousness of the situation to his son Meghnaad and asked him to use all his abilities to fight with Hanuman and capture Hanuman alive. Meghnaad soon realized that he could not kill Hanuman. Meghnaad decided to use brahmaastr to capture Hanuman. Hit by brahmaastr, Hanuman fell to the ground. Hanuman was blessed by Brahma that brahmaastr would bind him only for a few moments. So, Hanuman could have got up and be free. But Hanuman decided to allow himself to be bound. Hanuman's intention was to get an opportunity to face Raavan. And sure enough, Hanuman got the opportunity. Hanuman was presented before Raavan. (Ref. Chapters 45-50, Sundar Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/keNJ4plrj4k>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/46CnsvZekNtM9e8WHP5WLT?si=9abcf43fe7a4d71>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-70-vira-hanumana-dvara-ravana-ke-senapatiyom-evam-putrom-se-yuddha-aura-atmasamarpana-1668753238>



71. वीर हनुमान द्वारा लंका दहन



- प्र०१ रावण के दरबार में वीर हनुमान ने रावण को क्या कहा?
- प्र०२ वीर हनुमान जी के इस समझदारी भरे वक्तव्य पर रावण की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०३ रावण के इस आदेश पर उसके सभासदों में से किसी ने कुछ कहा?
- प्र०४ विभीषण की आपत्ति पर रावण ने क्या कहा?
- प्र०५ रावण के निर्णय पर विभीषण ने कुछ कहा?
- प्र०६ विभीषण की तर्कपूर्ण बात पर रावण ने क्या कहा?
- प्र०७ रावण के आदेश पर क्या वीर हनुमान की पूँछ में आग लगा दी गयी?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०८ वीर हनुमान की पूँछ में आग लगाने की बात क्या सीता को भी पता चली?

प्र०९ क्या सीता की प्रार्थना से अग्नि वीर हनुमान के लिए शीतल हो गयी?

प्र०१० नगरद्वार के रक्षकों को मारने के बाद वीर हनुमान ने क्या किया?

Episode 71 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events that took place after Hanuman faced Raavan in Lanka. Hanuman addressed Raavan as an ambassador from King Sugreev and explained in detail that it is in Raavan's best interests to return Seeta to Ram. Hanuman also explained that there is no way that Raavan can escape death by doing a crime against Ram. Raavan was furious and ordered Hanuman to be killed. Vibheeshan, brother of Raavan, argued against Raavan's order pleading that an ambassador can never be killed. After much arguments, Vibheeshan managed to convince Raavan that some other punishment could be awarded to Hanuman instead of death sentence. Raavan now ordered that Hanuman's tail should be covered with clothes and burnt. Raavan also ordered for Hanuman to be paraded along the streets of Lanka with his burning tail. Hanuman could have easily broken the ropes that were binding him and escaped. But Hanuman decided to go through the ordeal to get to see the fort of Lanka. After seeing the fort, Hanuman set himself free and jumped on the houses of Lanka. In no time houses and palaces of Lanka were burning. With whole of Lanka engulfed by fire, Hanuman went to the ocean and extinguished the fire on his tail. (Ref. Chapters 51-54, Sundar Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/REcyglvDFVU>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/6GqTMfTT2ErUlo0QzO0aMf?si=9d8e66812b0d48ae>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-71-vira-hanumana-dvara-lanka-dahana-1669273087>



72. हनुमान के महत्वाकांक्षी प्रस्ताव का जांबवान द्वारा विरोध



- प्र०१ लंका दहन के बाद हनुमान ने क्या किया?
- प्र०२ चिंता में डूबे वीर हनुमान की चिंता का निवारण कैसे हुआ?
- प्र०३ तो क्या हनुमान पुनः सीता से मिलने गये?
- प्र०४ वीर हनुमान को देख सीता ने क्या कहा?
- प्र०५ सीता की चिंताओ का हनुमान ने क्या उत्तर?
- प्र०६ सीता जी से मिलने के पश्चात् वीर हनुमान ने लौटने का विचार किया होगा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ प्रतीक्षा कर रहे युवराज अंगद और अन्य साथी तो वीर हनुमान की गर्जना सुनकर अत्यंत प्रसन्न हो गये होंगे?
- प्र०८ वीर हनुमान से यह शुभ समाचार सुनने के बाद सब वानरों ने क्या किया?
- प्र०९ विवरण सुनाने के बाद वीर हनुमान ने कुछ और भी कहा?
- प्र०१० वीर हनुमान के प्रस्ताव पर युवराज अंगद ने क्या प्रतिक्रिया दी?
- प्र०११ तो क्या यह प्रस्ताव स्वीकार हो गया?

Episode 72 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events that followed Veer Hanuman's burning down of Lanka. As Hanuman sat near the ocean looking at the flames that were causing death and havoc in Lanka, it suddenly struck Hanuman that the fire could have damaged even Seeta. The thought scared him enormously. He went and met Seeta. He was delighted to see safe and unhurt. He talked to Seeta and departed from Lanka. After reaching Mahendra Parvat, he was welcomed by Yuvraj Angad and other vaanar warriors who were glad to hear from Hanuman about his meeting Seeta. Filled with enthusiasm, Hanuman proposed that they attack Lanka and liberate Seeta. Angad supported Hanuman's proposal. But the wise Jambwan disagreed saying that they did not have orders for liberating Seeta. (Ref. Chapters 55-60, Sundar Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/fCWUeu3X59kI>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/754DA4dzaevvh0OK4QldZJ?si=730eab077aea4bb9>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-72-hanumana-ke-mahattvakanksi-prastava-ka-jambavana-dvara-virodha-1669889052>



73. वानर दल द्वारा मधुवन में मौज मस्ती और सुग्रीव द्वारा क्षमा



- प्र०१ अंगद, हनुमान इत्यादि वानर जब वापस किष्किंधा की ओर जा रहे थे तो उनके मनोभाव कैसे थे, उन्हें मार्ग में क्या मिला?
- प्र०२ मधुवन के फल इत्यादि देख कर क्या वानरों का मन ललचा गया?
- प्र०३ जब वानर दधिमुख और वनरक्षकों को मार रहे थे तो वीर हनुमान ने क्या कहा?
- प्र०४ इस प्रकार जब वानर वनरक्षकों को पीटने और वन में मतवाले होने लगे तो वनरक्षक और दधिमुख ने क्या किया?
- प्र०५ मूर्छा से होश में आने पर दधिमुख ने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ सुग्रीव के पास पहुँच कर दधिमुख ने क्या कहा?
- प्र०७ लक्ष्मण के प्रश्न का सुग्रीव ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०८ लक्ष्मण को इस प्रकार कहने के पश्चात सुग्रीव ने दधिमुख को क्या कहा?
- प्र०९ दधिमुख और वनरक्षक जब वापिस मधुवन आए तो उन्होंने क्या किया?
- प्र०१० दधिमुख की बात सुन युवराज अंगद ने क्या कहा?

Episode 73 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes a very interesting event during the return journey of the team led by Yuvraj Angad. Just as they were approaching Kishkindha, they came across a beautiful garden named Madhuvan full of sweet ripe fruits and honey. The garden was under royal protection and no one was allowed to enter the garden. This team led by Angad decided to eat the fruits and drink the honey of Madhuvan. Dadhimukh, who was in-charge of security of the garden tried to stop them but they resisted all his efforts. They bashed up all the guards of the garden including Dadhimukh and had a great party enjoying the fruits and honey. Dadhimukh rushed to Sugreev to complain about their behaviour. When Sugreev learnt about the destruction of Madhuvan by Angad, Hanuman and team, he was sure that they had achieved their objective of searching for Seeta. Sugreev asked Dadhimukh to pardon them since they were coming back after achieving a great task. (Ref. Chapters 61-64, Sundar Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/hhmjZAHmOds>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/7Fjvopk9xgLARnpwRlyVG4?si=199fd7f721864378>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-73-vanara-dala-dvara-madhuvana-mem-mauja-masti-aura-sugriva-dvara-ksama-1670829508>



74. सीता के बारे में राम को सूचना और सेनासहित राम का युद्ध हेतु प्रस्थान



- प्र०१ युवराज अंगद के नेतृत्व में वानर दल सुग्रीव, राम, लक्ष्मण से मिला तो क्या हुआ?
- प्र०२ हनुमान की बात सुन प्रभु राम ने क्या कहा?
- प्र०३ वीर हनुमान के पास सीता की दी चूड़ामणि भी थी। वह भी उन्होंने दी होगी? उस पर राम की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०४ इस प्रकार पूछने पर हनुमान ने और क्या बताया?
- प्र०५ वृत्तान्त और विवरण समाप्त होने के बाद राम ने वीर हनुमान की प्रशंसा की या कोई पुरस्कार दिया?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ अब आगे बहुत बड़ा कार्य लंका पहुँचने का था। उस पर राम के क्या विचार थे?
- प्र०७ सुग्रीव द्वारा समझाने पर राम ने क्या कहा?
- प्र०८ वीर हनुमान द्वारा कूच की आज्ञा माँगने पर राम ने क्या आज्ञा प्रदान की?
- प्र०९ विशाल सेना ने कूच करने के पश्चात कहाँ पड़ाव डाला?

Episode 74 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events that took place after Prince Angad, Veer Hanuman and their team reached Kishkindha. Hanuman informed Ram about well-being of Seeta. Hanuman described in detail all the events that happened during his trip to Lanka. Hanuman also handed over to Ram the piece of jewellery that Seeta had given to him. Ram praised Hanuman and embraced him. The big question that worried Ram was about army crossing the ocean to reach Lanka. Sugreev asked Ram to not worry about it. Ram asked Hanuman to brief about strategic details of Lanka as well as Raavan's army. After informing in detail about the enemy's army and fort, Hanuman sought orders from Ram for the army to proceed. Ram gave detailed instructions for the army to move. Under his instructions and taking all precautions, the huge army reached the ocean and camped there. (Ref. Chapters 64-68, Sundar Kand, Chapters 1-4, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/Oln3PKotPYM>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1dHIFwCuEMV65MSX4gJMwP?si=adb180fb68714a3d>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-74-sita-ke-bare-mem-rama-ko-sucana-aura-senasahita-rama-ka-yuddha-hetu-prasthana-1671521481>



75. विभीषण द्वारा रावण को सीता को लौटाने की सलाह



- प्र०१ सागर तट पर पहुँचने के बाद वानर सेना ने क्या किया? राम की मनः स्थिति कैसी थी?
- प्र०२ उधर लंका में रावण क्या कर रहा था?
- प्र०३ रावण के इस प्रकार पूछने पर उसके सभासदों ने क्या कहा?
- प्र०४ जब सब सभासदों, सेनापतियों, मंत्रियों द्वारा इस प्रकार बड़ चढ़ के बोला जा रहा था तो किसी ने इनसे हट कर भी मत व्यक्त किया?
- प्र०५ विभीषण की इस सलाह पर रावण ने क्या प्रतिक्रिया दी?
- प्र०६ इस पर विभीषण ने क्या समझाने के लिए कोई और प्रयास किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ विभीषण की इन बातों का रावण ने क्या उत्तर दिया?

Episode 75 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with describing the state of mind of Ram as he is thinking about Seeta camping with the army near the ocean. The discussion moves to Raavan's royal court. Raavan is shaken up after the devastation caused by Hanuman in Lanka. Raavan is also aware that Ram has moved with a vast army. Raavan knows that Ram has reached the ocean and may soon cross the ocean and reach Lanka. He asks his courtiers for advice explaining the value of good advice and also that one must take decisions based on advice of learned persons and well-wishers. Immediately after Raavan asked for advice, the courtiers went into an overdrive praising Raavan and also talking of his past achievements. The round of praise was followed by grand claims by various warriors about how each one of them could go and finish off the army singlehandedly. In the midst of this chest-thumping, Vibheeshan (younger brother of Raavan) argued coolly that nothing would be achieved by going into war with Ram. Vibheeshan argued that Ram had done nothing wrong and abduction of Seeta was without any justification. Vibheeshan advised Raavan to return Seeta to Ram before the war breaks out. Raavan does not reply to Vibheeshan. Next morning, Vibheeshan goes to Raavan's residence and tell him about all the bad omens that have been happening since Seeta has been brought to Lanka. Again Raavan offers no response. (Ref. Chapters 5-10, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/yfOwjRuJHyo>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2H5f50fivSPGBirkYJ0HYu?si=ac13dc532bca46e4>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-75-vibhisana-dvara-ravana-ko-sita-ko-lautane-ki-salaha-1671695509>



76. रावण को मिला सीता का बलात्कार करने का सुझाव



- प्र०१ विभीषण को विदा करने के पश्चात रावण ने क्या किया?
- प्र०२ सभा में सबके एकत्र होने के पश्चात रावण ने क्या किया?
- प्र०३ सेनापति द्वारा सेना को निर्देशित करने के पश्चात रावण ने सभा को कुछ कहा होगा?
- प्र०४ रावण के इस प्रकार कहने पर सभा में उपस्थित लोगों में से किसी ने कुछ कहा?
- प्र०५ कुम्भकर्ण के वक्तव्य के बाद रावण की क्या प्रतिक्रिया थी और उसके बाद किसी और ने कुछ कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०६ दुर्बुद्धि महापार्श्व के इस गंदे सुझाव पर रावण ने क्या कहा?

Episode 76 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla relates to the deliberations in Lanka related to the war. After Vibheeshan departs from Raavan's residence, having told Raavan about all the bad omens, Raavan thinks over the matter. Raavan is obsessed with Seeta. He decides to not heed Vibheeshan's sane advice and makes up his mind for war. He goes to the royal court and calls for all the members of the court. As soon as the court is assembled, he orders for the army to be put on state of alert and orders for high level security to be deployed for the security of the city. He, then, briefs the royal court about his kidnapping of Seeta and the imminent war with Ram. Kumbhkarn, Raavan's brother, expresses his anger about Raavan's kidnapping of Seeta. Kumbhkarn scolds Raavan for doing this stupid act and tells him that Ram is surely going to kill him for it. Having said all the harsh words, Kumbhkarn assures Raavan that Kumbhkarn will kill Ram and Lakshman. Mahaparshv, a great warrior, now suggests to Raavan to rape Seeta and enjoy the pleasures. Raavan likes the suggestion, but tells about a curse that if he dares to rape any woman his head will split into a thousand pieces. Raavan says that he is afraid of the curse and hence is not raping Seeta. (Ref. Chapters 11-13, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/aNeN7WE9Pk8>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/23pAXesdazxo3kR3SLiPCG?si=71d00c57846c4521>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-76-ravana-ko-mila-sita-ka-balat-kara-karane-ka-sujhava-1672299727>



77. रावण की सभा में विभीषण का अपमान



- प्र०१ रावण की सभा में बलात्कार के बारे में चर्चा के पश्चात् किसी ने कुछ कहा?
- प्र०२ विभीषण ने जो कहा उसका रावण के किसी सभासद ने कोई उत्तर दिया?
- प्र०३ प्रहस्त के दम्भपूर्ण, अहंकार से भरे वक्तव्य का विभीषण ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०४ विभीषण की इस सलाह पर रावण की सभा में से किसी ने कोई प्रतिक्रिया दी?
- प्र०५ इंद्रजीत के इस प्रकार अपमान से भरे शब्दों पर विभीषण ने क्या कहा?
- प्र०६ इंद्रजीत और विभीषण के बीच हुई इस गरमागरमी पर रावण ने कुछ कहा?
- प्र०७ रावण के इस कठोर वचनों पर विभीषण ने क्या किया, क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

Episode 77 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the last attempt by Vibheeshan to convince Raavan to return Seeta to Ram and avoid war. Vibheeshan tells Raavan that Seeta is like a snake on his neck and he must get rid of Seeta as quickly as possible. Vibheeshan tells Raavan that the warriors of Lanka are no match for Ram and all of them will be killed by Ram. Army chief Prahast counters Vibheeshan by saying that they are not afraid of anyone and they can defeat any enemy. Vibheeshan describes the qualities of Ram and tells the warriors in the royal court of Raavan that they can say such words as long as they have not been hit by the arrows of Ram. Vibheeshan tells the members of the royal court to stop their king from going on a wrong path. Meghnaad (also called Indrajeet), son of Raavan, insults his uncle Vibheeshan calling him a coward who can do nothing but act scared. Meghnaad boasts of his past victories and tells that he is not afraid of two ordinary human beings. Vibheeshan scolds his nephew, Meghnaad, as one who does not know the difference between right and wrong. At this point Raavan addresses Vibheeshan accusing him of jealousy and of ill will towards Raavan. Raavan abuses Vibheeshan in the strongest possible words and says that if anyone other than Vibheeshan had dared to say such things, the person would have been killed. After hearing Raavan, Vibheeshan decides to walk out of Raavan's court. Vibheeshan wishes Raavan all the best and leaves the court. (Ref. Chapters 14-16, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/gOBaNHlbgOs>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2TyaxtVylqUmmVS5wcOsR?si=53cd9e5bfad14982>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-77-ravana-ki-sabha-mem-vibhisana-ka-apamana-1672905119>



78. विभीषण को शरण देने के सम्बन्ध में विचार विमर्श



- प्र०१ रावण के दरबार से निकलकर विभीषण कहाँ गये?
- प्र०२ विभीषण को देखकर वानर दल की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०३ वानरदल के सम्मुख विभीषण ने कुछ कहा?
- प्र०४ विभीषण की इस बात पर सुग्रीव ने राम को विभीषण के आने की सूचना दी होगी?
- प्र०५ सुग्रीव के इस आवेशपूर्ण वक्तव्य पर राम ने क्या किया?
- प्र०६ राम द्वारा विषय को चर्चा के लिए प्रस्तुत किए जाने पर वहाँ उपस्थित वानरों ने क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ अंगद के अतिरिक्त किसी अन्य अनुभवी यूथपति ने कुछ कहा?
- प्र०८ वहाँ वीर हनुमान भी रहे होंगे। उन्होंने क्या?
- प्र०९ हनुमान के विस्तृत और तर्कपूर्ण मत को सुन राम ने क्या कहा?
- प्र०१० राम के विचार से तो सुग्रीव सहमत नहीं हुए होंगे? उन्होंने क्या कहा?
- प्र०११ सुग्रीव के तर्क का राम ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०१२ राम के समझाने पर क्या सुग्रीव मान गये?
- प्र०१३ सुग्रीव के इस स्पष्ट मत पर राम ने क्या?
- प्र०१४ राम के स्पष्ट निश्चय को सुन क्या सुग्रीव अब सहमत हो गये?

Episode 78 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the detailed deliberations that took place among Ram, Sugreev, Hanuman and their key ministers when Vibheeshan reached their camp and asked for shelter. At first the vaanars wanted to kill Vibheeshan considering him to be Raavan's kin who was a threat to them. Vibheeshan introduced himself and asked for a meeting with Ram. He sought Ram's protection in all humbleness. Sugreev informed Ram about the arrival of Raavan's brother, Vibheeshan. Sugreev was absolutely clear that Vibheeshan should either be put behind bars or should be killed. Other ministers of Sugreev wanted Vibheeshan to be examined carefully and a decision taken based on his qualities. Hanuman differed from everyone else. Hanuman was inclined to trust Vibheeshan and give him refuge and protection. Ram pleaded for protecting and befriending Vibheeshan on the basis of dharm. Ram's arguments based on dharm convinced Sugreev. (Ref. Chapters 17-18, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/VP5tCR0d8E8>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2fYGn2yB7P44YlxuSnwehI?si=29eca6e8bb07409a>



वाल्मीकि रामायण के राम

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-78-vibhisana-ko-sarana-dene-ke-sambandha-mem-vicara-vimarsa-1673511310>



79. विभीषण का राज्याभिषेक और रावण के गुप्तचर दूत को अभयदान



- प्र०१ विभीषण को बुलाया होगा? क्या कहा?
- प्र०२ इस प्रकार कहने पर राम ने क्या कहा?
- प्र०३ राम के प्रश्न के जवाब में विभीषण ने राक्षसों का वर्णन किया होगा?
- प्र०४ विभीषण द्वारा दिए वर्णन को सुनने के पश्चात राम ने क्या कहा?
- प्र०५ राम के संकल्प सुन विभीषण ने क्या कहा?
- प्र०६ विभीषण के कथन पर राम ने क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ राज्याभिषेक तो हो गया, पर समुद्र पार करने की समस्या तो अभी बनी हुई थी।
उस पर कुछ विचार हुआ?
- प्र०८ विभीषण के सुझाव पर राम की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०९ इस बीच यह जो इतनी बड़ी वानर सेना समुद्र तट पर पड़ाव डाली थी, रावण के
किसी गुप्तचर ने उसे इस बारे में बताया?
- प्र०१० शार्दूल की बात पर रावण की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०११ जब शार्दूल शुक तोता बनकर वानर सेना में पहुँचा तो वहाँ क्या हुआ?
- प्र०१२ राम के अभयदान के पश्चात शुक ने क्या किया?
- प्र०१३ शुक के प्रश्न का सुग्रीव ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०१४ सुग्रीव का उत्तर पाकर क्या शुक शांतिपूर्वक लौट गया?

Episode 79 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events that took place in the camp of Vaanar Sena after Ram, Sugreev and their ministers decided to accept Vibheeshan as part of their team. Vibheeshan was given a warm welcome. Vibheeshan, on his part, declared that he had left behind Lanka and was now completely under Ram. Looking at Vibheeshan affectionately, Ram asked him about details of various key persons of Raavan's army. Vibheeshan answered the question giving all details openly and frankly. Impressed with Vibheeshan's openness, Ram declared that he would kill Raavan and make Vibheeshan the king of Lanka. The surprise declaration made Vibheeshan bow his head and affirm that he would use all his strengths and capabilities to enable Ram to defeat Raavan. The affirmation pleased Ram immensely. Ram embraced Vibheeshan and directed Lakshman to get water from the ocean and coronate Vibheeshan as the king of Lanka. Lakshman complied with the order and Vibheeshan was crowned. After the coronation, Sugreev and Hanuman asked Vibheeshan about the way of crossing the ocean. Vibheeshan suggested that Ram should ask for help from the ocean devta.

Shardul, a detective of Raavan, saw the camp of Vaanar army and reported to Raavan. Raavan ordered Shardul to go to Sugreev and convey a message asking Sugreev to desert Ram. Shardul flew as a parrot, reached the camp and told Sugreev as directed by Raavan. The vaanar soldiers caught Shardul,



वाल्मीकि रामायण के राम

gave him a good beating and put him behind bars. Shardul cried for help to Ram pleading that he was a diplomat and hence enjoyed diplomatic immunity. Ram directed the soldiers to leave him and spare his life. Before leaving, Shardul asked Sugreev for his reply. As Sugreev was communicating his reply, Shardul was surveying the army. Prince Angad noticed it and cried that Shardul was a detective and should be arrested. On the orders of Sugreev, Shardul was caught and imprisoned. Shardul once again appealed to Ram for sparing his life. Ram heard his cries and asked the soldiers to free him. (Ref. Chapters 19-20, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/TKsogqowU0k>

Spotify - https://open.spotify.com/episode/64xsg41QWE66GcsBSJaCd1?si=IWB8QiX-RrGuW7gF_3jN7w

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-79-vibhisana-ka-raiyabhiseka-aura-ravana-ke-guptacara-duta-ko-abhayadana-1692267975>



80. राम द्वारा सागर सुखाने का संकल्प और समुद्र पर सेतु का निर्माण



- प्र०१ राम कुश पर बैठ कर समुद्र की उपासना कर रहे थे। उसका क्या परिणाम निकला?
- प्र०२ क्या राम ने समुद्र पर बाण छोड़े?
- प्र०३ इस प्रकार जब राम समुद्र को पीड़ा दे रहे थे तो लक्ष्मण ने क्या किया?
- प्र०४ क्या राम ने लक्ष्मण की बात मानी?
- प्र०५ जब राम ने ब्रह्मास्त्र के प्रयोग की तैयारी कर ली तो क्या हुआ?
- प्र०६ नदीपति समुद्र ने प्रकट होकर राम से क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ समुद्र के इस अनुरोध पर राम ने क्या कहा?
- प्र०८ ब्रह्मास्त्र का प्रयोग होने के पश्चात क्या समुद्र ने पुल बनाने का तरीका बताया?
- प्र०९ इस योग्यता के बारे में नल ने कभी किसी को बताया नहीं था? नल ने सागर की बात सुनकर क्या कहा?
- प्र०१० फिर उसके बाद क्या नल ने सेतु का निर्माण किया?
- प्र०११ मैंने तो सुना है कि राम लिखे पत्थर तैरने लगते थे और उनसे पुल बन गया?
- प्र०१२ सेतु बनने के बाद वानर सेना ने उस पर से सागर पार किया होगा?

Episode 80 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events that took place when Ram decided to appeal to the ocean to grant passage. For three days and three nights, Ram prayed to the ocean to give way. But there was no response from the ocean. Ram decided to use brute force and dry up the ocean. When Ram was about to release the most powerful Brahmastr, the ocean appeared and suggested that Ram consider building a bridge. The ocean also told him that there was a vaanar named Nal who was the son of Vishwakarma. Nal accepted that he had the expertise to build a bridge across the ocean. With the support of the army which consisted of millions of vaanars, Nal constructed the huge bridge in five days. When the bridge was completed, the army crossed over it and established a camp in Lanka. (Ref. Chapters 21-22, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/DPOjXmLQTx4>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/0UU2sRSMwj80RcNJ5s0VpO?si=ea956138603e45af>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-80-rama-dvara-sagara-sukhane-ka-sankalpa-aura-samudra-para-setu-ka-nirmana-1674562261>



81. गुप्तचरों और मंत्रियों द्वारा रावण को वानर सेना के बारे में सूचना



- प्र०१ समुद्र पार करने के पश्चात् राम और सुग्रीव ने क्या किया?
- प्र०२ मुक्त होने के पश्चात् तो शुक सीधा रावण के पास पहुँचा होगा?
- प्र०३ शुक की सलाह पर रावण की क्या प्रतिक्रिया थी? फिर उसने क्या किया?
- प्र०४ क्या शुक और सारण वानर सेना में गये? वहाँ क्या हुआ?
- प्र०५ राम का सन्देश लेकर जब शुक और सारण रावण के पास पहुँचे तो क्या हुआ?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ शुक और सारण के विस्तृत विवरण और अच्छी सलाह के बाद रावण ने क्या कहा?
- प्र०७ शुक और सारण को निष्कासित करने के पश्चात् रावण ने क्या किया?
- प्र०८ यह जो गुप्तचरों का नया दल गया, उसका क्या हथ्र हुआ?
- प्र०९ राम से अभयदान पाकर शार्दूल और अन्य गुप्तचर रावण के पास पहुँचे तो क्या हुआ?

Episode 81 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the reports that Raavan received about strengths of Ram, Lakshman, Sugreev and the accompanying vaanar sena. The first report came from Shuk, a detective whom he had sent to convey a message to Sugreev. Dissatisfied with the report of Shuk, Raavan decided to dispatch two of his ministers. When the ministers returned they were all praise for the generals and warriors of vaanar sena. This infuriated Raavan enormously. Raavan expelled the two ministers from his court. Next, Raavan sent a group of detectives who were professionally trained as detectives. After returning they also praised the enemy's strength, enthusiasm and preparedness. Raavan was shaken up but was not willing to buy peace by returning Seeta to Ram. (Ref. Chapters 23-30, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/yErrXfaBJuU>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/30eSKDB03TriMlvW4oFN18?si=a778e48e1963434d>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-81-guptacarom-aura-mantriyom-dvara-ravana-ko-vanara-sena-ke-bare-mem-sucana-1675251523>



82. राम का कटा सिर दिखाकर सीता को छलने का प्रयास



- प्र०१ रावण को बार-बार सूचनाएँ मिल रही थी। उसके बाद रावण ने क्या किया?
- प्र०२ रावण ने जो यह माया से राम का कटा हुआ सर, धनुष बनवाए उसका उसने क्या किया?
- प्र०३ राम की मृत्यु की बात सुनकर तो सीता का बुरा हाल हो गया होगा?
- प्र०४ सीता इस तरह विलाप कर रही थी तो रावण ने क्या कहा?
- प्र०५ रावण युद्ध की तैयारी में व्यस्त हो गया। अशोक वाटिका में सीता की क्या स्थिति थी?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ सरमा ने अपनी बात के समर्थन में कुछ तथ्य भी सीता के सम्मुख प्रस्तुत किये?
- प्र०७ सरमा की बातों से तो सीता प्रसन्न हो गयी होंगी? क्या सरमा ने कुछ और भी कहा?
- प्र०८ सरमा के इस प्रकार पूछने पर सीता ने सरमा को क्या निर्देश दिया?
- प्र०९ तो फिर क्या सरमा रावण के भवन में गयी? वहाँ से लौटने के पश्चात सरमा ने क्या जानकारी दी?

Episode 82 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes a dirty trick played by Raavan to deceive Seeta and get her to agree to be his wife. Raavan had repeatedly received information from his detectives and ministers that it was impossible to defeat Ram. With defeat staring at him, Raavan decided to play dirty. He asked Viddujjivha, an expert at deception, to create a severed head and a grand bow. Viddujjivha created the deception as ordered. Raavan went to Seeta and told her that Ram had been killed while sleeping. Raavan described in great detail the attack by his army on sleeping vaanar sena killing most of the vaanar warriors and forcing others to flee. Raavan informed Seeta that Hanuman and Sugreev had been killed, while Lakshman had chosen to flee. Raavan then ordered for the head of Ram to be brought for Seeta to be able to have a last look at her deceased husband. Seeta was down with grief after listening to this. She started crying. She requested Raavan to place her body on her husband's body and kill her too. With the preparations for war going on in full swing, Raavan was called by his ministers for an urgent meeting. As Raavan moved away, the deception that was Ram's head and bow also disappeared. Sarma, a raakshasee who was on duty to guard Seeta, came to Seeta and told her that Raavan was a big liar and all that he had told was a lie. Sarma assured Seeta that Ram and Lakshman were alive and that she had seen the brothers herself. This calmed Seeta. (Ref. Chapters 31-34, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/RDvJqmjCiTQ>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/3pxGX51csy2fdxUuTnMSpv?si=2ffaa63e24f04c25>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-82-rama-ka-kata-sira-dikhakara-sita-ko-chalane-ka-prayasa-1675937501>



83. नाना द्वारा रावण को समझाना और सेनाओं की तैनाती



- प्र०१ रावण की सभा में रावण की माता और वृद्ध मंत्री ने रावण को समझाने का प्रयास किया था। वहाँ किसी और ने भी समझाने का प्रयास किया?
- प्र०२ रावण के नाना ने धर्म की विजय की बात करने के बाद रावण के प्रति स्नेह रखते हुए कुछ और भी कहा?
- प्र०३ माल्यवान की बुद्धिमत्तापूर्ण बातों पर रावण की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०४ रावण के इस प्रकार कहने पर माल्यवान ने क्या किया? और इस प्रकार घोषणा करने के पश्चात रावण ने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०५ रावण ने इस प्रकार सेना की तैनाती की। राम ने भी सेना तैनात करने के संबंध में कुछ विचार किया होगा?

प्र०६ विभीषण की जानकारी के संबंध में राम ने क्या कहा?

प्र०७ इस तैनाती के आदेश देने के पश्चात राम ने कुछ और भी निर्देश दिये?

प्र०८ निर्देश देने के पश्चात राम ने क्या किया?

Episode 83 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with Raavan's maternal grandfather advising Raavan to accept the powers of Ram and to desist from war with Ram. Raavan is advised to return Seeta to Ram and to compromise with Ram. Instead of heeding the advice, Raavan is infuriated. Raavan accuses his grandfather Maalyvaan of being in hand with the enemy and of wanting to harm him. After Maalyvaan goes away insulted, Raavan plans in detail the warriors who will be posted at different gates of Lanka and issues orders to the warriors and their armies. Ram is also engaged in consultation with his chieftains. Vibheeshan's ministers have visited Lanka and have collected detailed information about Raavan's armies. They have also collected information about the postings in different directions by Raavan. Based on the intelligence inputs, Ram orders various vaanar warriors and their armies to attack from different directions. After completing the job of posting armies, Ram decides to spend one night along with his army at the nearby mountain overlooking Lanka to understand the geography and terrain. (Ref. Chapters 35-39, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/Nw3zNu7eJgE>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/57NeQbrExCLQF2G9D8ERQM?si=8e47e0e18a94443d>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-83-nana-dvara-ravana-ko-samajhana-aura-senaom-ki-tainati-1676636671>



84. सुग्रीव रावण मल्ल्युद्ध और राम के दूत बने अंगद



- प्र०१ सुवेल पर्वत से जब राम सुग्रीव आदि लंका को देख रहे थे तो क्या कोई विशेष घटना हुई?
- प्र०२ इस अप्रत्याशित और भयंकर मल्ल्युद्ध का अंत कैसे हुआ?
- प्र०३ सुग्रीव जब लौटे तो राम ने उनसे क्या कहा?
- प्र०४ इसके बाद तो वानर सेना ने लंकापुरी की ओर प्रस्थान किया होगा?
- प्र०५ जब वानर सेना ने लंकापुरी को चारों ओर से घेर लिया तो राम ने क्या आदेश दिया?
- प्र०६ क्या युवराज अंगद राम का सन्देश लेकर रावण के पास गए? वहां क्या हुआ?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ राम का सन्देश सुनकर रावण की क्या प्रतिक्रिया थी?

प्र०८ रावण के आदेशानुसार क्या अंगद पकड़े गए?

Episode 84 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with the morning after Ram, Sugreev and the army had spent the night on Suvel Mountain observing Lanka. As the sun rose, they saw Raavan on a terrace duly decorated with ornaments and his crown. Seeing Raavan, Sugreev got infuriated and in a fit of anger jumped to the terrace where Raavan was. Sugreev challenged Raavan and a fierce battle started. Both, Raavan and Sugreev, were soon covered with sweat and blood. At a point, Raavan realized that he could not defeat Sugreev and he must resort to deceit to defeat the king of Vaanars. Sugreev realized that Raavan has decided to play dirty. Sugreev jumped from there and landed back near Ram. Sugreev had been victorious. But Ram was not too pleased with his brave act. Ram ordered the Vaanar Sena to take their positions as planned. When the army was all set to begin assault, it was decided to send a final message to Raavan to either face war or surrender. Prince Angad was chosen to deliver this message. Prince Angad dutifully jumped over the walls of Lanka and reached the place where Raavan was sitting with his ministers. Angad delivered his message. Raavan was furious. He ordered for Angad to be caught and killed. But, Angad jumped away from there. Before jumping back to Vaanar Sena, Angad destroyed the roof of Raavan's palace. (Ref. Chapters 40-41, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/_gXMm5lY61Q

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/7q6EE2H6k0UmyT5Wm4g1LU?si=9b145cf407ef47fe>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-84-sugriva-ravana-mallyuddha-aura-rama-ke-duta-bane-angada-1677564726>



85. युद्ध प्रारम्भ, राक्षसों का वध, राम लक्ष्मण का नागपाश से बंधना



- प्र०१ अंगद के लौट जाने के पश्चात रावण ने क्या किया?
- प्र०२ फिर युद्ध का आरंभ कैसे हुआ?
- प्र०३ युद्ध में सबसे महत्वपूर्ण लड़ाई कौन सी हुई?
- प्र०४ अंगद और इंद्रजीत का यह युद्ध तो बहुत विशेष है। राम का किसके साथ युद्ध हुआ?
- प्र०५ लक्ष्मण का किसके साथ युद्ध हुआ?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ हनुमान का किसके साथ युद्ध हुआ?
- प्र०७ सुग्रीव ने युद्ध में क्या पराक्रम दिखाया?
- प्र०८ सुग्रीव के श्वसुर सुषेण भी युद्ध कर रहे थे। उन्होंने क्या बहादुरी दिखायी?
- प्र०९ नल और नील नमक दो वानर योद्धाओं ने किसका सामना किया?
- प्र०१० यह भयंकर युद्ध सूर्यास्त पर रुक गया या उसके बाद भी चलता रहा?
- प्र०११ आपने अंगद और इंद्रजीत के युद्ध की चर्चा की थी? क्या यह युद्ध भी रात्रि में चलता रहा?

Episode 85 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla marks the start of a most terrible and bloody war. Vaanar sena had surrounded Lanka and was breaking its walls and doors. Raavan ordered his army to step out and start killing the vaanars. Soon there was bloodshed all around. Rivers of blood were flowing with dead bodies and heads floating in the ghastly river. Four raakshas warriors (Agniket, Rashmiket, Suptagn and Yagykop) surrounded Ram and attacked him. Ram killed all four of them. Lakshman killed Virupaaksh. Hanuman killed Jambumaalee. Raakshas Praghas was creating havoc in the vaanar army. So, Sugreev killed Praghas. Sugreev's father-in-law, Sushen killed Vidyunmaalee. Nal killed Pratapn and Neel killed Nikumbh. The war did not stop even after sunset. Six raakshas warriors surrounded Ram and showered him with arrows. Ram shot six arrows hurting all six of them. They ran away and escaped being killed. The most important battle was between Prince Angad and Prince Meghnaad (Indrajit). Angad destroyed Indrajit's chariot and killed the horses. Indrajit escaped and disappeared by becoming invisible. While remaining invisible, Indrajit attacked Ram and Lakshman with most deadly arrows which hurt the brothers enormously. Then he used a special weapon which caused the two to be bound by highly venomous snakes. (Ref. Chapters 42-44, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/AX3tjHZTBqA>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/0GNPyHaHpuz3cJbFBHnWxX?si=66e8e5a5237948d5>



वाल्मीकि रामायण के राम

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-85-yuddha-prarambha-raksasom-ka-vadha-rama-laksmna-ka-nagapasa-se-bandhana-1677739639>



86. इन्द्रजित द्वारा राम लक्ष्मण की मृत्यु की घोषणा



- प्र०१ राम और लक्ष्मण नागपाश में बंध गये थे। उसके बाद राम ने क्या किया?
- प्र०२ इन दस वानर वीरों को रोकने के पश्चात इंद्रजीत ने क्या किया?
- प्र०३ जब राम और लक्ष्मण दोनों धूल में गिर गये तो वानर वीरों ने क्या किया?
- प्र०४ अब इंद्रजीत ने क्या किया?
- प्र०५ आपने बताया कि सुग्रीव और विभीषण भी वहाँ आ गये थे। उन्होंने क्या किया?
- प्र०६ दूसरी ओर इंद्रजीत युद्धभूमि से लौटकर गया था। तो क्या वह रावण से मिला?
- प्र०७ इंद्रजीत को विदा करने के पश्चात रावण ने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०८ तो क्या राक्षसियाँ सीता को युद्धभूमि में ले गयीं?

प्र०९ धूल में पड़े राम - लक्ष्मण को देखकर सीता तो दुःख में डूब गयी होगी?

प्र०१० जब सीता विलाप कर रही थी तो उनको किसी ने संभाला? ढाढस बँधाया?

Episode 86 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the sad events on the night when Indrajit was attacking Ram and Lakshman with terrible and deadly arrows. The brothers had been bound by venomous snakes but the shower of arrows had not stopped. There was no space left on either Ram or Lakshman's body which had not been hit by Indrajit's deadly arrows. Both brothers were bleeding profusely. They had no strength left. Ram was the first to fall to ground. As Lakshman saw Ram fall, he lost all hope and collapsed. After the brothers had fallen, the vaanar sena was down with sorrow. Vibheeshan took the initiative and asked Sugreev to do his duty of taking care of the army. They set up guard for safety of Ram and Lakshman. On the other side, Indrajit informed Raavan, his father about the death of Ram and Lakshman. Raavan was elated. He ordered for Seeta to be taken to the site so that she could herself see the dead bodies of Ram and Lakshman. Seeta is taken to the war field where she sees Ram and Lakshman lying on the ground covered with blood and dust. She starts crying. Trijata, a raakshasee, tells Seeta to stop crying because according to her Ram and Lakshman had not died. (Ref. Chapters 45-48, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/HfK92_vlldc

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1PEukHo9t09yFp7fkgnYyR?si=f5246c02818c4b72>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-86-indrajita-dvara-rama-lakshmana-ki-mrtyu-ki-ghosana-1678271177>



87. राम लक्ष्मण की मृत्यु के द्वार से वापसी



- प्र०१ राम लक्ष्मण बाणो की शैय्या पर धूल में पड़े थे। वहाँ क्या हुआ?
- प्र०२ राम जब मूर्छा से जागे तो उन्होंने क्या किया?
- प्र०३ राम जब इस प्रकार विलाप कर रहे थे तो उन्हें किसी ने संभाला? विभीषण ने कुछ किया?
- प्र०४ अभी तक विभीषण ही सबको संभल रहे थे। अब वे ही टूट गये तो किसने उन्हें संभाला?
- प्र०५ सुग्रीव ने जब ससुर सुषेण से किष्किन्धा जाने के लिए कहा तो उन्होंने क्या कहा?
- प्र०६ क्या वायुपुत्र हनुमान औषधियाँ लेने गये थे?
- प्र०७ जब गरुड़ ने राम-लक्ष्मण को स्वस्थ कर दिया तो राम ने उनसे क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०८ राम के प्रश्न का गरुड़ ने क्या उत्तर दिया?

प्र०९ आज की इस आश्चर्यजनक घटना से हमें क्या सीख मिलती है?

Episode 87 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the situation at the battlefield where Ram and Lakshman were lying unconscious on the ground in dust and a bed of arrows. With great effort Ram opened his eyes and looked around. When Ram saw Lakshman lying on the ground he fell into despair. Ram's sorrow knew no bounds. Ram instructed Sugreev to return to Kishkindha with his army. Ram announced his intention to follow his brother and go to the other world. Sugreev did not want to give up so soon. He instructed his father-in-law Sushen to take Ram and Lakshman to Kishkindha with a band of warriors. Sushen advised that two special medicines – Sanjeevkarnee and Vishalya – be brought to cure Ram and Lakshman. While this discussion was going on, Garud landed there. As soon as Garun landed all the snakes who had gripped Ram and Lakshman ran away. Garud touched the two brothers and made them completely healthy. All their wounds were cured and they had become wiser, stronger and sharper. (Ref. Chapters 49-50, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/Jqrw1F_kTjY

Spotify - https://open.spotify.com/episode/1vwKWe1GW1WNn7rrXYXHsV?si=OoQOMLISRWu_GtDa-8VRuw

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-87-rama-laksmna-ki-mrtyu-ke-dvara-se-vapasi-1679125731>



88. पवनपुत्र हनुमान एवं युवराज अंगद द्वारा तीन प्रमुख राक्षसों का वध



- प्र०१ राम लक्ष्मण के बंधनमुक्त और स्वस्थ होने के बाद वानर सेना तो बहुत प्रसन्न हो गयी होगी? रावण को इसकी सूचना कैसे मिली?
- प्र०२ चिंता में रावण ने क्या निर्णय लिया?
- प्र०३ युद्धभूमि में धूम्राक्ष और उसकी सेना ने क्या पराक्रम दिखाया?
- प्र०४ जब धूम्राक्ष वानर सेना को पीड़ा दे रहा था तो उसको किसने रोका?
- प्र०५ धूम्राक्ष मारे जाने के पश्चात् रावण किसे भेजा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ वज्रदंष्ट्र का सामना किस वानर वीर ने किया?
- प्र०७ अचेत होने के पश्चात् क्या वज्रदंष्ट्र का देहांत?
- प्र०८ वज्रदंष्ट्र के मारे जाने के पश्चात् रावण ने किसे युद्ध में भेजा?
- प्र०९ अकम्पन की सेना के व्यापक संहार पर तो अकम्पन अत्यंत क्रोधित हो गया होगा?
- प्र०१० जब अकम्पन वानर सेना पर भारी पड़ रहा था तो उसका सामना किसने किया?

Episode 88 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the battles that took place after Ram and Lakshman were saved from death. Raavan was shocked to hear that Ram and Lakshman have managed to rid themselves from the deadly snakes that had encircled and incapacitated the two brothers. Raavan decided to send Dhoomraaksh along with a big army to kill Ram as well as the vaanar sena. Initially Dhoomraaksh and his army gave a difficult time to the vaanar warriors. Just as vaanars were losing ground to Dhoomraaksh, Hanuman challenged him and killed him. The next raakshas warrior sent by Raavan was Vajrdanshtr along with a well-equipped army with elephants, horses, chariots and other animals. Vajrdanshtr was killed by Prince Angad. After the death of Vajradanshtr, Raavan deputed Akampan along with his army to fight. Akampan was killed by Hanuman. (Ref. Chapters 51-56, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/dYvb_VE1bL4

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/1PEukHo9t09yFp7fkgnYyR?si=yZzgf9BZSWqOp8KwnYeosA>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-88-pavanaputra-hanumana-evam-yuvaraja-angada-dvara-tina-pramukha-raksasom-ka-vadha-1679645907>



89. नील द्वारा रावण के प्रधान सेनापति प्रहस्त का वध



- प्र०१ अकम्पन के मारे जाने के बाद तो रावण हिल गया होगा? उसने क्या किया?
- प्र०२ रावण के आदेश पर प्रधान सेनापति प्रहस्त ने क्या किया?
- प्र०३ प्रधान सेनापति प्रहस्त ने इसके बाद युद्ध के लिए प्रस्थान किया होगा?
- प्र०४ प्रहस्त के युद्ध भूमि ओर जाते भी क्या उसी प्रकार के अपशकुन हुए जैसे पहले हुए थे
- प्र०५ विशाल चमचमाते रथ में कौन योद्धा आ रहा है, यह राम लक्ष्मण को तो पता नहीं होगा? उन्हें कैसे पता चला?
- प्र०६ प्रहस्त और वानर सेना के युद्ध में सबसे पहले क्या हुआ?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०७ अपने चारों सचिवों को मारा जाता देखकर प्रहस्त अत्यंत क्रुद्ध हो गया होगा?

प्र०८ जब प्रहस्त उग्र स्वरूप में वानरों का संहार कर रहा था तो उसका सामना किसने किया?

प्र०९ प्रहस्त का धनुष टूटा तो उसने क्या किया?

Episode 89 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the battle that took place when Prahast, the chief of army of Raavan, was sent to fight. After three of Raavan's most able warriors had been killed, Raavan was furious and also worried. He inspected the war front and asked Prahast to go to fight along with a big army. Prahast expressed his opinion that the war could have been avoided by returning Seeta to Ram. Nevertheless, Prahast agreed to go and sacrifice his life at the altar of war. Prahast was accompanied by four assistants – Narantak, Kumbhhanu, Mahaanaad and Samunnat. Prahast was on a huge well-decorated chariot and was accompanied by a huge army. In the fierce battle that followed Narantak was killed by Dwivid. Durmukh killed Samunnat. Jambwaan killed Mahaanaad. Kumbhhanu was killed by Taar. After his assistants were killed, Prahast was furious and started causing terrible losses to the Vaanar Sena. Prahast was stopped by Neel, the chief of Vaanar Sena. The fight between the two chiefs of armies was ferocious and bloody, but at the end Neel managed to kill Prahast. (Ref. Chapters 57-58, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

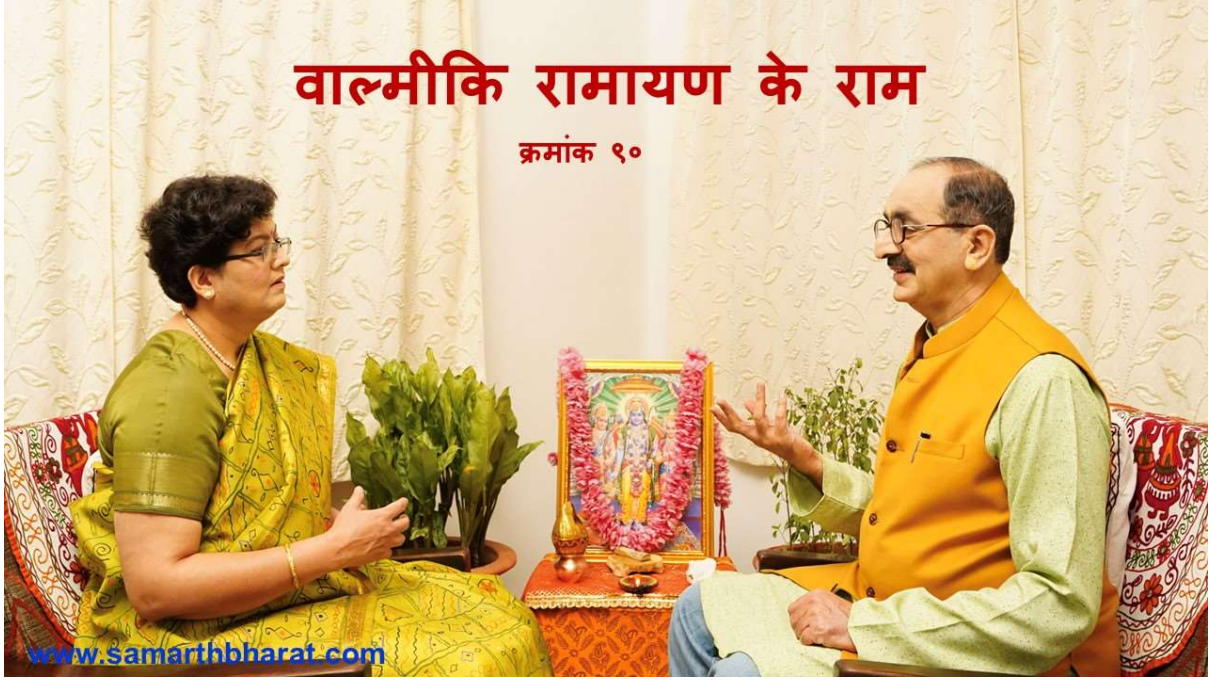
Youtube - <https://youtu.be/JW6mNyDpZyU>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/49JPq3uvikwOpZmqwtCTkc?si=5BXTDwIRQu6RqrMkifDcRg>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-89-nila-dvara-ravana-ke-pradhana-senapati-prahasta-ka-vadha-1680005622>



90. रावण के हाथों सुग्रीव हनुमान और वानर वीरों की पराजय



- प्र०१ सेनापति प्रहस्त के मारे जाने का समाचार पाकर रावण अत्याधिक क्रोधित हो गया होगा? उसके बाद उसने क्या किया?
- प्र०२ जब रावण युद्ध के लिए गया तो उसके साथ कौन कौन योद्धा थे?
- प्र०३ क्या इन सब योद्धाओं ने रावण के साथ मिलकर युद्ध किया?
- प्र०४ युद्धभूमि में रावण का सबसे पहले किससे युद्ध हुआ?
- प्र०५ सुग्रीव के धराशायी होने के पश्चात वानर सेना के किन वीरों ने रावण का सामना किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०६ जब वानर सेना के वीर पीड़ित हो रहे थे तो कौन उसका सामना करने के लिए बढ़ा?

प्र०७ जब लक्ष्मण युद्धभूमि में आगे बढ़े तो रावण का किससे सामना हो रहा था?

सबै वीर आहत भये, भारी भयो विनास।

राम लखन अबहुँ खड़े, सबकी वे ही आस।।

Episode 90 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the battle that took place after Raavan decided to fight himself. Death of his army chief had shaken Raavan and he decided to go and face the enemy. When Raavan went to fight he was accompanied by all the major warriors of Lanka. After reaching the battlefield, it occurred to Raavan that as all the key warriors had accompanied him the fort had become vulnerable. Raavan ordered the warriors to go to other sides of the fort. The first fight Raavan had was with Sugreev. Soon Sugreev was down with an arrow shot by Raavan. After Sugreev fell down, six key warriors of Vaanar Sena – Gawaksh, Gavay, Sushen, Rushabh, Jyotirmukh and Nal – attacked Raavan, but all of them fell to ground hurt by sharp arrows of Raavan. As key warriors of Vaanar Sena fell, Ram decided to face Raavan. However, Lakshman stopped Ram and requested that, instead, he should be allowed to face Raavan. Ram accepted his request. Before Lakshman came to the front, Hanuman challenged Raavan. Both, Raavan and Hanuman, hit each other with slaps and fists. Both were equally powerful. A strong blow from Raavan shook Hanuman badly leaving him momentarily incapacitated. (Ref. Chapters 59, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/Q4O0KbDaqSs>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/3JiWclBSCFTuPIJo12aiak?si=2eyi7KLA THmLBT0QqJSBFA>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-90-ravana-ke-hathom-sugriva-hanumana-aura-vanara-virom-ki-parajaya-1680694710>



91. लक्ष्मण को शक्ति लगी और रावण की राम के हाथों पराजय



- प्र०१ जब पवनपुत्र हनुमान रावण की मार से विचलित हो गये तो रावण ने क्या किया?
- प्र०२ अग्निपुत्र सेनापति नील के धरती पर गिरने के बाद रावण का किससे सामना हुआ?
- प्र०३ लक्ष्मण को शक्ति लग गयी तो क्या हुआ?
- प्र०४ जब रावण को होश आया तो उसने क्या किया?
- प्र०५ वीर हनुमान रावण के बाणों से घायल हो गये तो फिर राम ने क्या किया?
- प्र०६ राम ने रावण को मारा क्यों नहीं? उसे जीवनदान क्यों दे दिया?



वाल्मीकि रामायण के राम

रावण हारा राम से, भागा जान बचाय।

अहंकार तो टूट गया, हठ ना छोड़ा जाय।।

Episode 91 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the second part of the battle that took place after Raavan came to fight. As Hanuman was temporarily incapacitated, Raavan decided to fight with Neel, the chief of Vaanar Sena. The techniques used by Vaanar warriors of throwing mountain tops and trees were not effective against Raavan. Every time Neel threw something, Raavan's arrows stopped the object mid-air. Raavan started showering arrows on Neel. As a protection against the arrows, Neel reduced his size and became very small. Neel climbed on the top of Raavan's chariot and started mocking him. Neel's antics infuriated Raavan who decided to use an arrow containing fire on him. Neel fell to the ground but did not die since, as son of fire, he was protected from fire. After the fall of Neel, Raavan turned to Lakshman who was surely a strong opponent for him. Lakshman gave him a good fight. Raavan used a special weapon provided to him by Brahma on Lakshman. The weapon grounded Lakshman. After Lakshman fell to the ground, Raavan tried to lift him up and carry him away. Raavan failed to do so. At this time Hanuman came and hit Raavan in the chest with a strong blow forcing Raavan to withdraw to his chariot. However, Raavan was soon back. This time he was countered by Ram on the back of Hanuman. Ram destroyed his chariot, horses, flag and even his bow. Ram hit Raavan in the chest which hurt Raavan deeply. Ram could have killed Raavan with one more arrow but ordered him to go back and come later with a new chariot and bow. (Ref. Chapters 59, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/Ru9qv-8AkSo>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/3RDsZzdeb1PKR1pWrn4fQV?si=x8UNgLiVRe63bUIXMefHTg>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-91-laksmna-ko-sakti-lagi-aura-ravana-ki-rama-ke-hathom-parajaya-1681371905>



92. कुम्भकर्ण को जगाना और उसका युद्ध के लिए तैयार होना



- प्र०१ जब रावण पराजित होकर वापिस गया तो उसने क्या सोचा, क्या किया?
- प्र०२ क्या रावण के आदेश के अनुसार कुम्भकर्ण को उठाया गया?
- प्र०३ जागने के बाद कुम्भकर्ण ने क्या किया?
- प्र०४ सचिव यूपाक्ष द्वारा यह जानकारी देने के बाद कुम्भकर्ण ने क्या कहा?
- प्र०५ रावण के आदेश के बाद कुम्भकर्ण रावण से मिलने गया होगा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ जब यह विशालकाय पर्वतनुमा राक्षस रावण से मिलने जा रहा था तो वानरों ने भी उसे देखा होगा?
- प्र०७ जब कुम्भकर्ण रावण के पास पहुँचा तो रावण ने उससे क्या कहा?
- प्र०८ रावण के अनुरोध का कुम्भकर्ण ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०९ कुम्भकर्ण की बुद्धिमत्तापूर्ण बात पर रावण ने क्या कहा?
- प्र०१० रावण ने भावनाओं का सहारा लेकर जो कहा उसपर कुम्भकर्ण ने क्या कहा?
- प्र०११ इन दोनों भाइयों की चर्चा के बीच में रावण का कोई सचिव मंत्री कुछ बोला?
- प्र०१२ महोदर के सुझाव पर कुम्भकर्ण और रावण की क्या प्रतिक्रिया थी?

महीनों सोता था वह, करी धर्म की बात।

पर छोड़ सत्य की राह, दिया पाप का साथ।।

Episode 92 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events that happened in Lanka after defeat of Raavan. Depressed and sad after his humiliating defeat at the hands of Ram, Raavan decided to wake up his brother Kumbhkarn who had been sleeping for nine months. It was a big task to wake up Kumbhkarn involving thousands of soldiers, musical instruments and elephants. After waking up Kumbhkarn was briefed about the ongoing war and defeat of Raavan. Raavan told him about the invasion of Lanka by Vaanar Sena led by Ram. Kumbhkarn told Raavan that it was inevitable in view of his kidnapping of Sita. Raavan was not willing to correct his past mistake and argued for letting bygones be bygones. Raavan played the emotional card and pleaded for Kumbhkarn to save him. Kumbhkarn accepted Raavan's pleadings and announced his decision to go and fight. (Ref. Chapters 60-65, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/Cdw4YEVbKnY>



वाल्मीकि रामायण के राम

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/6IUibNPjJPiDbIqBhwWyjk?si=IDcroug3QGOrUmzKweYCw>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-92-kumbhakarna-ko-jagana-aura-usaka-yuddha-ke-lie-taiyara-hona-1681986799>



93. राम द्वारा कुम्भकर्ण का वध



- प्र०१ कुम्भकर्ण ने कहा था वह अकेला युद्ध करने जाएगा तो क्या वह अकेला ही युद्ध को गया?
- प्र०२ विशाल कुम्भकर्ण को देखकर तो वानर भयभीत हो गए होंगे?
- प्र०३ समझाने पर वानर लौट आये तो फिर कुम्भकर्ण के साथ उनका युद्ध कैसा रहा?
- प्र०४ एक बार पुनः वानर एकजुट होकर कुम्भकर्ण का सामना करने लगे तो क्या हुआ?
- प्र०५ द्विविद का वार निष्फल रहने के बाद क्या पवनपुत्र हनुमान ने सामना का प्रयास किया?
- प्र०६ वीर हनुमान के घायल होने के पश्चात अन्य वानर वीरों ने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ जब वानरों का संहार हो रहा था तो युवराज अंगद ने क्या पराक्रम दिखाया?
- प्र०८ युवराज अंगद के अचेत होने पर कुम्भकर्ण का किससे सामना हुआ?
- प्र०९ जब कुम्भकर्ण वानरराज सुग्रीव को ले कर चला तो किसी ने उसे रोका नहीं, उसका सामना नहीं किया?
- प्र०१० नाक कान कट जाने के बाद कुम्भकर्ण ने क्या किया?
- प्र०११ इस प्रकार वीभत्स दिख रहे और पगलाए हुए कुम्भकर्ण का किसने सामना किया?
- प्र०१२ उसके बाद कुम्भकर्ण और राम का युद्ध हुआ होगा?
- प्र०१३ एक बाजू कट जाने पर कुम्भकर्ण क्या युद्ध से हट गया?

यम इन्द्र पर था भारी, कभी न देखी मात।

अंग भंग ताको करो, राम जब कियो अंत।।

Episode 93 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the fierce battle that took place between Kumbhkarn and Vaanar warriors before Ram killed Kumbhkarn. Giant size of Kumbhkarn had scared the Vaanar army. It took some effort on the part of Prince Angad to get the army on its feet and face Kumbhkarn who was like a huge mountain. Kumbhkarn was not at all affected by stones, boulders and trees thrown at him by Vaanar sena. Rushabh, Sharabh, Maind, Dhoomr, Neel, Kumud, Sushen, Gawaksh, Rambh, Taar, Dwivid, Panas and Hanuman gathered and decided to face Kumbhkarn jointly. Dwivid attacked Kumbhkarn with a huge mountain top but the attempt failed. Hanuman threw boulders and trees on Kumbhkarn from the sky but it had no affect. Hanuman stood in front and hurt Kumbhkarn who in turn hit Hanuman with a spear. Hanuman was hurt badly. Other Vaanar warriors were also hurt badly. Prince Angad also had a fight with Kumbhkarn and fell unconscious. Sugreev faced Kumbhkarn and lost consciousness due to the impact of a huge boulder. Kumbhkarn carried Sugreev to Lanka. When Sugreev gained consciousness, he cut off the ears and nose of Kumbhkarn before escaping to Ram's camp. Infuriated Kumbhkarn was now crazy with anger. He started eating Vaanars and even soldiers of Lanka. Kumbhkarn was stopped by Lakshman who showered him with arrows. Kumbhkarn appreciated Lakshman's bravery and requested him to move aside so that Kumbhkarn could fight with Ram. The fight with Ram was most ferocious. Ram cut off both the arms of Kumbhkarn one by one and then cut his feet. Ram then stuffed Kumbhkarn's mouth



वाल्मीकि रामायण के राम

with arrows and then cut off his neck killing him. (Ref. Chapters 65-67, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/qCz-zGfaRho>

Spotify - https://open.spotify.com/episode/7nAiRl1lxy6jjDb3JTyI5T?si=t85IF0-FQgyO32ZPMGGT_Q

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-93-rama-dvara-kumbhakarna-ka-vadha-1682674806>



94. रावण के तीन पुत्र और एक सौतेले भाई का वध



- प्र०१ कुम्भकर्ण के वध के विषय में आप कुछ टिप्पणी करेंगे?
- प्र०२ कुम्भकर्ण की मृत्यु का समाचार सुनकर तो रावण स्तब्ध रह गया होगा, टूट गया होगा?
- प्र०३ जब रावण विलाप कर रहा था तो उसे किसने संभाला?
- प्र०४ जब त्रिशिरा ने युद्ध के लिए उत्साह दिखाया तो और किसी ने भी उसका साथ दिया?
- प्र०५ ये छः योद्धा, जब युद्ध के लिए चले तो निश्चय ही अस्त्र शस्त्र के साथ चले होंगे?
- प्र०६ जो भयंकर युद्ध हो रहा था उसमें पहला सामना किन दो के बीच में हुआ?



वाल्मीकि रामायण के राम

भाई रावण का मरा, जगा धर्म का भाव।

पल भर में भूल खेला, बंधु पुत्र का दाँव॥

Episode 94 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events that took place after Raavan's brother Kumbhkarn died. Raavan was completely devastated. He fell on the ground and started crying. He said that he had all interest in the kingdom and even Seeta. He did not want to live without his brother Kumbhkarn. Trishira, his son, consoled him. Trishira told Raavan about Raavan's strengths and ability to destroy any enemy. Trishira offered to go and fight. Along with Trishira, other sons of Raavan – Devaantak, Naraantak and Atikaay – expressed enthusiasm to go to war. Raavan was extremely pleased. He blessed them and sent them to war along with two of his step-brothers – Mahaapaarshv and Mahodar. In the fierce battle that followed, Naraantak was killed by Prince Angad. Devaantak was killed by brave Hanuman. Mahodar was killed by Neel. Hanuman cut off Trishira's three heads with Trishira's sword. (Ref. Chapters 68-70, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

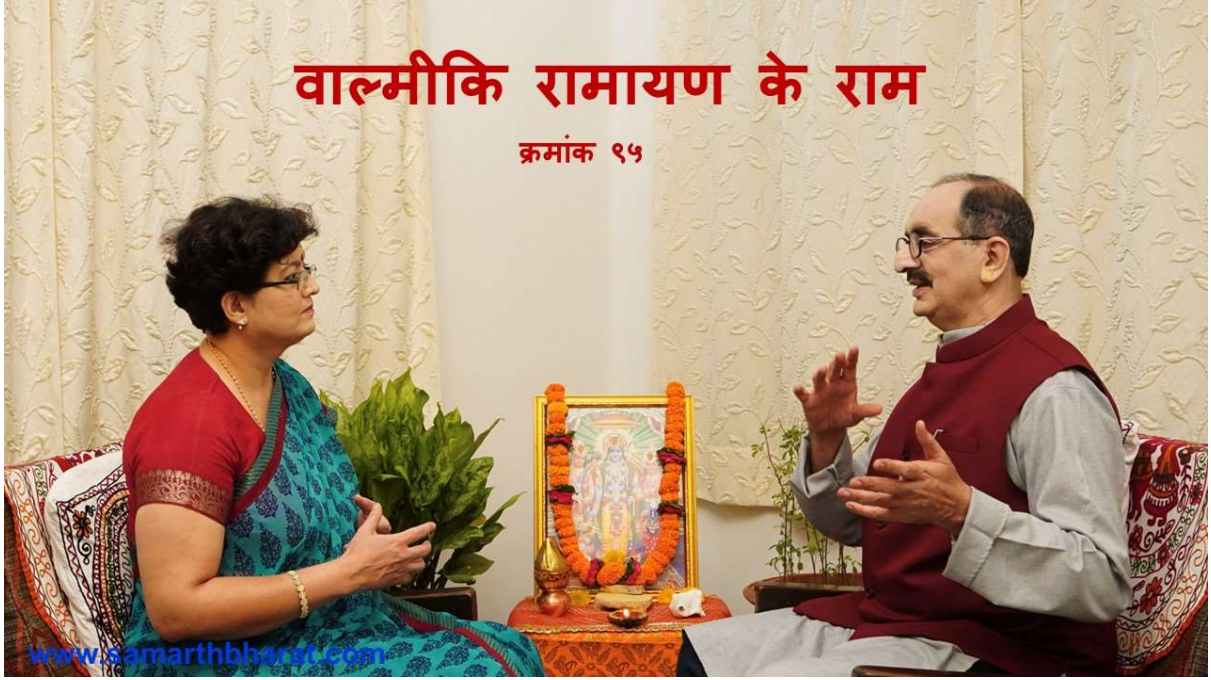
Youtube - <https://youtu.be/TephRZD68Ec>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/3wrIDrQBdX4bl62tVVpxpV?si=SV1MWZxXRjOVNMCzpZUSXA>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-94-ravana-ke-tina-putra-aura-eka-sautele-bhai-ka-vadha-1683360864>



95. ब्रह्मा से वरदान प्राप्त महाबली रावणपुत्र अतिकाय का लक्ष्मण द्वारा वध



- प्र०१ पिछले प्रकरण में सुना कि महापार्श्व और अतिकाय अभी युद्ध कर रहे थे। उनमें से किसका पहले वानर वीरों से सामना हुआ?
- प्र०२ महापार्श्व के मारे जाने के बाद केवल रावणपुत्र अतिकाय ही युद्ध के मैदान में बचा था। उसने क्या किया?
- प्र०३ जब वानर दुःखी होकर राम के पास गए तो उन्होंने क्या किया?
- प्र०४ जब राम और विभीषण की चर्चा हो रही थी तो अतिकाय ने क्या किया? वानर वीरों ने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०५ प्रधान वानरवीरों को परास्त करने के पश्चात अतिकाय ने क्या किया?
- प्र०६ अतिकाय द्वारा राम को दी गयी इस चुनौती का राम ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०७ अतिकाय और लक्ष्मण के इस वार्तालाप के बाद उनके बीच भीषण युद्ध हुआ होगा?
- प्र०८ यह युद्ध तो अत्यंत भयंकर है। ऐसा लग रहा है कि लक्ष्मण के सभी अस्त्र अतिकाय पर निष्फल सिद्ध हो रहे थे। ऐसे में लक्ष्मण ने क्या किया?

शास्त्र शस्त्र अस्त्र ज्ञाता, बली रावण समान।

दिव्य रथ कवच वरदान, बचा ना पाए जान।।

Episode 95 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the ongoing long battle when four sons and two step-brothers of Raavan came to fight. Three sons and one step-brother had already been killed by the great warriors of Vaanar army. Raavan's step-brother Mahaapaarshv stepped forward to avenge the killing of his brother and his nephews. He was faced by Ryshabh. The first blow was delivered by Mahaapaarshv. However, Ryshabh soon picked up Mahaapaarshv's gada and killed the raakshas. Now only Atikaay was left of the six warriors who had been sent by Raavan. Atikaay was a giant as large as his deceased uncle Kumbhkarn. Atikaay was blessed by Brahmaa jee with special weapons, shield and chariot. Atikaay was also a learned and wise person. Atikaay was challenged by some warriors of Vaanar army. Atikaay put all of them down with hardly any effort. Atikaay was challenged by Lakshman, Ram's brother. The battle between the two was fierce. Lakshman was unable to pierce Atikaay's shield even though he was using some of his best weapons. At this time, vaayu devta whispered in his ear and advised him to use Brahmaastr. Lakshman accepted the advice and killed Atikaay. (Ref. Chapters 70-71, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/y0F1b6vAx5o>

Spotify - https://open.spotify.com/episode/3h8A4SIDd8UYNHjGF7wU5?si=wHJXsWd2TI-c_gDF-QYRaw

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-95-brahma-se-varadana-prapta-mahabali-ravanaputra-atikaya-ka-lakshmana-dvara-vadha-1684325410>



96. वृद्ध जाम्बवान के मार्गदर्शन से पवनपुत्र ने सबकी प्राण रक्षा की



- प्र०१ अपने चार पुत्रों और दो सौतेले भाइयों की मृत्यु का समाचार सुन रावण दुःख में डूब गया होगा? अब उसे किसने ढाढस बँधाया?
- प्र०२ युद्धभूमि में पहुँच कर इन्द्रजित ने क्या किया?
- प्र०३ अपने अभी शस्त्रों, अस्त्रों, धनुष, रथ आदि को ब्रह्मास्त्र से अभिमंत्रित करने पर तो इन्द्रजित अजेय हो गया होगा?
- प्र०४ इन्द्रजित ने समस्त वानर सेना और वानरवीरों को धराशाही कर दिया। ऐसे में राम और लक्ष्मण का क्या हुआ?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०५ इंद्रजित राम-लक्ष्मण सहित पूरी वानरसेना को धराशाही कर लंका वापिस चला गया। उसके बाद वानरसेना में क्या हुआ?
- प्र०६ विभीषण और हनुमान ने सांत्वना और आश्वासन देने के अतिरिक्त क्या किया?
- प्र०७ बूढ़े जांबवान ने पवनपुत्र हनुमान की प्रशंसा की। उसके बाद क्या हुआ?
- प्र०८ तो क्या वीर हनुमान हिमालय पर्वत पर गए?
- प्र०९ हिमालय में औषधियों के पर्वत पर पहुँच कर क्या हुआ?
- प्र०१० जब वीर हनुमान उस पर्वत को लेकर लंका आये तो क्या हुआ?

राम लखन सेना ढेर भयी। बचन की आशा धूमिल हुयी।।

घायल बूढ़ा राह दिखायो। जा से हनुमन सबन बचायो।।

Episode 96 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the most ferocious and dramatic portion of the ongoing war. After the loss of four sons and two step-brothers, Raavan was sad, depressed and full of self-doubt. Raavan's son, Meghnaad, also called Indrajit, consoled Raavan saying that as long as Indrajit was alive there was no reason for Raavan to worry. Indrajit went to the battlefield with the intention of killing Ram and Lakshman. After reaching the field, he empowered all his weapons, bows, chariot, spears, arrows, horses etc. with the power of Brahmaastr. No one could withstand the power of Brahmaastr. As Indrajit and his army began the attack, the Vaanar Sena found that it had no defences against the attack. Ram and his brother Lakshman also decided to just stand and bear the powerful arrows instead of fighting back. Soon the whole army including the Ram, Lakshman, Sugreev, Angad and other warriors were fallen on the ground. Vibheeshan was not hurt. Hanuman was the first to recover. The two searched for Jaambwaan, the oldest, most experienced and wise person in the Vaanar Sena. Jaambwaan asked Hanuman to go to Himalayas and get some herbs. Hanuman went to the Himalayas and carried back the entire mountain which had the lifesaving herbs. Ram, Lakshman and entire army recovered fully and became healthy after smelling the herbs. Hanuman then carried the mountain back to Himalayas. (Ref. Chapters 72-74, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/zYGdM3K_Gz4



वाल्मीकि रामायण के राम

Spotify - https://open.spotify.com/episode/13tNwZNx1qfi9ADXTNjKdg?si=lx312jBRTKSIDVRg_mt6mQ

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-96-vrddha-jambavana-ke-margadarsana-se-pavanaputra-ne-sabaki-prana-raksa-ki-1684489742>



97. वानर सेना द्वारा लंका को जलाना और कुम्भकर्ण पुत्र कुम्भ का वध



- प्र०१ पिछले में आपने बताया कि हनुमान पर्वत को छोड़ने वापिस हिमालय गए। ऐसा क्यों?
- प्र०२ अब वानर स्वस्थ हो गए थे। स्वस्थ होकर उन्होंने क्या किया?
- प्र०३ जब वानर लंका में आग लगा रहे थे, उस समय राम और लक्ष्मण ने क्या किया?
- प्र०४ वानर सेना द्वारा लगाई जा रही आग और राम के धनुष की टंकार के प्रत्युत्तर में रावण ने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०५ एक बार पुनः छः योद्धा रावण द्वारा भेजे गए। इन छः में से सबसे पहले किस का वानर वीरों से सामना हुआ?
- प्र०६ कम्पन के वध के पश्चात किसने युवराज अंगद का सामना किया?
- प्र०७ यूपक्ष और प्रजंघ के आने पर तो अंगद के सम्मुख तीन राक्षस हो गए। युवराज की सहायता के लिए कौन वानरवीर आगे बढ़े।
- प्र०८ प्रजंघ के वध के पश्चात तो शोणिताक्ष और यूपक्ष का द्विविद और मैद से युद्ध हुआ होगा?
- प्र०९ राक्षससेना के चार प्रमुख वीरों के मारे जाने के बाद तो केवल कुम्भकर्ण के दो पुत्र कुम्भ और निकुम्भ ही युद्ध में शेष बचे थे। इनमें से किसने युद्ध की कमान संभाली?
- प्र०१० मैद द्विविद और युवराज अंगद के धराशाही होने के पश्चात तो वानर घबरा गए होंगे? उन्होंने क्या किया?

धू धू निशाचर नगरी जली। आग चमकी उस रात काली।।

भाग उठे राक्षस नर नारी। हुआ संहार उन का भारी।।

Episode 97 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events that happened after Vaanar Sena as well as Ram and Lakshman became healthy with the help of medicines brought by Hanuman. Vaanar Sena warriors including King Sugreev were angry. Sugreev ordered his warriors to enter Lanka and burn down all that they could. At night, Vaanar warriors took burning torches with them and set to fire houses, buildings, palaces, animal yards etc. Fire spread quickly causing widespread devastation with loss of life and property. Anyone trying to escape the burning city was killed by Vaanar Sena which had surrounded the city. Ram and Lakshman added to the horror of the night by shooting arrows. They demolished the main entry gate of the city. Raavan was infuriated. He ordered Kumbh and Nikumbh, sons of Kumbhkarn to go and fight. Kumbh and Nikumbh were accompanied by Yupaaksh, Shonitaaksh, Prajangh and Kampan. In the fighting that followed, Kampan and Prajangh were the first to be killed by Prince Angad. The brothers Yupaaksh and Shonitaaksh were killed by two brothers, Maird and Dwivid, from Vaanar Sena. Kumbh fought valiantly and hurt many Vaanar Sena



वाल्मीकि रामायण के राम

warriors including Prince Angad. Sugreev rushed to the spot and after a short battle killed Kumbh. (Ref. Chapters 75-76, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/zYGdM3K_Gz4

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/0bjLWA6RWtM58LOIRSlE5o?si=CKPC1DUtQBeS6-HQfKOXrg>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-97-vanara-sena-dvara-lanka-ko-jalana-aura-kumbhakarna-putra-kumbha-ka-vadha-1685100469>



98. निकुम्भ मकराक्ष का वध और इन्द्रजित का युद्ध से भागना



- प्र०१ पिछले में हमने सुना कि कुम्भकर्ण का पुत्र कुम्भ मारा गया। कुम्भ का भाई निकुम्भ भी युद्धभूमि में था। उसने क्या किया?
- प्र०२ निकुम्भ के इस भयंकर स्वरुप का सामना किस वानरवीर ने किया?
- प्र०३ निकुम्भ और कुम्भ के मारे जाने का समाचार पाकर रावण आगबबूला हो गया होगा? उसने अब किसे भेजा?
- प्र०४ जब वानर भय से भागने लगे तो मकराक्ष को किसने रोका?
- प्र०५ इस वार्तालाप के पश्चात तो उनका युद्ध हुआ होगा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ मकराक्ष के मारे जाने पश्चात रावण ने किसको भेजा?
- प्र०७ ये सब अनुष्ठान जो इन्द्रजित ने किये उनसे तो उसको जीतना अत्यंत कठिन हो गया होगा। उसने युद्ध में किस पर आक्रमण किया?
- प्र०८ जब इन्द्रजित युद्ध में वानरों को लगातार आहत कर रहा था, राम लक्ष्मण को भी पीड़ित कर रहा था तो राम लक्ष्मण ने क्या किया?

सुग्रीव के हाथों कुम्भ मरो। पवनपुत्र निकुम्भ को मारो।।

खर का पूत भी मारो गयो। मेघनाद डर के भाग गयो।।

Episode 98 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the battles after killing of Kumbh, son of Kumbhkarn. Nikumbh, Kumbh's brother was infuriated seeing his brother being killed. Nikumbh moved forward with a deadly parigh. However, Nikumbh was no match for Veer Hanuman's strength. Hanuman used his hands to pull Nikumbh's head away from the body. After hearing of the death of both the sons of Kumbhkarn, Raavan was infuriated and worried. Raavan ordered Khar's son Makaraksh to go to the battlefield and kill Ram and Lakshman. The young man was very happy and enthusiastic. But his enthusiasm and confidence were no match for Ram's arrows. Makaraksh was killed by Ram after a brief battle. When Raavan heard that Makaraksh was killed and his army routed, he called on his son Meghnaad (also called Indrajit) to go to the battlefield and kill Ram and Lakshman by all means available. Indrajit came to fight in his well-decorated chariot. He used the technique of becoming invisible. Indrajit lifted himself up in the sky over the Vaanar Sena and started showering arrows first on Vaanar Sena and then on Ram and Lakshman. The two brothers could not see Indrajit and were hence at a great disadvantage. After shedding much blood, Lakshman was infuriated and wanted to use Brahmaastr to finish the whole Raakshs race. Ram stopped Lakshman and said that he would now use his special weapons to kill Indrajit. Hearing this, Indrajit ran away from the battlefield to the safety of Lanka city. (Ref. Chapters 77-80, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/x5KHpd5kvqQ>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/73zuVlJQpA5rj5KeSjFH2x?si=Qv7nNpgJRs-J5O5RtMZ3Qw>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-98-nikumbha-makaraksa-ka-vadha-aura-indrajita-ka-yuddha-se-bhagana-1685967380>



99. रावणपुत्र इन्द्रजित द्वारा मायानिर्मित सीता का वध



- प्र०१ इन्द्रजित युद्ध छोड़ कर लंकापुरी में चला गया था। वह युद्ध में वापिस कैसे और कब लौटा?
- प्र०२ जब इन्द्रजित माया से निर्मित सीता को लेकर आया तो उसका सामना किससे हुआ?
- प्र०३ पवनपुत्र के कठोर वचनों का इन्द्रजित ने क्या उत्तर दिया? उसने क्या किया?
- प्र०४ सीता का वध देखने के पश्चात वीर हनुमान और वानरों ने क्या किया?
- प्र०५ वानर राक्षसों पर भारी पड़ रहे थे, उनका संहार कर रहे थे। क्या वे ऐसे ही संहार करते रहे या वे रुक गए?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ जब वानर लौटने लगे तो इन्द्रजित ने क्या किया?
- प्र०७ इस घटनाक्रम की सूचना राम के पास भी पहुँची होगी?
- प्र०८ राम जब शोक से मूर्छित हो गए तो लक्ष्मण ने क्या किया?
- प्र०९ जब लक्ष्मण राम को समझ रहे थे, तब किसी अन्य व्यक्ति ने भी कुछ कहा?
- प्र०१० विभीषण ने जो कहा उसका राम पर क्या प्रभाव पड़ा? उन्होंने विभीषण से क्या कहा?
- प्र०११ अब तो राम को विभीषण की बात समझ आ गयी होगी? उन्होंने क्या उत्तर दिया?

कुटिल निशाचर छिप कर लड़ता। क्योंकि था वो राम से डरता।।

झूठी सीता काट दिखाई। चाल यह उसकी चल न पाई।।

Episode 99 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the strange turn of events that took place after Indrajit, son of Raavan, returned to the battlefield. Indrajit used the technique of illusion to create a woman who looked exactly like Seeta. This illusory Seeta was sitting on his chariot. Indrajit came out from Lanka using a gate that was far away from the place where Ram and Lakshman were standing. Indrajit faced Hanuman and his army of brave soldiers. Hanuman was shocked to see Seeta in that situation. Indrajit started beating the illusory Seeta mercilessly in front of all the Vaanar Sena warriors. The illusory Seeta was continuously crying and calling out Ram. Indrajit then took his sword and cut the illusory Seeta into two parts cutting diagonally across her body. Hanuman stopped the onslaught of Indrajit and the army accompanying him. After inflicting much damage on the Raakshas army, Hanuman rushed to Ram to inform about the killing of Seeta by Indrajit who, after the killing, had gone to the temple of Nikumbhila Devi. Ram was shocked to hear the sad news and fell unconscious. Lakshman tried his best to console Ram. Vibheeshan came there and learnt of the news about killing of Seeta. Vibheeshan told Ram that this was absolutely unbelievable. Vibheeshan told Ram that Indrajit had just played a trick using illusion. Vibheeshan convinced Ram to give up sorrow and order Lakshman to go with him to kill Indrajit. (Ref. Chapters 81-85, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/IRfgj2H6oO4>



वाल्मीकि रामायण के राम

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/5Wq99oUilM47MlyyCCGqXQ?si=o8pd6KxLR-G69ajTKwZRcA>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-99-ravanaputra-indrajita-dvara-mayanirmita-sita-ka-vadha-1686384834>



100. विभीषण के मार्गदर्शन में लक्ष्मण द्वारा इंद्रजित मेघनाद का वध



- प्र०१ इंद्रजित निकुम्भिला देवी के मंदिर में अनुष्ठान करने गया था और राम ने लक्ष्मण को विभीषण एवं सेना सहित जाकर इंद्रजित का वध का आदेश दिया था। उसके बाद क्या?
- प्र०२ जब यह घमासान युद्ध चल रहा था तो इंद्रजित ने क्या किया?
- प्र०३ क्या इंद्रजित ने हनुमान को मारने का प्रयास किया?
- प्र०४ इंद्रजित के इन कठोर शब्दों का विभीषण ने क्या उत्तर दिया?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०५ विभीषण के स्पष्टवादी उत्तर के बाद कुछ और भी वार्तालाप हुआ या युद्ध प्रारम्भ हो गया?
- प्र०६ इस भयंकर और लम्बे चल रहे युद्ध में विभीषण ने लक्ष्मण का उत्साहवर्धन करने के अतिरिक्त भी कोई भूमिका निभाई?
- प्र०७ क्या विभीषण के उत्साहवर्धक शब्दों का वानरों पर प्रभाव पड़ा?
- प्र०८ इस वानर राक्षस संग्राम के बाद लक्ष्मण और इन्द्रजित में पुनः युद्ध प्रारम्भ हो गया होगा?
- प्र०९ क्या इन्द्रजित ने बाकी युद्ध बिना रथ के ही लड़ा?
- प्र०१० सारथी के मारे जाने के बाद तो इन्द्रजीत बहुत कमज़ोर हो गया होगा?

इन्द्र को था उसने हराया। कोई ना उसे हरा पाया।।

वाके चाचा राह दिखायो। तो लक्ष्मण सर काट गिरायो।।

Episode 100 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the battle that led to killing of Meghnaad (also known as Indrajit). Vibheeshan took Lakshman, Hanuman, Jambwaan and others of Vaanar Sena to the temple of Nikumbhila Devi where Indrajit was doing a ceremony with his army standing in guard. Ferocious fighting started between the two armies with Hanuman leading the charge from Vaanar Sena. When Indrajit learnt that his side was under pressure, he quit the ceremony and came in a chariot to the scene of the battle. On reaching the battle field, he saw his uncle Vibheeshan. Indrajit immediately knew that Lakshman and the accompanying army had been brought to that secluded unknown place by Vibheeshan. This infuriated Indrajit who abused his uncle and condemned the merciless attempt of Vibheeshan to try to get his own son (nephew is considered as a son) killed. Vibheeshan answered Indrajit's accusations taking recourse to the principles of dharm. The fighting that followed saw both Lakshman and Indrajit wounded and covered in blood. Finally, Lakshman was able to use the special weapon from Indr (the king of devatas) to chop off Indrajit's head and kill him. (Ref. Chapters 86-90, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/oEx111qi7fQ>



वाल्मीकि रामायण के राम

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4uyKUiOs1xgO1DOe48ACuB?si=UC9m4ieFRaaDW2HicmN8mq>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-100-vibhisana-ke-margadarsana-mem-laksmana-dvara-indrajita-meghanada-ka-vadha-1686902950>



101. रावण द्वारा सीता को मारने का निश्चय और राम द्वारा महासंहार



- प्र०१ रावण मेघनाद एवं अन्य राक्षस तपस्या करके ब्रह्मा जी, महादेव और अन्य देवों जैसे निकुम्भिला देवी को प्रसन्न करके विभिन्न वरदान अस्त्र प्राप्त करते थे। ऐसे दुष्ट दुर्बुद्धियों को देवगण वरदान क्यों प्रदान करते थे। आज के सन्दर्भ में हमें क्या शिक्षा मिलती है?
- प्र०२ मेघनाद / इन्द्रजित वध के पश्चात क्या हुआ?
- प्र०३ इन्द्रजित के वध का समाचार सुनकर राम अत्यंत प्रसन्न हो गए होंगे? उन्होंने क्या कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०४ दूसरी ओर रावण को जब अपने पुत्र के मारे जाने की सूचना मिली तो उसकी क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०५ तो क्या रावण ने सीता का वध कर दिया?
- प्र०६ महल में लौटने के बाद रावण ने क्या किया?
- प्र०७ जब राक्षसों की विशाल सुसज्जित सेना युद्धभूमि में आयी तो क्या हुआ?
- प्र०८ वानर सेना जब राम की शरण में आयी तो राम ने क्या किया?
- प्र०९ इतना बड़ा संहार। इसका समाचार जब लंका के आमजनों में पहुँचा होगा तो हाहाकार मच गया होगा। इनकी स्त्रियों और परिवारजनों का बुरा हाल हो गया होगा?

पुत्र शोक भरमाया ताको। रावण मारन चला सिया को।।

पत्नी चारण जय करत चलो। मित्र मंत्रणा से मन बदलो।।

प्रलयकारी रूप राम धरो। रुद्र उमापति सा काम करो।।

गज रथ अश्व सब भू पर गिरे। लाखों निशाचर पल में मरे।।

Episode 101 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events that followed death of Indrajit (Meghnaad) on the battlefield. Lakshman was injured badly. After returning to the camp, Lakshman was cured by Sushen, father-in-law of Sugreev. Raavan was struck by sorrow and anger after learning that his most capable son had been killed. In a fit of anger, he decided to kill Seeta. With a shining sword in his hand, Raavan moved to the place where Seeta was sitting. Raavan's ministers were accompanying him and were shouting slogans to boost up Raavan. Just as Raavan was going to kill Seeta, he was advised by his minister Supaarshw to preserve his anger for Ram and kill Ram in battle instead of killing a woman. Raavan accepted the advice and returned. After returning, Raavan ordered his generals to proceed for war and kill Ram by surrounding Ram. At the battlefield,



वाल्मीकि रामायण के राम

the Vaanar Sena fought the Raakashs army but found itself outnumbered. Ram ordered the Vaanar Sena and all warriors to withdraw. Ram took up the fight and singlehandedly destroyed ten thousand chariots, killed eighteen thousand powerful elephants, fourteen thousand horse-riders and two lakh soldiers. The whole battle field was filled with corpses in only about one and a half hours. There was not a single house in Lanka that was not affected by the grand slaughter. (Ref. Chapters 91-94, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/huxKbhjeBRM>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/4Ss0HpYrTqPM1yDIHVdmhZ?si=sY5YgWCRQDWcXv7yLe9i7g>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-101-ravana-dvara-sita-ko-marane-ka-niscaya-aura-rama-dvara-mahasanhara-1687689193>



102. रावण के तीन अंतिम महायोद्धाओं का सुग्रीव एवं अंगद द्वारा वध



- प्र०१ सेना का संहार और उसके बाद राक्षसियों का विलाप - रावण ने सुना तो उसने क्या किया?
- प्र०२ अंत में बचे तीन महायोद्धाओं और घर बैठे सैनिकों का सहारा लेकर लड़ने का रावण का यह अंतिम प्रयास था। इस समय वातावरण कैसा था, सेना में उत्साह कैसा था?
- प्र०३ जब दोनों सेनाओं का सामना हुआ तो क्या हुआ?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०४ रावण के तीन महायोद्धाओं में से एक मारा गया। अब बाकी बचे दो में से कौन आगे बढ़ा?

प्र०५ रावण के सहयोगियों में से अब केवल महापार्श्व बचा था। उसने क्या किया?

रावण साथ तीन रथी चरे। सुग्रीव अंगद हाथों मरे।।

जो थी विश्व विजेता सेना। वा में बचया अब कोई ना।।

Episode 102 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the war after Ram had massacred the entire army that had come to kill him. Raavan was furious and was also disturbed by the wailing sounds coming from every house of Lanka. Raavan ordered that the three remaining warriors - Mahodar, Mahaapaarshw and Virupaksh – proceed with army to the battlefield. Reserve soldiers and the still-surviving soldiers were collected in a house-to-house mobilization drive. Raavan along with the three warriors and large army proceeded to challenge and defeat the Vaanar Army. In the fierce battle that took place, Virupaaksh and Mahodar were killed by Sugreev. Prince Angad killed Mahaapaarshw. With the killing of the three warriors, there was no one left in Raavan's army to lead and challenge the Vaanar Sena. Now Raavan was left almost alone. (Ref. Chapters 95-98, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/0LjshzjM0c>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2XkeFH337HVdjx27v4sBZ?si=yyhWyKR-QH-kx4MbfG-Rw>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-102-ravana-ke-tina-antima-mahayodhaom-ka-sugriva-evam-angada-dvara-vadha-1688030971>



103. शरणागत को बचाने लक्ष्मण ने शक्ति सीने पर झेली



- प्र०१ रावण के तीन अंतिम महायोद्धा मारे गये। रावण की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०२ अब तो राम रावण का सीधा युद्ध हुआ होगा?
- प्र०३ जब राम रावण का भयंकर युद्ध हो रहा था तो लक्ष्मण या किसी और ने इसमें कुछ किया?
- प्र०४ अपने विरुद्ध अपने भाई को देख कर तो रावण अत्यंत क्रोधित हो गया होगा?
- प्र०५ लक्ष्मण को इस अवस्था में देख तो राम अत्यंत दुःखी हो गए होंगे?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ रावण तो भाग गया, क्या राम ने लक्ष्मण के उपचार हेतु कुछ व्यवस्था की?
- प्र०७ राम के इस विलाप पर सुषेण ने क्या कहा?
- प्र०८ राम को आश्वस्त करने के पश्चात सुषेण ने क्या किया?
- प्र०९ महाऔषधियों के आने पर तो लक्ष्मण स्वस्थ हो गए होंगे?
- प्र०१० जब लक्ष्मण स्वस्थ हो गए तो राम ने उनसे क्या कहा?

शरणागत पर आँच न आए। चाहे निज जान चली जाए।।

मारक शक्ति लखन ने झेली। और विभीषण जान बचा ली।।

पल भर को राम भावुक भये। फिर सबै भूल काल बन गये।।

जान बचा कर राक्षस भागे। उपचार से लखन भी जागे।।

Episode 103 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the first part of direct battle between Ram and Raavan. After the death of last three generals of Raavan's army, Raavan decided to fight the war himself and moved forward. Laxman tried to challenge Raavan with his arrows but Raavan easily countered Lakshman and moved towards Ram. A fierce battle started. Both, Ram and Raavan were hurt and were bleeding. Lakshman attacked Raavan's chariot and destroyed the flag on the chariot. Lakshman also killed the charioteer. Vibheeshan joined Lakshman and killed the horses of Raavan's chariot. Raavan was furious on Vibheeshan. Raavan took up a shakti and shot towards Vibheeshan. Lakshman destroyed the shakti with his arrows. Raavan took up another shakti more powerful than the first and said to be deadly. Before Raavan could aim it on Vibheeshan, Lakshman pushed Vibheeshan aside and jumped in front. The shakti hit Lakshman's chest and passed through his back. Lakshman fell down, bleeding profusely and in extreme pain. Ram pulled out the shakti from Lakshman's chest. Ram was extremely sad at seeing his brother in pain and near death. But Ram controlled his tears and channelled his emotions into anger towards Raavan. Ram vowed to kill Raavan and started shooting arrows at Raavan. The intensity with which Ram was fighting scared Raavan and he ran away. After Raavan had gone away, Ram was in tears for Lakshman and started pouring his heart out. Ram called Sushen to cure Lakshman. Sushen asked Hanuman to go to Himalayas and get the special medicine for Lakshman. Hanuman went to Himalayas and carried back a large mountain top with the medicinal plants. Lakshman was saved and cured. After getting back, Lakshman requested



वाल्मीकि रामायण के राम

Ram to continue the war and kill Raavan without any delay. (Ref. Chapters 99-101, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/p1Q_FouA9Bk

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2hu0MJzbVnUrCESYvGGTxp?si=ztBxYgGCTyCXAzwcd7Xq-A>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-103-saranagata-ko-bacane-laksmna-ne-sakti-sine-para-jheli-1688643612>



104. देवताओं ऋषिओं की सहायता से राम द्वारा रावण का वध



- प्र०१ पिछले प्रकरण में रावण भाग गया था। क्या वह लौट कर वापिस आया?
- प्र०२ देवता जो बातें कर रहे थे, उन्होंने बातों के अतिरिक्त कुछ किया भी?
- प्र०३ देवराज इंद्र के अतिरिक्त किसी अन्य ने भी इस समय राम की कोई सहायता की?
- प्र०४ अब जब राम और रावण दोनों रथों पर थे तो दोनों के बीच भयंकर युद्ध हुआ होगा?
- प्र०५ जब रावण लहूलुहान हो गया तो क्या वह युद्ध करता रहा या भाग गया?
- प्र०६ रावण एक बार फिर युद्ध से बाहर हो गया। क्या वह वापिस आया?



- प्र०७ जब रावण वापिस युद्धभूमि में आता दिखा तो राम ने क्या किया?
- प्र०८ राम रावण का यह भयंकर युद्ध कितना लम्बा चला?
- प्र०९ इस युद्ध का तो कोई अंत होता नहीं दिख रहा। राम भी चिंता में है और रावण भी राम को कष्ट तो दे रहा है पर पराजित नहीं कर पा रहा। इस में से राम की विजय का मार्ग कैसे निकला?
- प्र०१० तो फिर क्या राम ने ब्रह्मा जी के उस अस्त्र का प्रयोग किया?
- प्र०११ एक अंतिम प्रश्न - मैंने दो किवंदन्तियाँ सुनी हैं - पहली, कि विभीषण ने राम को रावण की नाभि में रखे अमृत के घड़े के बारे में बताया जिसके कारण राम रावण को मार पाए। दूसरी कि जब रावण मरणासन्न था तो राम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान लेने भेजा था। आप इन दोनों के बारे में क्या कहेंगे?

देवराज ने रथ दीयो, महर्षि दीयो ज्ञान।

सारथि की राम मानी, हारा रावण जान।

Episode 104 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the last battle of the great war between Ram and Raavan. Raavan had run away to safety after his chariot had been destroyed. When Raavan returned with a new chariot, he started raining arrows on Ram using advantage of height. Devas who were seeing the war, felt that this was an unequal war since Raavan was on a chariot and Ram was standing on the ground. King of devatas, Indr, ordered his charioteer, Matali, to take his divine chariot to Ram. Rushi Agastya also visited Ram and blessed him. A fierce battle started between Ram and Raavan. Soon both the warriors were bleeding and injured. A point came when Raavan was badly hurt and was unable to fight. Raavan's charioteer took Raavan away from the battlefield. However, as Raavan gained back his strength Raavan ordered his charioteer to return to the battle field. The fighting started again and continued through the night. Ram hurt Raavan again and again but was unable to kill him. Matali advised him to use the weapon that was given to him by Rushi Agastya. Ram accepted the advice, used the weapon about which he had forgotten. The weapon penetrated and burst Raavan's heart killing him instantly. (Ref. Chapters 102-108, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)



वाल्मीकि रामायण के राम

Youtube - <https://youtu.be/pkD6BY9d-KQ>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2AZ1U4E3emkmdRT36r0Ylw?si=22RZCmTyTliFdYr-1EcEzQ>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-104-devataom-rsiom-ki-sahayata-se-rama-dvara-ravana-ka-vadha-1689231415>



105. विजयादशमी उत्सव रावण का दाह संस्कार और विभीषण का राज्याभिषेक



- प्र०१ राम को जो सफलता मिली उसके सम्बन्ध में कोई टिप्पणी, उससे कोई शिक्षा जो हम ग्रहण कर सकते हैं?
- प्र०२ रावण की मृत्यु के बाद वहाँ सबके मनोभाव कैसे थे?
- प्र०३ जब विभीषण विलाप कर रहे थे, तो किसी ने उन्हें संभाला?
- प्र०४ राम के मधुर वचन सुनकर विभीषण ने क्या कहा?
- प्र०५ रावण की तो सैंकड़ों पत्नियाँ थीं। वे भी क्या युद्धभूमि में आ गयी?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ रावण की ज्येष्ठ और प्यारी पत्नी मन्दोदरी भी वहाँ आयी होगी?
- प्र०७ मन्दोदरी एवं अन्य स्त्रियों के विलाप को किसी ने रोकने का प्रयास किया?
- प्र०८ तो फिर क्या विभीषण ने रावण के दाह संस्कार का प्रबंध किया?
- प्र०९ रावण के अंतिम संस्कार के पश्चात राम ने क्या किया?
- प्र०१० विभीषण ने राज्याभिषेक के बाद सर्वप्रथम क्या किया?

वैर रहयो तब तक, जब तक तन में जान।

मरन बाद रावण भयो, राम भाई समान।

Episode 105 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events that happened immediately after the death of Raavan. Vibheeshan, who had played an active role in the war, suddenly started crying after seeing his brother Raavan's dead body. Ram consoled him and asked him to apply his mind to the future course of action. Vibheeshan sought Ram's permission to carry out the last rites of Raavan. Ram told Vibheeshan that his animosity towards Raavan was only till Raavan was alive and Vibheeshan should carry out cremation and last rites of Raavan. All the wives including Mandodree reached the place where Raavan's dead body was lying. The women started wailing and crying. Each of them was remembering Raavan in her own way and was shedding tears. Ram asked Vibheeshan to console them. After consoling the women, Vibheeshan turned to Ram and said that considering the crooked man Raavan was, he did not want to carry out the last rites of Raavan. Ram convinced Vibheeshan that Vibheeshan should carry out the last rites for Raavan. Vibheeshan took the help of his maternal grandfather Maalywaan and carried out the cremation and other last rites. Ram asked Sugreev and other warriors of Vaanar Sena to go with Vibheeshan and carry out Vibheeshan's coronation as king of Lanka. After the coronation, Ram asked Hanuman to enter Lanka with the permission of Vibheeshan and meet Seeta. Ram asked Hanuman to convey to Seeta the news of Ram's victory over Raavan and come back with any message that Seeta may have for Ram. (Ref. Chapters 109-112, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://open.spotify.com/episode/1cVpMlqOAYwjMoVSjqucOZ?si=nJ1U8mp7T-ypG-bCpRq_Aw

Spotify - https://open.spotify.com/episode/1cVpMlqOAYwjMoVSjqucOZ?si=nJ1U8mp7T-ypG-bCpRq_Aw



वाल्मीकि रामायण के राम

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-105-vijayadasami-utsava-ravana-ka-daha-sanskara-aura-vibhisana-ka-raiyabhiseka-1689845952>



106. मृत वानरों रीछों को देख दुःख अवसाद में डूबे राम द्वारा सीता परित्याग



- प्र०१ हनुमान को आदेश दिया था। जब हनुमान सीता के पास गए तो क्या हुआ?
- प्र०२ यह सब सुनकर सीता ने क्या कहा?
- प्र०३ सीता की बात सुन हनुमान ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०४ इसके बाद हनुमान ने सीता से कुछ और कहा?
- प्र०५ इस अनुरोध का सीता ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०६ सीता की इन दयापूर्ण विद्वत्पूर्ण बातों का हनुमान ने क्या उत्तर दिया?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०७ सन्देश सुनकर राम ने क्या किया?
- प्र०८ प्रसन्नता के इस अवसर पर राम किन विचारों में डूबे हैं, रो क्यों रहे हैं?
- प्र०९ विभीषण सीता को लेने गए तो क्या हुआ?
- प्र०१० जब सीता स्नान करके श्रृंगार करके राम के पास पहुँची तो क्या हुआ?
- प्र०११ जब सीता राम के सम्मुख आयी तो क्या हुआ?
- प्र०१२ अपने प्रियतम के मुख से ऐसे कठोर वचन सुनकर सीता पर तो जैसे वज्रपात हो गया होगा। उन्होंने क्या कहा?

रीछ वानर शव देखत, सोचत रोवत राम।

लाखों पुत्र गवाँय के, कैसे जाऊँ धाम।

राघव से सीता मिली, मन में उठत उमंग।

पुत्र शोक भारी भयो, जैसे डसा भुजंग।

भुजंग अर्थात् साँप

Episode 106 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events after Vibheeshan had been coronated. Hanuman went to meet Seeta and convey the news about Raavan's defeat and Ram's victory. Seeta was elated to hear the news and wanted to see Ram. On hearing that Seeta wanted to see him, Ram instructed Vibheeshan to arrange for Seeta's coming there after Seeta has a bath, gets good clothes and jewellery. All this time, Ram is immersed in deep thought and is crying continuously with tears rolling down his cheeks. He cannot face the dead bodies of Vaanar Sena and



वाल्मीकि रामायण के राम

also the wounded and maimed soldiers who had fought for him. He dreads the day when he has to face the mothers, sisters and wives of killed and maimed soldiers. He cannot bear it that the world would say that he made thousands of women widows or childless just to get back his wife. When Seeta comes to Ram, he clarifies to her that he fought the war for dharm and not for the personal agenda of getting her back. He tells her that he is no longer interested in her and she is free to go with any other man whom she chooses. Seeta is heartbroken and decides to enter fire instead of living without Ram. (Ref. Chapters 113-116, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - https://youtu.be/5qf_qK-B_Ck

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/5frnGsiwee07DnQ540XmPx?si=TQGGk2csT9yw4oZyMlk1tg>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-106-mrta-vanarom-richom-ko-dekha-duhkha-avasada-mem-dube-rama-dvara-sita-parityaga-1690455313>



107. सीता का अग्निप्रवेश वानरों के लिए राम ने देवराज से वर माँगा



- प्र०१ जब लक्ष्मण ने चिता तैयार कर दी तो क्या सीता ने उसमें प्रवेश किया या किसी ने उन्हें रोक लिया?
- प्र०२ सीता के अग्निप्रवेश के बाद क्या हुआ?
- प्र०३ राम के ऐसा कहने पर किसने उन्हें उनके बारे में समझाया?
- प्र०४ जब देवगण और राम के बीच यह वार्तालाप चल रहा था उतनी देर में तो सीता अग्नि में जल कर राख हो गयी होंगी?
- प्र०५ वहाँ अन्य देवता भी आये थे। किसी अन्य ने राम से कुछ कहा?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ देवगण के साथ देवराज इंद्र भी आये थे। उन्होंने कुछ कहा?
- प्र०७ राम ने इंद्र से क्या माँगा?
- प्र०८ राम ने जो वर माँगा, क्या देवराज इंद्र ने वह उन्हें प्रदान किया?
- प्र०९ इसके बाद तो सब ओर खुशियों की लहर छा गयी होगी? देवराज इंद्र ने राम से और कुछ भी कहा?

वानर शव देख राम रोए।

सबै देव हाथ जोड़ आए।।

मन में का है राघव बोलो।

इंद्र कहीं जो चाहे ले लो।।

वानर रीछ लंगूर जो मरे।

जी उठें निरोग होवें खड़े।।

चोट अंग-भंग ठीक होएं।

देवराज से राघव चाहें।।

Episode 107 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla starts with Seeta entering the flames of the pyre prepared by Lakshman. There was commotion all around on seeing Seeta enter the flames. All devtas, Brahma (the Creator), Mahadev (Shiv), Yamraaj, and Varun along with all ancestors came there and pleaded with folded hands to Ram to not remove his heart from Seeta. Brahma told Ram that he was Vishnu incarnate and Seeta was Laxmi incarnate. Agni devta came out of fire with Seeta in his lap holding her like a father carries his daughter. Agni dev asked Ram to accept Seeta. Ram consented. Mahadev (Shiv) praised Ram and asked him to meet Maharaj Dashrath, his father. Maharaj Dashrath was extremely pleased to meet his illustrious victorious son. Ram decided to use the



वाल्मीकि रामायण के राम

happy mood of his father to ask him to remove the curse on Kaikeyee and Bharat. Maharaj Dashrath was too happy to refuse. Devraj Indr told Ram to ask for whatever he wishes. Ram asked that all dead soldiers of Vaanar Sena should become alive again; they as well as all wounded soldiers of the Sena should become healthy, disease-free and full of strength and vitality. Further, fruits and flowers should be in abundance all through the year; and rivers should flow well wherever these soldiers live. Indr granted the boons. (Ref. Chapters 116-120, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/a8EDgVxwiz8>

Spotify - https://open.spotify.com/episode/0F2wvNBfw9N69MmS9MBVJ1?si=bP-X_DgdSM2HhG5vL1bTOQ

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-107-sita-ka-agnipravesa-vanarom-ke-lie-rama-ne-devaraja-se-vara-mamga-1691059444>



108. वानर सेना को धन प्रदान राम का अयोध्या के लिए प्रस्थान



- प्र०१ सीता राम का मिलन हो गया, वानर पुनः जीवित हो गए स्वस्थ हो गए। उसके पश्चात क्या हुआ?
- प्र०२ राम के ऐसा कहने पर विभीषण ने क्या कहा?
- प्र०३ विभीषण के इस विनयपूर्ण अनुरोध का राम ने क्या उत्तर दिया?
- प्र०४ विभीषण के ऐसा पूछने पर राम ने उसे क्या सेवा देने को कहा?
- प्र०५ क्या विभीषण ने राम की सलाह मानी?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ इसके बाद तो राम सीता लक्ष्मण ने विमान पर बैठकर प्रस्थान किया होगा?
- प्र०७ जब राम सीता लक्ष्मण वानर सेनापतियों विभीषण और उनके मंत्री विमान से यात्रा कर रहे तो मार्ग में कोई घटना हुई?
- प्र०८ क्या राम ने सीता की इच्छा को पूरा किया?
- प्र०९ विमान ने किष्किंधा से प्रस्थान किया तो क्या सीधे अयोध्या पहुँचा?
- प्र०१० मुनि भारद्वाज द्वारा वर देने की इच्छा प्रकट करने पर राम ने उनसे क्या वर माँगा?

लंकाराज कहिन राम से, का करूँ भेंट नाथ।

धन मान उन वानर दो, जिन लड़ा युद्ध तात।।

मुनिवर बोलें राम से, देन चाहूँ इक वर।

राघव माँगे फल मधुर, खुश हों सबै वानर।।

Episode 108 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla describes the events that took place at the time of departure of Ram, Seeta and Lakshman from Lanka for Ayodhya. Everyone had a good night's sleep. When Ram woke up, he saw Vibheeshan standing with folded hands pointing to the arrangements that had been made including water for bathing, sandalwood, clothes, ornaments, make-up etc. Ram said that he was missing his brother Bharat and requested Vibheeshan to concentrate on the journey to Ayodhya which was a long one. Vibheeshan asked Ram to not worry about the journey since his brother Kuber's vimaan (aircraft) was available. The vimaan would take them to Ayodhya in just one day. When the vimaan arrived, Vibheeshan asked Ram if there was anything else that he could do. Ram advised Vibheeshan to give money to all the soldiers who had fought so valiantly. Vibheeshan accepted the advice. Just as Ram was getting ready to board the vimaan, Sugreev, Vibheeshan and all chiefs of Vaanar Sena expressed their desire to accompany Ram to Ayodhya. Ram happily welcomed them to accompany him to Ayodhya. On the way, when the vimaan was approaching Kishkindha, Seeta told Ram that she would like the wives of all vaanar warriors to also join them. Ram asked for the vimaan to halt at Kishkindha. The vaanar ladies joined the group. Just as they were nearing Ayodhya, they stopped at the ashram of Muni Bhardwaj. Muni was glad to welcome Ram. Muni told Ram that he wanted to grant Ram a boon. Ram asked that all trees in the ashram and on the way to Ayodhya should start bearing nice juicy fruits. (Ref. Chapters 121-124, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)



वाल्मीकि रामायण के राम

Youtube - <https://youtu.be/KtNZ8TJh7fU>

Spotify - https://open.spotify.com/episode/6ln2EeZxl2bShm1ihKhIGK?si=KFAvgU4kRtmHyk-eB_XwIw

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-108-vanara-sena-ko-dhana-pradana-rama-ka-ayodhya-ke-lie-prasthan-1691662474>



109. भरत की परीक्षा राम की अयोध्या में वापसी और राज्याभिषेक



- प्र०१ राम, लक्ष्मण, सीता, विभीषण, सुग्रीव और समस्त वानर सेनापति मुनिराज भारद्वाज के आश्रम में पहुँच गए थे और रात्रि विश्राम के लिए रुक गए थे। फिर क्या हुआ?
- प्र०२ तो क्या हनुमान भरत से मिलने अयोध्या गए?
- प्र०३ समाचार सुन भरत की क्या प्रतिक्रिया थी?
- प्र०४ अरे, हनुमान के बारे में तो सुनते हैं कि वे आजीवन अविवाहित रहे थे?
- प्र०५ हनुमान द्वारा राम के आगमन की सूचना पाने के पश्चात भरत ने क्या किया?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०६ जब राम सीता लक्ष्मण अयोध्या पहुँचे तो क्या हुआ?
- प्र०७ इसके बाद ये सब नंदीग्राम आये या अयोध्या में ही रुके?
- प्र०८ मेलमिलाप के पश्चात क्या हुआ?
- प्र०९ इसके बाद तो राज्याभिषेक की तैयारियाँ प्रारम्भ हो गयी होंगी?
- प्र०१० यह हम सब के लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि राम का राज्याभिषेक पूर्ण विधि विधान के साथ संपन्न हुआ। राज्याभिषेक के पश्चात राम ने किसे क्या दिया, दान किया?
- प्र०११ राम ने युवराज के पद पर किसे नियुक्त किया?
- प्र०१२ राम कथा के समापन के शुभ अवसर पर मैं चाहती हूँ कि आप मुझे और सभी दर्शकों एवं श्रोताओं को शुभाशीष दें।

राम कही हनुमान से, गया न होवे डोल।

प्रिय भरत राजलोभ से, इक बार लो टटोल।।

हनुमन ये शंका लिए, गये भरत के पास।

प्रेम भरत का देख के, शंका होई नास।।

सब ओर आनंद भयो, वन से लौटे राम।

भरत राज्य दीयो सौंप, ये ना अपनो काम।।



वाल्मीकि रामायण के राम

Episode 109 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla marks the end of the story of Ram. After deciding to spend the night at Muni Bhardwaj, Ram asked Hanuman to visit Ayodhya and inform Bharat about Ram's victory and planned return to Ayodhya. Ram instructed Hanuman to carefully observe Bharat and try to guess Bharat's thoughts. Ram was not sure if Bharat would like to welcome him. Ram confided to Hanuman that power over such a rich kingdom can make anyone clip. Ram told Hanuman that if Bharat was not interested in handing over the reign to Ram, he would not go to Ayodhya and would instead go elsewhere. Hanuman rushed to Ayodhya. He informed Bharat about Ram's victory over Raavan and imminent return. Bharat was jubilant. Bharat embraced Hanuman and showered him with gifts. Next day, Ram returned to Ayodhya and was welcomed with enthusiasm and festivities by Bharat and everyone at Ayodhya. Soon after his return, Ram was crowned as the king of Ayodhya. (Ref. Chapters 125-128, Yuddh Kand, Shreemad Valmikiy Ramayan)

Youtube - <https://youtu.be/LjBnSvG06Zg>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/6djoYugAAx4V4fnadz1AsM?si=hoQXglwZQLm5gRayll5bug>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-109-bharata-ki-pariksa-rama-ki-ayodhya-mem-vapasi-aura-rajyabhiseka-1692266903>



110. राम एवं धर्म सम्बन्धी प्रश्नोत्तर



- प्र०१ रायपुर से निधि शर्मा का प्रश्न है कि पिछले प्रकरण में राम के राज्याभिषेक का उल्लेख करते हुए आपने दीपावली का उल्लेख नहीं किया। इसका कोई विशेष कारण?
- प्र०२ कई दर्शकों ने पूछा है कि राम ने सीता को धोबी के कहने से जो त्याग दिया था, वह तो आपकी राम कथा में आया ही नहीं। ऐसा क्यों?
- प्र०३ न्यूयॉर्क से सुधा चतुर्वेदी ने प्रश्न किया है कि मैंने बहुत से व्यक्तियों को पूजा करते, नियमित मंदिर जाते, माला फेरते और अन्य इस प्रकार के अनुष्ठान करते देखा है। वे इन सब को धर्म का काम मानते हैं। क्या ये सब धर्म हैं?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०४ भावनगर से भुवन भट्ट का प्रश्न है कि धर्म का पालन करने या धर्मानुसार कर्म करने से क्या लाभ होता है?
- प्र०५ न्यू जर्सी अमेरिका से रचना ने पूछा है कि क्या धर्म का पालन करने से मोक्ष की प्राप्ति होगी?
- प्र०६ मुंबई से हरिभाऊ काकड़े का प्रश्न है कि वन को जाते हुए और वन से लौटने के बाद राम ने ब्राह्मणों को भरपूर दान दिया। क्या इससे राम की जातिवादी मानसिकता दिखती है?
- प्र०७ भोपाल से अमित राजे ने प्रश्न किया है कि विभीषण के राम से मिलने के पहले के विचार विमर्श में यह बताया गया: "शरणागत की रक्षा हमेशा करनी चाहिए।" क्या यह हमारे संस्कृति का एक ऐसा पहलू है जिसका हमारे शत्रुओं ने, फायदा ही उठाया है। पृथ्वीराज चौहान की गाथा को उदाहरार्थ लिया जा सकता है। आज के परिपेक्ष में इसे शायद गांधीवादी कहा जायेगा जिसे कई तर्कों से गलत बताया जा रहा है? क्या यह हमारे धर्मानुसार और सूक्ष्म विश्लेषण की आवश्यकता रखता है?
- प्र०८ ग्राम वर्धा, तहसील सिलवानी, जिला रायसेन, मध्य प्रदेश से रामनारायण पटेल ने इसी सन्दर्भ में प्रश्न पूछा है कि अहिंसा परमो धर्म: के बारे में हिन्दू धर्म की क्या सोच है?
- प्र०९ ठाणे मुंबई से सुरेश पाण्डे ने पूछा है कि यदि धर्म संबंधों / रिश्तों को निभाना है तो इसमें विशेष महत्त्वपूर्ण सम्बन्ध या धर्म कौन से हैं?



वाल्मीकि रामायण के राम

प्र०१० पुणे से श्रीधर ताम्रपर्णी ने प्रश्न किया है कि सदा यह सुना है कि धन संपत्ति मोह माया है और इससे मन हटा कर राम या कृष्ण का जाप करते हुए त्याग करना चाहिए। वाल्मीकि रामायण का इस विषय में क्या मत है?

Episode 110 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla is a question-answer session on the subject of Ram and Dharm. The questions were sent by viewers and listeners across the world. Some of the topics raised in the questions are as follows: desertion of Seeta by Ram; visiting temples and performing such other religious rituals; benefits of acting as per Dharm; moksh or salvation; casteism in the actions of Ram; protecting the one who has sought protection; non-violence (ahimsa); hierarchy of relations or Dharm; should wealth be shunned? Persons who have asked questions are as follows:- (1) Mrs. Nidhi Sharma, Raipur (2) Mrs. Sudha Chaturvedi, New York, USA (3) Mr. Bhuvan Bhatt, Bhavnagar (4) Mrs. Rachna, New Jersey, USA (5) Mr. Haribhau Kakde, Mumbai (6) Mr. Amit Raje, Bhopal (7) Mr. Ramnarayan Patel, Village Wardha, Block Silwani, Dist. Raisen, Madhya Pradesh (8) Mr. Suresh Pandey, Thane, Mumbai (9) Mr. Shridhar Tambraparni, Pune.

Youtube - <https://youtu.be/pKlxPPL7Ktg?si=6FIBl8hgxCt4jlwd>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/5wPcv7F9zyew0k0ApWVUtV?si=QTaMvJqJTGmvUq5oFTGlog>

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-110-rama-evam-dharma-sambandhi-prasnottara-1692945493>



111. वाल्मीकि रामायण के राम क्र० १११ अर्थ एवं काम सम्बंधित चर्चा तथा श्रृंखला का समापन



- प्र०१ मैंने आपका मार्च 2011 का लिखा एक लम्बा आलेख देखा जिसका शीर्षक है रामायण एंड हिन्दू इकोनॉमिक्स। लेख में आपने बीसवीं शताब्दी की इकोनॉमिक्स और रामायण के अर्थ शास्त्र में अंतर किया है। कृपया संक्षेप में बतायें कि दोनों में क्या अंतर है?
- प्र०२ रावण ने लंका को सोने की बना दिया पर ऐसा उल्लेख नहीं आता कि राम ने अयोध्या को सोने की बना दिया। तो क्या हम यह कह सकते हैं कि रावण राम से बेहतर राजा था?
- प्र०३ अर्थ शब्द से क्या आपका तात्पर्य धन संपत्ति से है?



वाल्मीकि रामायण के राम

- प्र०४ विभिन्न प्रकार के अर्थ में कौन सा अधिक महत्त्वपूर्ण है?
- प्र०५ काम और क्रोध को नरक का मार्ग बताया गया है। भजनों प्रार्थनाओं में इनसे मुक्ति की बात जाती है। इस विषय पर आप क्या कहेंगे?
- प्र०६ काम को तो स्त्री पुरुष संबंधों से जोड़ कर जाना जाता है। क्या इनसे अलग हट कर भी हम काम को समझ सकते हैं?
- प्र०७ धर्म अर्थ काम के सिद्धांत को आप तीन उदाहरणों के सन्दर्भ में समझाएं - सबसे पहले भोजन के सम्बन्ध में।
- प्र०८ आप इंजीनियर भी हैं तो प्रोडक्ट डिज़ाइन जैसे फर्नीचर या किसी अन्य उत्पाद के सम्बन्ध में?
- प्र०९ तीसरा और अंतिम विषय जिसके सन्दर्भ में मैं आपसे त्रिवर्ग को समझना चाहूँगी, वह मनोरंजन है। गीत, संगीत, नाटक, फिल्म इत्यादि के बारे में आप क्या कहेंगे?

Episode 111 of the conversations between Yogita Pant and Anil Chawla is the concluding episode of this series. The two discuss arth and kaam. The topics discussed are as follows: (1) Difference between Twentieth Century Economics and Arth Shastr of Ramayan (Ref. Ramayan and Hindu Economics, published 6 March 2011, <https://www.samarthbharat.com/files/ramayaneconomics.pdf>) (2) It is said that Raavan's Lanka was made of gold. Why did Ayodhya never become the same – made of gold? (3) Meaning of arth (4) Hierarchy / priority order for different types of arth (5) Are kaam and krodh (anger) the pathways to hell? (6) Kaam other than man-woman desire (7) Application of principle of dharm, arth and kaam (trivarg) to food (8) Application of trivarg principle to product design, for example, furniture design (9) Application of trivarg principle to entertainment, music, films, songs, theatre etc.

Youtube - <https://youtu.be/k565ZekI7H0?si=wQWfeg-KtsrkYT-q>

Spotify - <https://open.spotify.com/episode/2D5MEfmfQenxgkEuVRf9Qg?si=XPqTH7-LRGS4orCPqUO2BQ>



वाल्मीकि रामायण के राम

Hubhopper - <https://hubhopper.com/episode/valmiki-ramayana-ke-rama-kra0-111-dharma-kama-sambandhita-carca-evam-srrnkhala-ka-samapana-1693562556>



परिचय - अनिल चावला



नाम अनिल चावला

जन्म वर्ष एवं स्थान 1959, दिल्ली

वर्तमान निवास भोपाल, मध्य प्रदेश, भारत

पूर्व में निवास दिल्ली, जादूगोड़ा, वड़ोदरा, मुम्बई, रतलाम, इन्दौर, नासिक, जलगांव

शिक्षा बी० टेक० मेकैनिकल इंजीनियरिंग आई० आई० टी० मुम्बई,
एल० एल० बी०, एल० एल० एम०,
वर्तमान में पी० एच० डी० हेतु अध्ययनरत

पंजीकरण अधिवक्ता एवं इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल

व्यावसायिक कार्य <https://indialegalhelp.com/>

सम्बंधित वेबसाइट <https://hindustanstudies.com/>

रचनात्मक वेबसाइट <http://www.samarthbharat.com/>

यू ट्यूब <https://www.youtube.com/@valmikiramayan>

फेसबुक <https://www.facebook.com/hinduthinker>



हिन्दू धर्म से सम्बन्धित अनिल चावला की कुछ रचनाएँ

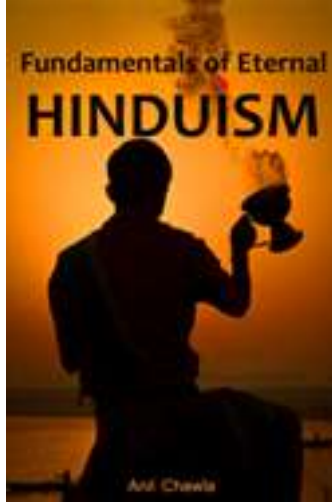


हिन्दू धर्म की वेदांत एवं हिंदुत्व से रक्षा

<https://samarthbharat.com/files/hindudharm.pdf>



Fundamentals of Eternal Hinduism



<http://samarthbharat.com/files/eternalhindu.pdf>



Ramayan and Hindu Economics

<https://www.samarthbharat.com/files/ramayaneconomics.pdf>



To Be Dev or Danav – The Choice

<http://www.samarthbharat.com/devdanav.html>



परिचय - योगिता पन्त



नाम योगिता पन्त

जन्म वर्ष एवं स्थान 1972, भोपाल

वर्तमान निवास भोपाल, मध्य प्रदेश, भारत

पूर्व में निवास हैदराबाद, पुणे, इंदौर,
एवं एटलांटा, जॉर्जिया, यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ़ अमेरिका

शिक्षा बी० ए० मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ़ पर्सनल मैनेजमेंट;
एल० एल० बी०, एल० एल० एम०,
वर्तमान में पी० एच० डी० हेतु अध्ययनरत

पंजीकरण अधिवक्ता एवं इन्सॉल्वेंसी प्रोफेशनल

व्यावसायिक कार्य
सम्बंधित वेबसाइट <https://indialegalhelp.com/>

यू ट्यूब <https://www.youtube.com/@valmikiramayan>